www.hindmatamirror.com • वर्ष: 12 • अंक: 220 • ठाणे, गुरुवार 7 मई, 2026 • पेज: 8 • मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

पेज 8

आईपीएल 2026 फाइनल अहमदाबाद शफ्टि

राजा शिवाजी के लिए 8 पेज

मराठा सम्राज्य का मानचित्र एनसीईआरटी से हटाने के खिलाफ वंशजों ने अदालत का रुख किया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक से मराठा साम्राज्य के मानचित्र को हटाने के खिलाफ मराठा राजशाही परिवार के वंशजों ने अन्य नागरिकों के साथ बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है। राजशाही परिवार के वंशजों और नागरिकों ने मंगलवार को दायर अपनी जनहित याचिका मानचित्र संख्या 3.11 को फिर से शामिल करने का अनुरोध किया है। उक्त मानचित्र में दर्शाया गया है कि 1759 ईस्वी में मराठा साम्राज्य का क्षेत्रीय विस्तार तंजावुर (वर्तमान तमिलनाडु में) से लेकर पेशावर (पाकिस्तान में) तक था।

एकतरफा, मनमाना, अपारदर्शी और प्रक्रियात्मक रूप से त्रुटिपूर्ण निर्णय

याचिकाकर्ताओं में नागपुर से राजे मुधोजीराव राजे अजीतसिंहराव भोंसले, छत्रपति शिवाजी महाराज की मां राजमाता जीजामाता के वंशज शिवाजी दत्तात्रेय राजे जाधव और रायगढ़ से रघुजीराजे शाहजीराजे आंग्रे समेत अन्य नागरिक शामिल हैं। अधिवक्ता आशीषराजे गायकवाड़ के जरिए दाखिल जनहित याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की आठवीं कक्षा की पाठ्यपुस्तक (हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू माध्यम) से मानचित्र को हटाने के एनसीईआरटी के एकतरफा, मनमाना, अपारदर्शी और प्रक्रियात्मक रूप से त्रुटिपूर्ण निर्णय से अति व्यथित हैं।

सांस्कृतिक पहचान के अधिकारों का हनन

याचिका में दावा किया गया कि मानचित्र को हटाने का निर्णय लेने से पहले किसी भी ऐतिहासिक दस्तावेज, राजपत्र या अकादमिक शोध का संदर्भ नहीं लिया गया। इसमें दावा किया, इस प्रकार से किसी हिस्से को हटाना संविधान के तहत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, जिससे छात्रों को सटीक ऐतिहासिक शिक्षा से वंचित किया जा रहा है और सांस्कृतिक पहचान के अधिकारों का हनन हो रहा है।

मानचित्र को दोबारा शामिल करने का आग्रह

याचिका में उच्च न्यायालय से एनसीईआरटी के फैसले को रद्द करने और सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में मानचित्र को दोबारा शामिल करने का आदेश देने का आग्रह किया गया। इस जनहित याचिका पर इस सप्ताह सुनवाई होने की उम्मीद है।

सुप्रभात

उस जाति की स्थिति कितनी दयनीय है जो परस्पर वैमनस्य के कारण कई संप्रदायों में बंट चुकी है और हर संप्रदाय स्वयं को एक जाति मानने लगा है।

- खलील जिब्रान

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (7 मई) 7:02 बजे, सूर्योदय (8 मई) 6:07 बजे, **तापमानः 32 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

शॉर्ट स्टोरी

आज छह घंटे के लिए बंद रहेगा मुंबई एयरपोर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मानसून की आहट के साथ ही देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक, मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) ने अपनी सुरक्षा तैयारियों को पुख्ता करना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में, हवाई अड्डा प्रशासन ने 7 मई 2026 को रनवे के वार्षिक प्री-मानसून रखरखाव के लिए एक विशेष शटडाउन की घोषणा की है। हवाई अड्डा प्रबंधन द्वारा जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, 7 मई को सुबह 11 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक रनवे संचालन पूरी तरह से बंद रहेगा। इस अवधि के दौरान हवाई अड्डे के दोनों रनवे प्राथमिक रनवे (09/27) और सेकेंडरी रनवे (14/32) अस्थायी रूप से बंद रहेंगे।

31 मई तक नाला सफाई पूरी करने का निर्देश

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए बीएमसी ने नाला सफाई कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। महापौर रितु तावड़े ने स्पष्ट किया है कि शहर के सभी नालों की सफाई 31 मई 2026 तक हर हाल में पूरी की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जहां आवश्यकता हो, वहां रोबोटिक तकनीक का उपयोग कर कार्य को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाया जाए। महापौर ने नाला सफाई कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को निरीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उनका कहना है कि इससे कार्यों की निगरानी बेहतर होगी और नागरिकों का भरोसा भी बढ़ेगा।

महाराष्ट्र में शक्ति कानून लागू करने की मांग

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

कांग्रेस की मुंबई इकाई अध्यक्ष वर्षा गायकवाड ने महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को पत्र लिखकर राज्य में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है और शक्ति कानून तत्काल लागू करने पर जोर दिया है। गायकवाड ने पांच मई को लिखे एक पत्र में कानून-व्यवस्था गंभीर रूप से बिगड़ने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले में देश में महाराष्ट्र राज्य दूसरे स्थान पर हो गया है। उनका यह अनुरोध पुणे जिले के एक गांव में चार वर्षीय बच्ची के कथित बलात्कार और हत्या के विरोध में किए जा रहे व्यापक प्रदर्शनों के बीच आया है।

महिलाओं ने दी सामूहिक मुंडन की चेतावनी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

पिछले 20-25 वर्षों से स्थायी सरकारी सेवा की प्रतीक्षा कर रहे समग्र शिक्षा अभियान के हजारों कर्मचारियों का मुंबई के आजाद मैदान में चल रहा बेमियादी आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। लगातार 57 दिनों से जारी इस आंदोलन पर पूरे शिक्षा विभाग की नजर बनी हुई है, लेकिन राज्य सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है, जिससे कर्मचारियों में गहरी नाराजगी है। शिक्षाकर्मियों के आंदोलन में शामिल महिला कर्मचारियों ने अब कड़ा रुख अपनाते हुए 8 मई को आजाद मैदान में सामूहिक मुंडन आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

विजय ने 112 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा राज्यपाल बोले, 118 विधायक लाइए

मैजिक नंबर पर महाभारत

बहुमत के लिए मिला कांग्रेस का समर्थन, अब सामने बस एक ऑप्शन

हिंदमाता नेटवर्क @ चेन्नई

तमिलनाडु विधानसभा में मिली बड़ी जीत के बाद टीवीके के मुखिया और एक्टर विजय ने सरकार बनाने का दावा पेश किया है और पार्टी से मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार सुबह विजय सीएम पद की शपथ लेंगे। लेकिन उनके शपथ ग्रहण का समारोह गुरुवार को ही होगा, इसकी संभावना कम लग रही है। सूत्रों के मुताबिक सरकार बनाने के दावा पेश करने के बाद तमिलनाडु के गर्वनर आर्लेकर ने मीटिंग के दौरान कहा, सामान्य बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायकों के समर्थन का पत्र हो तो ज्यादा ठीक रहेगा। इसके बाद राज्यपाल ने 5 मई 2026 से तमिलनाडु की 16वीं विधानसभा को भंग कर दिया है।

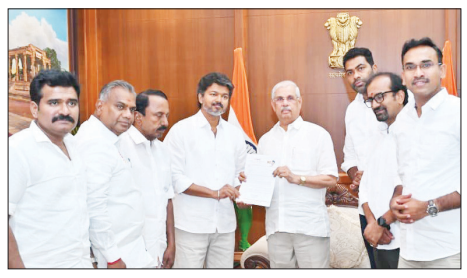

विजय ने राज्यपाल को 112 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा

टीवीके प्रमुख विजय ने राज्यपाल से मुलाकात के दौरान 112 विधायकों के समर्थन का लेटर सौंपा, क्योंकि विजय खुद दो जगह से जीते हैं, इसीलिए टीवीके विधायकों की संख्या 107 ही है और अभी तक कांग्रेस ने 5 विधायकों के समर्थन की चिट्ठी ही टीवीके को सौंपी है। ऐसे में आधिकारिक तौर पर विजय के पास फिलहाल सिर्फ 112 विधायकों का ही समर्थन है। सूत्रों के मुताबिक राज्यपाल से चर्चा के बाद विजय ने उनसे कुछ और समय मांगा है। दो विधायकों वाली वीसीके ने कहा है कि टीवीके को समर्थन देने पर वो गुरुवार को फैसला करेंगे, इसी तरह लेफ्ट के चार विधायकों के समर्थन के लिए विजय को 8 मई तक इंतजार करना पड़ेगा। हालांकि पीएमके के चार विधायकों ने बुधवार को टीवीके चीफ विजय से मुलाकात की लेकिन उनको समर्थन देने का पत्र अभी तक नहीं दिया गया है।

आज कैसे शपथ लेंगे थलापति

एआईएडीएमके और कांग्रेस विजय के खेमे की तरफ रुख कर चुकी हैं, जबकि एआईएडीएमके में तनाव के संकेत दिख रहे हैं। एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेताओं ने प्रशासन में शामिल होने के बजाय संभावित टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार को बाहरी समर्थन देने की संभावना जताई। कांग्रेस ने जैसे ही टीवीके सरकार को अपना समर्थन दिया। सूत्रों के अनुसार, इसके बाद टीवीके ने एआईएडीएमके के साथ अपनी बातचीत रोक दी।

डीएमके की तीखी प्रतिक्रिया

कांग्रेस द्वारा पाला बदलने और विजय के साथ हाथ मिलाने के फैसले पर डीएमके ने कड़ी नाराजगी जताई है। सत्ता से बाहर होती नजर आ रही डीएमके ने कांग्रेस के इस कदम को पीठ में छुरा घोंपने जैसा विश्वासघात करार दिया है। हालांकि, कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन देने के लिए एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। कांग्रेस का कहना है कि वे ऐसी किसी भी ताकत को गठबंधन का हिस्सा नहीं बनने देंगे जो संविधान में विश्वास नहीं रखती या सांप्रदायिक राजनीति करती है।

विजय के पास नहीं मैजिक नंबर

थलापति विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 में 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी। लेकिन 108 सीटें जीतने के बावजूद टीवीके बहुमत के आंकड़े से 10 सीटें पीछे रह गई। तमिलनाडु विधानसभा के नतीजों पर करीब से नजर डालें तो पता चलता है कि कम से कम एक दर्जन सीटों पर टीवीके इतने कम अंतर से हारी कि वोटों में जरा सा भी बदलाव नतीजा बदल सकता था।

विजय के पास अब केवल एक ऑप्शन

थलापति विजय को कांग्रेस का समर्थन मिला गया है। तमिलनाडु चुनाव में कांग्रेस ने 5 सीटें जीतीं, लेकिन अब भी 108 में पांच सीटों के जुड़ने से नंबर 113 पर पहुंच गया है। टीवीके को अब भी सरकार बनाने के लिए 5 सीटों की जरूरत है। ऐसे में विजय की पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) का समर्थन मांग सकती है। एआईएडीएमके के पास 47 सीटें हैं। अगर टीवीके और एआईएडीएमके साथ आ जाते हैं तो विजय की पार्टी को बहुमत मिल जाएगा।

बंगाल-तमिलनाडु के नतीजों से महाराष्ट्र में खलबली!

काम नहीं किया तो नपेंगे मंत्री, सीएम फडणवीस ने दी चेतावनी

हिंदमाता नेटवर्क @ चेन्नई

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल व एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों परिणामों में जिस तरह से बंगाल व तमिलनाडु में मुख्यमंत्रियों के अलावा दर्जनों मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा, उसने महाराष्ट्र में महायुति सरकार के माथे पर चिंता की खींच दी हैं। इन राज्यों के चुनावी नतीजों को असर मंगलवार को हुई महाराष्ट्र सरकार की कैबिनेट बैठक में भी देखने को मिला। इन चौंकाने वाले परिणामों को देख मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महायुति में शामिल शिंदे सेना व सुनेत्रा पवार की एनसीपी को अभी से सचेत कर दिया है। उनका मानना है कि इन परिणामों से हम सबको सबक लेने की जरूरत है। अगर आने वाले वर्षों में हम जनता की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते हैं तो फिर इस तरह के सेटबैंक का सामना हम सभी को करना पड़ सकता है।

अगली बार लाडकी बहीण जैसी योजना लाना मुश्किल

महायुति सरकार में शामिल सभी सहयोगी दलों को यह भी बताया गया है कि साल 2024 में हुए विधानसभा चुनावों से पहले लाडकी बहिन योजना लाकर पूरे समीकरण बदल दिए गए थे, लेकिन अब राज्य की आर्थिक स्थिति को देखते हुए 2029 में इस तरह की कोई गेम चेंजर योजना लाना मुश्किल है। ऐसे में अब सिर्फ सरकार और मंत्रियों के परफॉर्मेंस के आधार पर ही अगला चुनाव लड़ना होगा। इसलिए सभी मंत्रियों को अभी से सचेत कर दिया गया है।

मंत्रियों को मिला अल्टीमेटम

महायुति सरकार में शामिल सभी दलों ने अपने मंत्रियों को चेतावनी देते हुए परफॉर्मेंस सुधारने की नसीहत दी है। जो मंत्री निकम्मे हैं, उन पर गाज गिर सकती है। महायुति का मानना है कि अगर 2029 में हमें वापसी करनी है तो अभी से तैयारी करनी होगी। सीएम ने मंत्रियों व नेताओं से कहा है कि वे केबिन का मोह छोड़ कर ग्राउंड लेवल पर उतरें और लोगों की समस्याएं सुलझाएं। महायुति का मानना है कि बंगाल में ममता बनर्जी व तमिलनाडु में स्टालिन की हार की बड़ी वजह जनता की नाराजगी है। ऐसे में महायुति को 2029 के लिए अभी से कमर कसनी होगी।

बावनकुले बोले- जनता विकास चाहती है

भाजपा नेता और महराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा है कि पश्चिम बंगाल के लोगों ने डेवलपमेंट के लिए वोट दिया है। लोगों ने थर्ड डिग्री पॉलिटिक्स को खत्म कर दिया है। इसलिए महाराष्ट्र में भी हम सभी को इससे सबक लेने की जरूरत है। विपक्षी पार्टियों के नेताओं को भी इससे सबक लेना चाहिए। हालांकि, उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) नहीं सुधरी तो उन्हें 2047 तक घर पर बैठना होगा। महाराष्ट्र के लोग भी डेवलपमेंट के पक्ष में खड़े है। बावनकुले ने अपने सहयोगी दलों के मंत्रियों के साथ बैठक कर महायुति की आगामी योजनाओं पर मंथन किया।

ठाकरे ग्रुप से 82 लोगों का इस्तीफा

परभणी में ठाकरे ग्रुप के अंदर की उथल-पुथल सामने आ गई है और 82 पार्टी पदाधिकारियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस विधायक सतेज पाटील ने भाजपा पर आरोप लगाया कि उसने महागठबंधन में अंदरूनी मतभेदों के कारण गोकुल दूध संघ पर एडमिनिस्ट्रेटर लगा दिया है। पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों पर कमेंट करते हुए ठाकरे ग्रुप के सांसद संजय राऊत ने ममता बनर्जी का सपोर्ट किया। बीजेपी ने ठाणे में, जो डिप्टी चीफ मिनिस्टर शिंदे का गढ़ माना जाता है, ऑर्गेनाइजेशनल मीटिंग शुरू कर दीं, जिससे बहस छिड़ गई।

क्या उद्धव ठाकरे की शिवसेना में एक और फूट की तैयारी?

शिंदे के साथ दिखे पाटील, कोंकण में भी हलचल तेज

शिंदे के साथ दिखे पाटील, कोंकण में भी हलचल तेज

महाराष्ट्र की सियासत में फिर से गर्माहट आती दिख रही है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना पर एक बार फिर बड़ी फूट संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पार्टी के सांसद संजय पाटील के एकनाथ शिंदे के साथ कार में बैठकर जाने की खबरों ने ठाकरे खेमा में टेंशन बढ़ा दी है। साथ ही कोंकण क्षेत्र में भी हलचल दिखने लगी है, और कहा जा रहा है कि ऑपरेशन टाइगर यहां से एक बड़ा धड़ा जल्द शिंदे की शिवसेना के साथ जा सकता है। शिवसेना खेमे में हलचल तब तेज हो गई, जब लोकसभा सांसद संजय दिना पाटील उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के एक साथ नजर आए। संजय ठाकरे गुट के लोकसभा सांसद हैं। मुंबई के फोर्टिस हॉस्पिटल के बाहर दोनों की एक ही कार में सफर करते हुए तस्वीरें सामने आने के बाद ऑपरेशन टाइगर जैसी चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है।

रोबोट बौद्ध भिक्षु

दक्षिण कोरिया के सियोल शहर में एक रोबोट बौद्ध भिक्षु चर्चा का विषय बन गया है। वैशाख पूर्णिमा को महात्मा गौतम बुद्ध के जन्मदिन से पहले जोग्ये मंदिर में दीक्षा समारोह के बाद एक ह्यूमनॉइड रोबोट बौद्ध भिक्षुओं के साथ प्रार्थना करता नजर आया। अब इसे लेकर चर्चा शुरू हो गई है कि आध्यात्मिक जगत में रोबोट का क्या भविष्य और क्या भूमिका हो सकती है।

बिल्डरों को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत

रक्षा ठिकानों के पास अब नहीं अटकेगा काम, एनओसी की देरी पर लगाम

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बिल्डरों को बड़ी राहत दी है। उच्च अदालत ने कहा कि रक्षा प्रतिष्ठानों के पास हो रहे निर्माण कार्यों के लिए अधिकारी बहुत देरी से अनापत्ति प्रमाणपत्र यानी एनओसी की मांग नहीं कर सकते। अदालत ने मुंबई के वरली इलाके में आईएनएस त्राता के पास स्थित दो आवासीय इमारतों को ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट यानी कब्जे से जुड़े प्रमाणपत्र जारी करने का आदेश दिया है। जस्टिस जीएस कुलकर्णी और जस्टिस आरती साठे की पीठ ने कहा कि रक्षा अधिकारियों को एनओसी के लिए एक निष्पक्ष और तर्कसंगत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। कोर्ट के अनुसार, कानून की आवश्यकताओं का पालन सख्ती से होना चाहिए। अदालत ने कहा कि यदि रक्षा प्रतिष्ठानों को सुरक्षा का कोई वास्तविक खतरा है, तो इसकी कार्रवाई निर्माण के शुरुआती चरण में ही होनी चाहिए।

संपत्ति का अधिकार

हाईकोर्ट ने कहा कि जब निर्माण कार्य स्वीकृत नक्शों के अनुसार काफी आगे बढ़ चुका हो, तब ऐसे मामलों में लापरवाही भरा रवैया नहीं अपनाया जा सकता। अदालत ने अनुच्छेद 300ए का हवाला देते हुए कहा कि संविधान संपत्ति के अधिकार की गारंटी देता है। इस अधिकार को कानूनी प्रक्रिया के बिना प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

क्या है पूरा मामला?

यह याचिका टेक्नो फ्रेशवर्ल्ड एलएलपी की ओर से दायर की गई थी। यह कंपनी प्रभादेवी इंद्रप्रस्थ को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी की डेवलपर है। महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी(म्हाडा) ने अक्टूबर 2025 में इन इमारतों को स्टॉप वर्क नोटिस जारी किया था। इसका कारण नौसेना अधिकारियों से एनओसी न होना बताया गया था। म्हाडा ने इसी आधार पर इमारतों को ओसी देने से भी मना कर दिया था।

अदालत की सख्त टिप्पणी

पीठ ने म्हाडा के नोटिस को मनमाना और अवैध करार दिया। उच्च अदालत ने पाया कि ये इमारतें निर्धारित मानदंडों से बाहर स्थित हैं, इसलिए यहां एनओसी की जरूरत ही नहीं थी। अदालत ने यह भी नोट किया कि आईएनएस त्राता के पास ऐसी कई इमारतें पहले से मौजूद हैं जिन्होंने एनओसी नहीं ली है। कोर्ट ने कहा कि नौसेना अधिकारी चुनिंदा तरीके से एनओसी की शर्त नहीं थोप सकते।

ताज और ट्राइडेंट होटल में आतंकी हमले की धमकी

फोन करने वाले को पुलिस ने दबोचा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई स्थित ताज होटल और ट्राइडेंट होटल को लेकर बुधवार को एक धमकी भरा कॉल मिलने से हड़कंप मच गया। कॉलर ने फोन पर दावा किया कि इन दोनों होटलों में आतंकवादी हमला होने वाला है। धमकी मिलने के तुरंत बाद होटल प्रबंधन ने इसकी सूचना मुंबई पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गईं। दोनों होटलों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और चप्पे-चप्पे पर निगरानी बढ़ा दी गई। बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने मौके पर पहुंचकर सघन जांच अभियान चलाया।

सायन इलाके से आरोपी पकड़ा गया

मुंबई पुलिस के अनुसार, धमकी भरे कॉल को गंभीरता से लेते हुए तुरंत सुरक्षा बढ़ा दी गई और कॉलर की पहचान करने के लिए तकनीकी टीम को लगाया गया। इस मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कॉलर को ट्रेस कर मुंबई के सायन इलाके से उसे हिरासत में ले लिया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

आरोपी ने शराब के नशे में धमकी भरा कॉल किया था

मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने शराब के नशे में धमकी भरा कॉल किया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह अपने घरेलू समस्याओं से परेशान था, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया। पुलिस के अनुसार, आरोपी हाउसकीपिंग का काम करता है और उससे पूछताछ जारी है।

नौ साल की पोती के साथ छेड़छाड़ करने पर 70 वर्षीय दादा गिरफ्तार

मेरे बाप को फांसी दो!

पुणे पार्वती कांड में मां का कलेजा फटा

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

पुणे के पार्वती इलाके में हुई इस शर्मनाक घटना ने पूरे महाराष्ट्र को झकझोर दिया है। नसरापुर की घटना का जख्म अभी भरा भी नहीं था कि एक 70 वर्षीय बुजुर्ग ने अपनी ही सगी नातिन के साथ दुष्कर्म का प्रयास कर रिश्तों को कलंकित कर दिया। पीड़िता की मां, जो एक कपड़े की दुकान में काम करती हैं, जब रात को काम से घर लौटीं तो उनकी दुनिया उजड़ गई। उन्होंने देखा कि उनकी बच्ची के शरीर पर खरोंच के निशान थे और वह बेहद डरी हुई थी। रोती हुई मां ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जिस पिता ने उन्हें पाल-पोसकर बड़ा किया, उसी ने उनकी कोख से जन्मी बच्ची की गरिमा छीनने की कोशिश की। उन्होंने भावुक होते हुए प्रशासन से मांग की है कि इस दरिंदे को किसी भी कीमत पर बख्शा न जाए और उसे सीधे फांसी के फंदे पर लटकाया जाए।

पहले भी ऐसा किया था

पुणे पार्वती कांड में पीड़िता ने अपनी मां को बताया कि यह पहली बार नहीं था जब नाना (तात्या) ने उसके साथ गलत काम करने की कोशिश की। बच्ची के अनुसार, जब भी उसके माता-पिता काम पर चले जाते थे, नाना उसे जबरदस्ती अपनी ओर खींचते थे। पिछली बार वह किसी तरह वहां से भागकर बाहर निकल गई थी, इसलिए घर वालों को पता नहीं चल सका। लेकिन इस बार आरोपी ने सारी हदें पार कर दीं, जिसकी वजह से यह घिनौनी करतूत सामने आ गई।

परिवार का संघर्ष और आरोपी का इतिहास

बच्ची के पिता, जो पेशे से रिक्शा चालक हैं, ने बताया कि आरोपी ससुर का व्यवहार पहले से ही संदिग्ध था। करीब एक साल पहले मोबाइल चोरी के आरोप में उन्हें घर से निकाल दिया गया था। पिता ने अपनी पत्नी से स्पष्ट कह दिया था कि उन्हें या तो अपना पिता चुनना होगा या अपना परिवार, जिसके बाद पत्नी ने अपने पति और बच्चों का साथ दिया।

किडनी ट्रांसप्लांट के नाम पर 31 लाख की ठगी

डॉक्टर सहित 7 पर केस दर्ज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

कल्याण पूर्व निवासी एक महिला से किडनी प्रत्यारोपण के नाम पर लगभग 31 लाख रुपए की धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय विठ्ठलवाड़ी पुलिस ने इस मामले में कुल 7 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। इसमें एक डॉक्टर का भी समावेश है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता दीपाली चव्हाण (32) स्थानीय विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन के कार्यक्षेत्र में रहती है।

किडनी की बीमारी से ग्रस्त पति के लिए तलाश रही थी डोनर

किडनी की बीमारी से दीपाली के पति ग्रस्त है, डॉक्टरों ने महिला को उसके पति का किडनी प्रत्यारोपण करने की सलाह दी है। महिला अपने पति के किडनी डोनर की तलाश में थी। इस बीच महिला ठगों की चक्कर में आकर अपनी जमा पूंजी तकरीबन 31 लाख 67 हजार गंवा बैठी। आरोपियों ने मिलीभगत करके शिकायतकर्ता के पति के इलाज के लिए और दानकर्ता को रुपए देने के नाम पर समय-समय पर नकद और ऑनलाइन के माध्यम से बड़ी मात्रा में धन स्वीकार किया।

कोई गिरफ्तारी नही

काफी समय के बाद भी जब ये किसी किडनी डोनर से नहीं मिलवाए तो दीपाली चव्हाण ने विठ्ठलवाडी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में मूसामी जयदेव बिस्वास, जयदेव बिस्वास, अभिषेक मन्ना, सुमंता पांडे, इकबाल अहमद मोहम्मद सिद्दीकी जहांगीर खान, मोहम्मद शोएब मोहम्मद अब्बास अंसारी और डॉ.गौरव नायर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह धोखाधड़ी 2 जुलाई, 2025 से 7 मार्च 2026 के बीच केल्याण पूर्व के समर्थ अस्पताल और भुवनेश्वर, ओडिशा के मणिपाल अस्पताल के क्षेत्र में घटी। आगे की जांच पुलिस सब-इंस्पेक्टर वाई एन जाधव कर रहे है। समाचार लिखे जाने के समय तक किसी की गिरफ्तारी का समाचार नहीं है।

नेरुल डीपीएस झील वेटलैंड विस्तार अंतिम चरण में

फ्लेमिंगो संरक्षण को मिलेगा बड़ा सहारा

हिंदमाता संवाददाता @ नेरुल

नेरुल में डीपीएस झील के वेटलैंड एरिया का विस्तार, जो फ्लेमिंगो और दूसरे प्रवासी पक्षियों के लिए जरूरी है, आखिरी स्टेज में पहुंच गया है। इस एरिया को, जो अभी करीब 12 हेक्टेयर है, जिसे बढ़ाकर करीब 36 हेक्टेयर करने का प्रस्ताव राज्य सरकार की आखिरी मंजूरी का इंतजार कर रहा है। मैंग्रोव सेल और वन विभाग का तैयार किया गया रिवाइज्ड प्लान अक्टूबर 2025 में जमा किया गया था और इस प्रोसेस की जानकारी नेटकनेक्ट फाउंडेशन ने सूचना के अधिकार के जरिए दी गई है। 17 अप्रैल, 2025 को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की मीटिंग में विस्तार को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी गई थी। इसलिए, जल्द ही आखिरी फैसला होने की संभावना है। इस बीच, इस एरिया के इस्तेमाल को लेकर विवाद खड़ा हो गया है, पता चला है कि सिडको ने इस 12 हेक्टेयर एरिया को 'जमीन' मानकर उसका कमर्शियल वैल्यूएशन किया है।

अधिवास संरक्षण और विकास पर चर्चा शुरू

इस एरिया की कुल कीमत करीब 300 करोड़ रुपएप्रति हेक्टेयर के हिसाब से करीब 3,600 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस मुद्दे पर अधिवास संरक्षण और विकास पर बहस फिर से शुरू हो गई है। सिडको नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे के अधिकार क्षेत्र में है और वन मंत्री गणेश नाईक ने इस वेटलैंड को बचाने के लिए स्टैंड लिया है।

पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित होगा निर्माण

नए प्लान के मुताबिक, इस बढ़े हुए एरिया में पानी, मैंग्रोव जंगल, क्रीक बेड और दलदली इलाके शामिल है। अधिकारियों के मुताबिक, इससे पानी की नेचुरल मूवमेंट, टाइडल प्रोसेस और अधिवास को नियमित बनाए रखने में मदद मिलेगी। पर्यावरण के जानकारों का कहना है कि फ्लेमिंगो और दूसरे पक्षियों के लिए सिर्फ पानी काफी नहीं है, उन्हें खाना ढूंढने और सुरक्षित आराम करने की जगहों की भी जरूरत होती है। इसलिए, अगर एक बड़ा और सुरक्षित एरिया बनाया जाए तो यह फायदेमंद होगा। इस बीच, पर्यावरण विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर इस वेटलैंड पर कंस्ट्रक्शन किया गया तो इकोलॉजिकल नुकसान का बड़ा और स्थायी खतरा हो सकता है।। इसलिए, सरकार ने मांग की है कि इसे जल्द से जल्द कानूनी सुरक्षा दी जाए।

केडीएमसी मामला, सुनवाई 8 जून

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) चुनाव में निर्विरोध चुने गए 20 नगरसेवकों के खिलाफ दायर याचिका पर अब अगली सुनवाई 8 जून को होगी। कांग्रेस पदाधिकारी मामा पगारे द्वारा दायर इस याचिका पर कल्याण के वरिष्ठ दिवाणी न्यायालय ने सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता उजैर नजे ने दलील दी कि चुनाव आयोग के 2018 के परिपत्र के अनुसार, यदि किसी प्रभाग में 'नोटा' को 50 प्रतिशत से अधिक मत मिलते हैं, तो वहां पुनः चुनाव कराना आवश्यक है। साथ ही 2002 के बाद के नियमों के अनुसार एकमात्र उम्मीदवार होने पर सीधे निर्विरोध घोषित नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद केडीएमसी चुनाव में भाजपा के 15 और शिंदे गुट के 5, कुल 20 उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। याचिका में इस प्रक्रिया को रद्द कर पुनः चुनाव कराने की मांग की गई है। याचिका दाखिल करने में 78 दिनों की देरी को न्यायालय ने स्वीकार करते हुए माफ कर दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 8 जून को होगी, जिस पर सबकी नजरें टिकी हैं।

पालघर में मानवता शर्मसार

• ढोंगी बाबा ने की नाबालिग से दरिंदगी, रोहित पवार ने की फास्ट-ट्रैक कोर्ट की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

पालघर जिले से एक बार फिर मानवता और समाज को शर्मसार कर देने वाली एक बेहद घिनौनी घटना सामने आई है। पालघर जिले के डहाणू तालुका क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म और दरिंदगी का सनसनीखेज मामला उजागर हुआ है। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे राज्य में आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। सबसे हैरान और परेशान करने वाली बात यह है कि इस अमानवीय कृत्य को अंजाम देने वाला व्यक्ति कोई और नहीं, बल्कि खुद को डॉक्टर या तांत्रिक बताने वाला एक शख्स है। इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा है और वे आरोपी के खिलाफ फांसी की सजा की मांग कर रहे हैं।

रोहित पवार की परिवार से मुलाकात

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के युवा नेता और विधायक रोहित पवार ने इस घटना की गंभीरता को देखते हुए पालघर का दौरा किया और पीड़ित परिवार से उनके घर जाकर मुलाकात की। पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना देने के बाद, रोहित पवार ने मीडिया से बातचीत करते हुए अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और राज्य सरकार व पुलिस प्रशासन से सख्त कदम उठाने की अपील की। रोहित पवार ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा, यह पालघर जिले का एक बहुत ही सीधा-साधा परिवार है। यह पूरी दर्दनाक घटना डहाणू तहसील में घटी है। दुर्भाग्य से, यह एक छोटी बच्ची से जुड़ा हुआ बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक मामला है। उस मासूम बच्ची के साथ वहां दरिंदगी की गई और उसे भयानक प्रताड़ना का शिकार होना

मजबूरी का फायदा उठाते है ये अपराधी

आरोपी की विकृत मानसिकता के बारे में बात करते हुए पवार ने कहा कि जिस व्यक्ति ने इस घिनौने अपराध को अंजाम दिया है, वह एक ऐसा शख्स है जो खुद को या तो बाबा कहता है या फिर खुद को एक डॉक्टर बताता है। ऐसे लोग समाज में अंधविश्वास फैलाकर और भोले-भाले लोगों की मजबूरी व विश्वास का फायदा उठाकर इस तरह के जघन्य अपराधों को अंजाम देते हैं। हमने पुलिस प्रशासन से इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

फास्ट-ट्रैक कोर्ट की मांग

न्याय प्रक्रिया में तेजी लाने पर जोर देते हुए रोहित पवार ने आगे कहा, पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए अपने स्तर पर उचित कार्रवाई की है। लेकिन हमारी स्पष्ट मांग है कि इस मामले की सुनवाई में कोई देरी नहीं होनी चाहिए। इस संवेदनशील मामले को फास्ट-ट्रैक कोर्ट में चलाया जाना चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार और उस मासूम बच्ची को बिना किसी देरी के जल्द से जल्द न्याय मिल सके। महाराष्ट्र के ग्रामीण और आदिवासी बहुल इलाकों में अक्सर लोग अंधविश्वास और ऐसे ढोंगी बाबाओं के जाल में आसानी से फंस जाते हैं। पालघर की इस घटना ने एक बार फिर समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

खारघर में तेज रफ्तार डंपर ने वकील को कुचला

मौत के बाद सड़क जाम

हिंदमाता संवाददाता @ खारघर

सोमवार शाम को खारघर में एक तेज रफ्तार डंपर ने टू-व्हीलर पर सवार एक युवा वकील को कुचल दिया। एक्सीडेंट के बाद, गुस्साए लोगों ने तुरंत रास्ता जाम कर दिया और आरोपी के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज करने की मांग की। कुछ घंटों के हंगामे के बाद, पुलिस भीड़ को शांत करने और ट्रैफिक को ठीक करने में कामयाब रही। यह एक्सीडेंट सीबीडी बेलापुर से सेंट्रल पार्क की ओर जाने वाली सड़क पर हुआ। मृतक वकील का नाम महेश अशोक लोहार है और वह खारघर के सेक्टर 12 इलाके में रहता था।

मौके पर हुई मौत

बताया गया कि वह सोमवार शाम को, वह अपने दोस्त के साथ टू-व्हीलर पर घर जा रहा था, तभी एक तेज रफ्तार डंपर ने उसे डंपर के पिछली पहियों के नीचे कुचल दिया। इस भयानक दुर्घटना में, महेश की मौके पर ही मौत हो गई।

वाहनों की लगीं लंबी कतारें

घटना की जानकारी मिलते ही आस-पास के लोग और मृतक के रिश्तेदार और दोस्त मौके पर पहुंचे और अपना गुस्सा जाहिर किया। थोड़ी ही देर में उन्होंने सड़क जाम करके जाम लगाना शुरू कर दिया। इससे खारघर के उत्सव चौक से लेकर फायर ब्रिगेड तक ट्रैफिक रुक गया और गाड़ियों की लंबी लाइनें लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही सहायक पुलिस आयुक्त विक्रम कदम और सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर संजय जोशी ट्रैफिक अधिकारियों और पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे, उन्होंने गुस्साई भीड को शांत किया और उन्हें सही कार्रवाई का भरोसा दिलाया। आखिरकार, शाम करीब 7:30 बजे प्रोटेस्ट खत्म कर दिया गया और ट्रैफिक फिर से शुरू हो गया। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर संजय जोशी ने बताया कि पुलिस ने डंपर ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

13 वर्षीय लड़के का शिक्षिका पर जानलेवा हमला

गांव में आक्रोश

हिंदमाता नेटवर्क @ मुरबाड़

मुरबाड़ तालुका के शिवले गांव में एक तेरह वर्षीय लड़के द्वारा एक शिक्षका पर जानलेवा हमला करने की घटना सामने आई है। इस घटना ने समाज में बढ़ते अपराध को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार 13 वर्षीय लड़का चोरी के इरादे से शिक्षिका सायली इसामे के घर में घुस गया। जब उसने घर में अलमारी तोड़ने की कोशिश की, तो सायली इसामे ने उसका विरोध किया। इसी दौरान आरोपी लड़के ने क्रोधित होकर शिक्षका पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में सायली इसामे गंभीर रूप से घायल हो गई। प्रारंभिक जानकारी से पता चला है कि उनकी गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आई हैं। हमले के बाद आरोपी घटनास्थल से भागने की कोशिश कर रहा था। हालांकि आसपास मौजूद नागरिकों ने उसे तुरंत पकड़ लिया और मुरबाड़ पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना के बाद गांव के लोगों में गुस्सा

इस घटना के बाद गांव में आक्रोश का माहौल छा गया है और नागरिकों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घायल शिक्षिका को तत्काल पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

आस-पास के लोगों ने भाग रहे आरोपी को पकड़ा

चूंकि एक नाबालिग ने इतना गंभीर अपराध किया है, इसलिए इस मामले की जांच अधिक संवेदनशीलता से की जा रही है। पुलिस आरोपी के परिवार की पृष्ठभूमि, उसके व्यवहार के कारणों और अपराध के विवरण की जांच कर रही है। नाबालिगों में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति, घरेलू माहौल, शिक्षा में बदलाव और सामाजिक प्रभाव ने एक बार फिर इन सभी बातों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता को उजागर किया है।

यवतमाल के एक ही गांव में रुकवाए दो बाल विवाह

प्रशासन ने शादी कराने वालों को दी सख्त चेतावनी

हिंदमाता नेटवर्क @ यवतमाल

यवतमाल जिले में बाल विवाह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रशासन लगातार सक्रिय नजर आ रहा है। यवतमाल के भोयर गांव में एक ही दिन में दो बाल विवाह रोककर जिला बाल संरक्षण इकाई ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोयर गांव में दो 17 वर्षीय नाबालिग लड़कियों की शादी कराए जाने की गोपनीय सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को मिली थी। सूचना मिलते ही बाल संरक्षण टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आंगनवाड़ी सेविकाओं की मदद से दोनों लड़कियों की उम्र की जांच की। सरकारी रिकॉर्ड में दोनों की उम्र 18 वर्ष से कम पाई गई, जिससे यह विवाह कानूनन बाल विवाह की श्रेणी में आता था।

परिजनों की काउंसलिंग की

प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर लड़कियों के परिजनों की काउंसलिंग की और उन्हें बाल विवाह के कानूनी परिणामों से अवगत कराया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अनुसार लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और लड़के की 21 वर्ष होना अनिवार्य है। दोनों नाबालिग लड़कियों को उनके अभिभावकों के साथ बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

विवाह में शामिल सभी होगी कानूनी कार्रवाई

यवतमाल जिला प्रशासन ने चेतावनी दी कि नाबालिगों की शादी कराने पर न केवल परिवार के सदस्य, बल्कि विवाह से जुड़े अन्य सेवा प्रदाता जैसे मंडप सजाने वाले, फोटोग्राफर और केटरिंग कर्मी भी कानूनी कार्रवाई के दायरे में आएंगे। इस अपराध के लिए 1 लाख तक का जुमार्ना और 2 साल तक की सजा का प्रावधान है। जिला बाल संरक्षण इकाई ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिले तो तुरंत ग्रामसेवक, सरपंच, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पुलिस पाटिल या चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना दें।

खरीफ सीजन से महाराष्ट्र के किसानों को बड़ा झटका

सोयाबीन के बीज के दाम 660 रुपएबढ़े

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

इस वर्ष खरीफ सीजन से पहले महाराष्ट्र के किसानों को खाद की कमी और खाद की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ बीजों की बढ़ी हुई कीमतों का भी सामना करना पड़ेगा। खासतौर पर सोयाबीन और ज्वार के बीजों के दाम में भारी बढ़ोतरी हुई है। सोयाबीन बीज की कीमत में प्रति बैग 550 से 660 रुपएतक की वृद्धि हुई है। वहीं ज्वार के बीज की कीमत में भी 30 रुपएकी बढ़ोतरी की गई है। हालांकि मूंग, उड़द और तूर के बीजों के दाम स्थिर रखे गए हैं।

महाबीज ने ने जारी किए आधिकारिक दाम

महाबीज ने इस वर्ष के सीजन के लिए आधिकारिक दरें घोषित कर दी हैं और इन्हीं दरों के आधार पर निजी कंपनियों के दाम भी तय होंगे। खरीफ सीजन की तैयारी शुरू होने के कारण किसान खाद और बीजों की व्यवस्था के लिए बाजार की ओर रुख कर रहे हैं। लेकिन यूरिया और डीएपी खाद की बिक्री पर सीमाएं लगाए जाने से किसानों की परेशानी बढ़ गई है। वहीं बीजों की बढ़ी कीमतों से किसानों का खर्च और बढ़ने वाला है। महाराष्ट्र के अमरावती जिले को सूखा प्रभावित क्षेत्र माना जाता है। इसलिए खरीफ सीजन में यहां सोयाबीन, कपास और तुअर की प्रमुख रूप से खेती की जाती है।

ज्वार के रकबे में वृद्धि होने की संभावना

अमरावती जिले में ज्वार का क्षेत्र अपेक्षाकृत कम है। लेकिन बढ़ती मांग को देखते हुए इस वर्ष ज्वार के रकबे में वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है। महाबीज ने ज्वार की 30 किलो बैग के लिए 495 रुपए दर तय किए हैं। इसके लिए किसानों को प्रति एकड़ 3 से 4 बैग बीज की आवश्यकता होती है। हालांकि मूंग और उड़द की 5 किलो बैग के लिए क्रमशः 1,025 रुपए और 1,000 की कीमत यथावत रखी गई है। तुअर की 2 किलो बैग के लिए 450 रुपए कीमत तय की गई है। कपास बीज की कीमत भी पिछले वर्ष की तरह 900 रुपएप्रति पैकेट रखी गई है।

शॉर्ट स्टोरी

त्रिवेदी को नारद पत्रकारिता सम्मान

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

'देवर्षि नारद पत्रकारिता सम्मान 2026' के विजेताओं की घोषणा 30 अप्रैल को विश्व संवाद केंद्र, मुंबई द्वारा की गई। सम्मान समिति के संयोजक डॉ. निशीथ के. भांडारकर ने चयनित पत्रकारों के नामों की जानकारी दी। इस वर्ष वरिष्ठ पत्रकार श्रेणी में राकेश त्रिवेदी (टाइम्स नाउ नवभारत) के साथ मिलिंद बल्लाल (ठाणे वैभव), जितेंद्र दीक्षित (एनडीटीवी) और डॉ. मयूर परिख को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए चुना गया है। वहीं, जीवनगौरव सम्मान वरिष्ठ पत्रकार गणेश (भाऊ) तोरसेकर को प्रदान किया जाएगा। डॉ. भांडारकर ने बताया कि यह सम्मान अपने 26वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और देवर्षि नारद जयंती के उपलक्ष्य में दिया जाता है। इसका उद्देश्य निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता को प्रोत्साहित करना है। सम्मान समारोह 9 मई को मुंबई में आयोजित होगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोग शामिल होंगे।

भिवंडी में किसान सभा का मोर्चा

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा ने बुधवार को भिवंडी प्रांत कार्यालय पर जोरदार मोर्चा निकालकर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में हुए इस आंदोलन में ठाणे-पालघर जिला कमेटी के कार्यकताओं के साथ शाहपुर और भिवंडी क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। जल, जंगल और जमीन से जुड़े मुद्दों पर निकाले गए इस मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने सरकार से पहले से स्वीकृत मांगों को तत्काल लागू करने की मांग की। प्रांत कार्यालय पहुंचते ही किसानों ने नारेबाजी कर अपना आक्रोश जताया। किसानों की प्रमुख मांगों में वन भूमि पर काबिज जमीन को पति-पत्नी के संयुक्त नाम पर दर्ज करना, स्मार्ट मीटर योजना रद्द करना और बढ़ते बिजली बिलों पर नियंत्रण शामिल है। इसके अलावा घरकुल योजना का लाभ, जल जीवन मिशन के लंबित कार्यों को पूरा करने और प्रति परिवार 35 किलो राशन देने की मांग भी उठाई गई। नेताओं ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन तेज किया जाएगा। कॉमरेड सुनील चौहान और प्राची हाथुलकर ने सरकार की नीतियों पर नाराजगी जताई।

वेतन मुद्दे पर सफाईकर्मियों का प्रदर्शन

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

वेतन में देरी से नाराज उल्हासनगर मनपा के करीब 1200 सफाई कर्मचारियों ने बुधवार को मनपा मुख्यालय में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का आरोप है कि नया ऐप शुरू होने के बावजूद तकनीकी खामियों के कारण पिछले एक महीने से वेतन नहीं मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई है। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए शीघ्र वेतन भुगतान की मांग की। बार-बार शिकायत के बावजूद समाधान न मिलने से नाराज कर्मचारियों ने आंदोलन का रास्ता अपनाया। इसी बीच श्रमिक नेता साठे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने महापौर अश्विनी निकम से मुलाकात की। महापौर ने कर्मचारियों की समस्याएं सुनकर आश्वासन दिया कि बुधवार रात 12 बजे तक सभी के खातों में वेतन जमा कर दिया जाएगा। महापौर स्वयं प्रदर्शन स्थल पर पहुंचीं और कर्मचारियों से संवाद कर उन्हें शांत कराया। उनके आश्वासन के बाद कर्मचारियों ने प्रदर्शन स्थगित कर दिया। महापौर के सकारात्मक रुख से कर्मचारियों में

ई-टिकट दलाल गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

पश्चिम रेलवे के 'ऑपरेशन उपलब्ध' के तहत आरपीएफ ने नालासोपारा में ई-टिकट की कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से हजारों रुपए के टिकट और अन्य सामग्री बरामद की गई है। आरपीएफ टीम ने वजा मोहल्ला स्थित एक दुकान पर छापा मारकर सोएब हुसैन कल्याणकर (54) को पकड़ा। जांच में सामने आया कि वह अधिकृत आईआरसीटीसी एजेंट नहीं होने के बावजूद अवैध रूप से ई-टिकट बेच रहा था। उसके पास से 3 लाइव ई-टिकट (9,560 रुपये), 1 इस्तेमाल किया गया टिकट (4,810 रुपए), एक मोबाइल फोन और दस्तावेज जब्त किए गए। आरोपी अलग-अलग फर्जी यूजर आईडी बनाकर टिकट बुक करता था और प्रति टिकट 50 से 100 रुपए अतिरिक्त लेकर बेचता था। जांच में 14 फर्जी पहचान का उपयोग सामने आया है। यह कार्रवाई निरीक्षक लोकेश यादव के नेतृत्व में की गई। आरपीएफ ने रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यात्रियों से अधिकृत माध्यम से ही टिकट लेने की अपील की गई है।

मनपा स्कूलों के लिए 'उल्हासनगर पैटर्न'

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

मनपा स्कूलों में कक्षा 1 में घटती छात्र संख्या को देखते हुए प्रशासन ने 'उल्हासनगर पैटर्न' के तहत छात्रों की संख्या बढ़ाने के लिए व्यापक अभियान शुरू करने की घोषणा की है। राज्य शिक्षा आयुक्त के निर्देश और समिति की रिपोर्ट के आधार पर आयुक्त मनीषा अव्हाले ने सभी प्रधानाचार्यों को आरटीई के तहत प्रवेश बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए दो चरणों में अभियान चलाया जाएगा। 'गुढ़ी पड़वा, संख्या बढ़ाएं' और 'आपके घर स्कूल' जैसी पहल के तहत शिक्षक घर-घर जाकर अभिभावकों से संवाद करेंगे। आंगनवाड़ी कार्यकताओं की मदद से भी बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। प्रशासन ने स्कूलों की छवि सुधारने के लिए सफल पूर्व छात्रों की कहानियों और वीडियो का उपयोग करने की योजना बनाई है। साथ ही अर्ध-अंग्रेजी माध्यम की कक्षाएं, अभिभावकों के लिए व्हाट्सएप समूह और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल छात्रों का सम्मान जैसी पहलें की जाएंगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत बुनियादी साक्षरता और नए पाठ्यक्रम पर जोर दिया जाएगा। सीएसआर फंड से स्कूलों की सुविधाएं बेहतर करने की योजना है, जिससे छात्र संख्या बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

आठवीं मंजिल से गिरकर महिला मजदूर की मौत

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

शहर के आचोले में स्थित श्वेतगंगा बिल्डिंग के निर्माण स्थल पर बुधवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां काम के दौरान आठवीं मंजिल से गिरने पर 28 वर्षीय महिला मजदूर कविता साहू की मौत हो गई। घटना के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार, कविता साहू अपने पति मिथुन साह के साथ श्वेतगंगा बिल्डिंग में निर्माण कार्य के लिए सीमेंट ब्लॉक पहुंचाने का काम कर रही थीं। इसी दौरान आठवीं मंजिल की सामने वाली गैलरी से उनका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गईं। हादसे में गंभीर रूप से घायल कविता साहू को तुरंत मनपा सरकारी अस्पताल, विजयनगर में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उपचार के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना 40 वर्षीय परिजन द्वारा पुलिस को दी गई। मामले में आचोले पुलिस स्टेशन ने एडीआर के तहत मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

फुटबॉल खेलते समय बालक की मौत

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

फुटबॉल खेलते समय एक दर्दनाक हादसे में 15 वर्षीय बालक की मौत हो गई। खेलते वक्त संतुलन बिगड़ने से वह लोहे के सरिए पर गिर पड़ा, जिससे सरिया उसकी छाती में घुस गया। गंभीर रूप से घायल बालक को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी जान नहीं बच सकी। इस घटना से इलाके में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, 15 वर्षीय कक्ष पाटील अपने भाई-बहनों के साथ मैदान में फुटबॉल खेल रहा था। खेलते-खेलते अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह पास में पड़े लोहे के सरिए पर गिर पड़ा। सरिया सीधे उसकी छाती में घुस गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। कक्ष का चचेरा भाई कौस्तुभ यह दृश्य देखकर घबरा गया और तुरंत दौड़कर घर पहुंचा। उसने परिजनों को हादसे की जानकारी दी। परिवार के सदस्य जब मौके पर पहुंचे, तब कक्ष बेहोशी की हालत में पड़ा था और उसकी छाती में सरिया घुसा हुआ था।परिजनों ने बिना देर किए उसे कल्याण के खड़कपाड़ा स्थित आयुष हॉस्पिटल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन गंभीर चोट और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

हिंदमाता एंकरः मई में दो बार 24 घंटे पानी सप्लाई बंद

मीरा-भायंदर में जल संकट गहराया

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

मीरा भायंदर शहर इन दिनों गंभीर जल संकट की चपेट में है। मरम्मत कार्य के चलते महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम के बारवी (जाम्भोल) जल शोधन केंद्र से पानी की आपूर्ति मई महीने में दो चरणों में पूरी तरह बंद रहेगी। मनपा के जल आपूर्ति विभाग के अनुसार, पहला शटडाउन गुरुवार 7 मई से शुक्रवार 8 मई दोपहर 12 बजे तक रहेगा, जबकि दूसरा शटडाउन 21 मई दोपहर 12 बजे से 22 मई दोपहर 12 बजे तक लागू होगा। इस दौरान शहर के लाखों नागरिकों को पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ेगा।

देरी से होगी सप्लाई

हालांकि स्टेम प्राधिकरण की ओर से पानी की आपूर्ति जारी रहेगी, लेकिन यह शहर की कुल जरूरत के मुकाबले काफी कम है। ऐसे में पूरे शहर में कम दबाव और देरी से पानी मिलने की संभावना जताई गई है। 23 अप्रैल 2026 को जल संसाधन विभाग के साथ हुई समीक्षा बैठक में बांधों में घटते जल भंडारण को लेकर चिंता जताई गई। अधिकारियों ने साफ संकेत दिए कि आने वाले समय में स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

अल नीनो का असर, मानसून में देरी की आशंका

विशेषज्ञों के अनुसार अल नीनों के प्रभाव के कारण इस वर्ष मानसून के देर से आने की संभावना है। इससे जल संकट और गहराने की आशंका बढ़ गई है। मीरा-भायंदर मनपा ने नागरिकों से अपील की है कि वे पानी का सीमित और जिम्मेदारी से उपयोग करें। अनावश्यक बबार्दी से बचे और आने वाले दिनों के लिए पानी का संचय करें। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि जल संकट से निपटने के लिए आगे भी जल नियोजन और आपूर्ति में कटौती जैसे कदम उठाए जा सकते है। ऐसे में नागरिकों को सतर्क और सहयोगी रहने की जरूरत है।

ठाणे में 24 घंटे पानी सप्लाई बंद

कलवा-मुंब्रा-दिवा में बढ़ेगी किल्लत

गर्मी के मौसम में ठाणे शहर सहित आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोग पानी की कमी की समस्या से जूझ रहे हैं। इस बीच महाराष्ट्र उद्योग महामंडल के जलापूर्ति सिस्टम में मरम्मत कार्य की वजह से शुक्रवार को ठाणे के नागरिकों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ेगा। कलवा, मुंब्रा, दिवा व ठाणे शहर के कुछ हिस्सों में 24 घंटे जलापूर्ति बंद रहेगी। ठाणे मनपा क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों में पिछले कुछ दिनों से पानी की कमी की समस्या हो रही है।

घोड़बंदर में टैंकरों से पानी खरीद रहे लोग

घोड़बंदर इलाके के लोग टैंकरों से पानी खरीद रहे हैं। कलवा, मुंब्रा और दिवा इलाकों में भी कमी की समस्या है। जिसको लेकर सोमवार को आम आदमी पार्टी ने ठाणे मनपा मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया था। अब महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन जांभूल वॉटर प्यूरिफिकेशन सेंटर के रिजवींयर में पानी के चैनल नंबर 1, 2 और 3 को अपग्रेड करने और जरूरी मेंटेनेंस और रिपेयर का काम किया जाना है। इस काम की वजह से गुरुवार, 7 मई को दोपहर 12 बजे से शुक्रवार, 8 मई को दोपहर 12 बजे तक 24 घंटे के लिए पानी की सप्लाई बंद रहेगी। इस दौरान दिवा, मुंब्रा (वार्ड नंबर 26 और 31) के कुछ हिस्सों को छोड़कर, कलवा प्रभाग समिति के सभी इलाकों में पानी की सप्लाई पूरी तरह से बंद रहेगी। साथ ही, वागले प्रभाग समिति के तहत रूपादेवी पाड़ा, किसन नगर नंबर 2। नेहरू नगर और मानपाडा प्रभाग समिति के तहत कोलशेत खालचा गांव में पानी की सप्लाई 24 घंटे के लिए बंद रहेगी।

‘सनातन और हिंदू धर्म अलग हैं’

सीएम योगी के बयान पर कांग्रेस नेता हुसैन दलवाई का तीखा पलटवार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा ‘सनातन धर्म’ का अपमान करने वालों की हार के दावे के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता हुसैन दलवाई ने योगी आदित्यनाथ के इस बयान पर अपनी असहमति जताते हुए कहा कि सनातन धर्म को पूरे देश का धर्म मानना गलत है। उन्होंने तर्क दिया कि हिंदू धर्म और सनातन धर्म में बुनियादी अंतर है। दलवाई के मुताबिक, हिंदू धर्म की परंपरा उदार रही है, विशेषकर महाराष्ट्र के साधु-संतों की विरासत इसका प्रमाण है, जबकि सनातन धर्म की बात करने वाले जाति व्यवस्था का समर्थन करते हैं। हुसैन दलवाई ने वैचारिक मतभेदों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के राजनीतिक घटनाक्रम पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की हार स्वाभाविक नहीं है, बल्कि उन्हें विभिन्न अनैतिक तरीकों से हराया गया है। दलवाई ने सीधे तौर पर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए और मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाकर उनके खिलाफ जांच शुरू करने की मांग की।

ममता बनर्जी का इस्तीफा और ‘इंडिया’ गठबंधन

बंगाल में हार के बाद ममता बनर्जी के भविष्य को लेकर दलवाई ने कहा कि नैतिकता और कानून के आधार पर उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विपक्षी एकजुटता के लिए राहुल गांधी का ममता बनर्जी को समर्थन देना एक सकारात्मक कदम है। उनके अनुसार, ‘इंडिया’ गठबंधन को अब और अधिक सक्रिय होकर फासीवाद के खिलाफ देशभर में संघर्ष करना होगा।

संवैधानिक मूल्यों और लोकतंत्र पर खतरा

हुसैन दलवाई ने चेतावनी दी कि यदि देश की लोकतांत्रिक संस्थाएं इसी तरह काम करती रहीं, तो संविधान और लोकतंत्र का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। उन्होंने आरएसएस और भाजपा पर फासीवाद फैलाने का आरोप लगाया। दलवाई का मानना है कि वर्तमान राजनीतिक माहौल देश को फासीवाद की ओर धकेल रहा है, जिसे रोकने के लिए सभी विपक्षी दलों का एकजुट होना अनिवार्य है।

हिंदू धर्म की उदारता का जिक्र

अपने बयान में दलवाई ने हिंदू धर्म की व्यापकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र जैसे राज्यों में हिंदू धर्म की एक समृद्ध और उदार परंपरा रही है, जहां साधु-संतों ने मानवता का संदेश दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सनातन धर्म के नाम पर केवल जातिगत भेदभाव को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो देश की समावेशी संस्कृति के खिलाफ है।

रेलवे टिकटों का बड़ा खेल, विदेशी पर्यटक कोटे पर यात्रा कर रहे देशी यात्री

• मध्य रेल ने शुरू की सख्त जांच

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

गर्मी की छुट्टियों एवं अन्य पीक सीजन में ट्रेनों का कंफर्म टिकट पाना मुश्किल हो गया है। यात्रियों की भारी भीड़ का फायदा उठाकर टिकट दलाल (एजेंट) बड़े पैमाने पर तत्काल टिकटों की अवैध बुकिंग और कोटे के भी दुरुपयोग कर रहे हैं।

फर्जी दस्तावेज पर बुकिंग

विदेशी पर्यटक कोटे के नाम पर अवैध दस्तावेज बना कर भारतीय यात्रियों की यात्रा टिकट बुकिंग किए जाने का मामला प्रकाश में आने के बाद रेलवे में खलबली मच गई है। बताया गया कि वैध दस्तावेजों के बिना ही कई देशी यात्री विदेशी पर्यटक कोटा के तहत बुक किए गए टिकट पर यात्रा कर रहे थे। इन अनियमितताओं का पता चलने के बाद मध्य रेल ने विदेशी पर्यटक (एफटी) कोटा के दुरुपयोग के खिलाफ अभियान शुरू किया है।

वसूला 3.56 लाख रुपए जुमार्ना

मध्य रेल पर विदेशी पर्यटक कोटा पर यात्रा के 39 मामले पकड़े गए और जुमार्ने के तौर पर उनसे 3.56 लाख रुपए वसूले गए। पहला मामला 4 फरवरी को ट्रेन संख्या 12296 संगमित्रा एक्सप्रेस में सामने आया, जहां कुछ भारतीय यात्री विदेशी पर्यटकों के लिए अनिवार्य दस्तावेजों के बिना एफटी कोटा टिकटों पर यात्रा कर रहे थे। उसके बाद एफटी कोटा के तहत आने वाली तारीखों की बुकिंग की जांच में पता चला कि 24 अप्रैल से 11 जून की अवधि के लिए 31 ट्रेनों में मध्य रेल के 174 मूल पीएनआर एफटी कोटा के तहत जारी किए गए थे। एफटी कोटा टिकटों की प्रामाणिकता सत्यापित करने के लिए मध्य रेल के टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा विशेष जांच की गई। इन अभियानों के दौरान, एफटी कोटे के दुरुपयोग से बुक किए गए 39 पीएनआर पाए गए। कुल 121 यात्रियों को अनियमित रूप से यात्रा करते हुए पकड़ा गया। उन पर मौजूदा नियमों के अनुसार जुमार्ना लगा कर 3,56,916 रुपए वसूले गए। यात्रियों को बर्थ पर बैठने की अनुमति नहीं दी गई, जिन्हें बाद में RAC/प्रतीक्षा सूची में शामिल यात्रियों को आवंटित कर दिया गया।

एजेंट की संलिप्तता से कोटा सिस्टम संदेह के घेरे में

इन बुकिंग में किसी अधिकृत बुकिंग एजेंट की संलिप्तता का पता लगाने के लिए आईआरसीटीसी से अतिरिक्त जानकारी मांगी गई है। एफटी कोटे के तहत अनधिकृत बुकिंग में शामिल व्यक्तियों और संस्थाओं की पहचान के लिए जांच जारी है। मध्य रेल ने स्पष्ट किया कि अयोग्य कोटे के तहत टिकट बुक करना रेलवे अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है। यात्रियों को उस कोटे के लिए आवश्यक वैध पहचान पत्र और सहायक दस्तावेज साथ रखने होंगे जिसके तहत टिकट बुक किया गया है। उल्लेखनीय है कि रेलवे में विदेशी पर्यटक कोटा के अलावा अन्य कई प्रकार का कोटा सिस्टम हैं। सीजन में उन कोटा के दुरुपयोग की शिकायत की जाती रही है। बताया जाता है कि कुछ एजेंटों की पहुंच और सांठगांठ रेलवे के उन संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों से है,जिनके माध्यम से अलग अलग कोटे के दुरुपयोग कर किया जा रहा है। रेलवे के सतर्कता विभाग की नजर भी रेलवे के वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों पर है,जो टिकट दलालों की मदद से कोटा सिस्टम का दुरुपयोग करते हैं।

अजित पवार विमान हादसे में अघोरी पूजा का शक?

राकांपा नेता अमोल मिटकरी ने डीजीपी से की मुलाकात , सीबीआई जांच की मांग की

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर भूचाल आ गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता और विधान परिषद सदस्य अमोल मिटकरी ने पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार विमान हादसे को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। मिटकरी ने आज महाराष्ट्र के डीजीपी सदानंद दाते और आईपीएस अधिकारी तेजस्विनी सातपुते से मुलाकात कर एक औपचारिक पत्र सौंपा, जिसमें उन्होंने इस पूरे मामले की नए सिरे से जांच की मांग की है। अमोल मिटकरी ने जोर देकर कहा कि वह और उनके साथी छत्रपति शिवाजी महाराज, शाहू, फुले और आंबेडकर की विचारधाराओं के अनुयायी हैं। इसके अलावा, उन्होंने भोंदूबाबा अशोक खरात से जुड़े हालिया मामले के संबंध में एक औपचारिक पत्र भी सौंपा। मिटकरी ने बताया कि संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देश जारी किए गए हैं, और जांच करने के आदेश दिए गए हैं। जांच में अघोरी पूजा के पहलू की भी पड़ताल की जाएगी।

आईपीएस तेजस्विनी सातपुते से भी मिले अमोल मिटकरी

अमोल मिटकरी ने अशोक खरात मामले की जांच के लिए नियुक्त एसआईटी की प्रमुख तेजस्विनी सातपुते से भी मुलाकात की। यह जानकारी सोशल मीडिया पर साझा करते हुए मिटकरी ने लिखा कि इस मुलाकात के दौरान मैंने एक ज्ञापन सौंपा जिसमें भोंदूबाबा अशोक खरात मामले से जुड़े कुछ सबूतों, संदिग्ध अघोरी अनुष्ठानों और जनता के मन में इस समय व्याप्त शंकाओं की जांच का अनुरोध किया। मैंने उम्मीद जताई कि इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी।

राकांपा ने की भोंदू बाबा मामले में जांच की मांग

एनसीपी नेता अमोल मिटकरी ने कहा कि महाराष्ट्र की जनता के सामने सच्चाई आनी ही चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि यदि यह घटना महज एक दुर्घटना थी तो इसे स्पष्ट रूप से स्थापित किया जाना चाहिए और यदि इसके पीछे कोई साजिश है तो उसकी भी गहन जांच होनी चाहिए। उन्होंने आगे टिप्पणी की कि बाहरी लोगों में बारामती में घुसकर अघोरी पूजा करने की हिम्मत नहीं हो सकती।

मिटकरी ने किया अजित दादा न्याय संघर्ष यात्रा का ऐलान

अमोल मिटकरी ने आगे अजित दादा न्याय संघर्ष यात्रा शुरू करने की घोषणा की और कहा कि वह जल्द ही इस पहल के संबंध में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। उन्होंने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग करते हुए पत्राचार भी किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि जांच के दौरान मनी लॉन्ड्रिंग या प्रवर्तन निदेशालय से जुड़े पहलू भी सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि 27, 28 और 29 जनवरी के कॉल रिकॉर्ड की जांच करने से विमान हादसे से जुड़े नए तथ्य सामने आ सकते हैं। यह मांग काफी समय से जोर पकड़ रही है और अब राकांपा के नेता भी इस मांग में शामिल हो गए हैं। उन्होंने एक प्रासंगिक सवाल उठाया कि यदि खरात से संबंधित सीसीटीवी फुटेज के कई क्लिप बरामद कर लिए गए हैं, तो अजित दादा से संबंधित सीसीटीवी फुटेज अभी भी लापता क्यों है?

शिंदे से नाराज शाइना एनसी थाम सकती हैं राकांपा का दामन!

सुनेत्रा पवार से मुलाकात के बाद तेज हुई अटकलें

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में इन दिनों ‘ऑपरेशन टाइगर’ को लेकर भारी चर्चा हो रही है। माना जा रहा है कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के संपर्क में उद्धव ठाकरे गुट के कई विधायक और सांसद हैं, जिससे वे विपक्षी खेमे को बड़ा झटका दे सकते हैं। हालांकि, इस बीच खुद उपमुख्यमंत्री शिंदे के लिए एक असहज करने वाली खबर सामने आई है। पार्टी की प्रमुख चेहरा और प्रवक्ता शाइना एनसी के पार्टी छोड़ने की चचाओं ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। शाइना एनसी मूल रूप से भारतीय जनता पार्टी की सक्रिय नेता रही हैं और उन्होंने अपनी राजनीति के गुर वहीं से सीखे हैं। विधानसभा चुनाव से लगभग दो साल पहले, उन्होंने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का दामन थामा था। पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए मुंबादेवी विधानसभा सीट से टिकट भी दिया था, लेकिन चुनावी परिणामों में उन्हें असफलता हाथ लगी। इसके बावजूद, वे टीवी बहसों और सार्वजनिक मंचों पर आक्रामक तरीके से शिवसेना का बचाव करती नजर आती थीं।

विधान परिषद की उम्मीदवारी पर नाराजगी

खबरों के अनुसार, शाइना एनसी की नाराजगी का मुख्य कारण विधान परिषद का चुनाव है। उन्हें पूरी उम्मीद थी कि शिवसेना उन्हें विधान परिषद में भेजने के लिए उम्मीदवार बनाएगी, लेकिन जब उन्हें मौका नहीं मिला, तो उनके भीतर असंतोष पनपने लगा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पार्टी में अपनी उपेक्षा महसूस होने के कारण वे अब नए विकल्प तलाश रही हैं।

सुनेत्रा पवार से मुलाकात और एनसीपी का रुख

अटकलों को तब और बल मिला जब शाइना एनसी ने एनसीपी प्रमुख और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार से औपचारिक मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि वे जल्द ही अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो सकती हैं। यदि ऐसा होता है, तो यह शिंदे गुट के लिए एक बड़ा संगठनात्मक और प्रतीकात्मक नुकसान साबित हो सकता है।

शिवसेना के लिए बढ़ती चुनौतियां

शाइना एनसी का पार्टी छोड़ना एकनाथ शिंदे के लिए व्यक्तिगत तौर पर भी एक झटका होगा, क्योंकि वे मुंबई के एक शिक्षित और प्रभावशाली चेहरे के रूप में पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रही थीं। एक तरफ जहां शिंदे अन्य दलों के नेताओं को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं अपनी ही पार्टी के दिग्गज नेताओं की नाराजगी दूर करना उनके लिए आने वाले समय में एक बड़ी चुनौती बन सकता है।

‘ऑपरेशन टाइगर’ पर संजय शिरसाट का बड़ा दावा

महाराष्ट्र की सियासत में हलचल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

शिंदे सेना के मंत्री संजय शिरसाट ने फिर नया शिगूफा छोड़कर राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। उन्होंने दावा किया है कि ऑपरेशन टाइगर होकर रहेगा और इसके लिए सही समय का इंतजार है। इधर डीसीएम एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (ठाकरे गुट) के सांसद संजय दीना पाटिल के परिवार से मुलाकात करके इस तर्क-वितर्क को नई हवा दे दी है। राज्य की सियासत में ऑपरेशन लोटस की तरह ‘ऑपरेशन टाइगर’ का भी मुद्दा छाया हुआ है। मंत्री संजय शिरसाट ने इस पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि डीसीएम शिंदे को सही समय और हालात का पूरा अंदाजा है। जिस दिन जरूरत होगी, यह ऑपरेशन कामयाब होगा। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे गुट के कई विधायक और सांसद हमारे संपर्क में हैं। सही समय पर बड़ा राजनीतिक बदलाव होगा। ठाकरे गुट में अब पहले जैसी ताकत नहीं रही। दिवाली से पहले मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर शिरसाट ने कहा कि ऐसे फैसले मुंहजबानी नहीं लिए जाते, बल्कि सही समय पर लिए जाते हैं। सातारा जिला परिषद चुनाव में पार्टी के खिलाफ काम करने के आरोप में विधायक महेश शिंदे पर कार्रवाई होने की संभावनाओं के बारे में उन्होंने कहा कि महेश शिंदे नाराज हैं और उन्होंने दो दिन पहले मुझसे बात की थी। उन्हें डीसीएम शिंदे से मिलकर अपनी बात रखने की सलाह दी गई है। हालांकि सवाल यह है कि क्या उन्हें एकनाथ शिंदे से समय मिलेगा, डीसीएम शिंदे ने मंगलवार को मुलुंड के फोर्टिस हॉस्पिटल पहुंचकर ठाकरे गुट के उत्तर पूर्व मुंबई के सांसद संजय दीना पाटिल की पत्नी के स्वास्थ्य का हालचाल जाना। पाटिल की पत्नी पल्लवी हाल ही में एक एक्सीडेंट में घायल हो गई थीं और उनका इलाज चल रहा है।

उद्धव ठाकरे की सेना में शुरू हुई हलचल

इससे पहले राजनीतिक गलियारों में बहस छिड़ी थी कि ठाकरे सेना के 8 सांसद शिंदे सेना के संपर्क में हैं। उन्होंने डीसीएम शिंदे से ठाणे में मुलाकात की थी। हालांकि शिंदे ने इसे खारिज कर दिया था। ठाकरे गुट के परभणी के सांसद संजय जाधव को लेकर भी चचाओं का बाजार गर्म है। पिछले महीने 25 तारीख को शिवसेना भवन में हुई बैठक में जाधव और उनके कुछ समर्थक शामिल नहीं हुए थे।

कई तर्क-वितर्क निकाले जा रहे हैं :

शिंदे ने राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर उनकी तबीयत के बारे में पूछा और परिवार के लोगों का ढांढस बढ़ाया। पहले भी शिंदे के विपक्षी पार्टी के नेताओं के स्वास्थ्य का हालचाल जानने के कई उदाहरण है। वे ठाकरे गुट के सांसद संजय राऊत से भी अस्पताल में मिलने गए थे। शिंदे की मुलाकात को भले ही इंसानियत के नजरिए से देखा जा रहा है, लेकिन ऑपरेशन टाइगर की चचाओं के बीच कई तर्क-वितर्क निकाले जा रहे हैं।

रिटायर बैंक मैनेजर 54 दिनों तक ‘डिजिटल अरेस्ट’

एटीएस और एनआईए के नाम पर ठगों ने लूटे 40.90 लाख रुपए

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

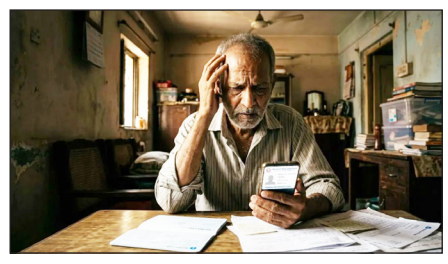

मुंबई के भांडुप क्षेत्र में डिजिटल अरेस्ट के जरिए ठगी की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर राजेंद्र तुकाराम सुर्वे को जालसाजों ने करीब दो महीने तक मानसिक रूप से बंधक बनाकर रखा और उनसे लाखों रुपए ऐंठ लिए। यह पूरी साजिश 10 मार्च 2026 को शुरू हुई, जब सुर्वे के पास सिग्नल ऐप के जरिए एक कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को दिल्ली एटीएस का अधिकारी बताया। ठगों ने पीड़ित को विश्वास दिलाया कि उनके दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल कर कर्नाटक में एक बैंक खाता खोला गया है। दावा किया गया कि इस खाते से करोड़ों रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग हुई है और इसका संबंध जनवरी में दिल्ली में हुए बम धमाकों से है। सुर्वे को डराने के लिए सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेशों का भी सहारा लिया गया, जिससे वे पूरी तरह सहम गए।

54 दिनों तक कमरे में रहे कैद

जालसाजों ने ‘डिजिटल अरेस्ट’ के नाम पर सुर्वे को उनके ही घर के एक कमरे में रहने का निर्देश दिया। उन्हें हिदायत दी गई कि वे इस जांच के बारे में अपनी पत्नी या किसी भी बाहरी व्यक्ति से चर्चा न करें, अन्यथा उन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डर के मारे पीड़ित ने ठगों के हर निर्देश का पालन किया और किसी को अपनी स्थिति की भनक तक नहीं लगने दी।

शेयर और लोन के जरिए वसूली

ठगों ने सुर्वे को अपनी संपत्ति सुरक्षित करने का झांसा देकर पहले 2.90 लाख रुपए वसूले। इसके बाद उन्हें शेयर बाजार में निवेश किए गए 29 लाख रुपए के शेयर बेचने के लिए मजबूर किया गया, जिसमें से 28 लाख रुपए ठगों के बताए खातों में ट्रांसफर कर दिए गए। जब ठगों का मन इतने से भी नहीं भरा, तो उन्होंने ‘बेल सिक्योरिटी’ के नाम पर 10 लाख रुपए और मांगे, जिसे पीड़ित की पत्नी ने बैंक से लोन लेकर चुकाया।

ठगी का अहसास और पुलिस कार्रवाई

ठगों ने वादा किया था कि जांच पूरी होने के दो दिनों के भीतर सारी रकम वापस कर दी जाएगी, लेकिन पैसे मिलते ही उन्होंने सभी संपर्क काट दिए। काफी समय बीतने के बाद जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तब सुर्वे को अपनी गलती का अहसास हुआ। उन्होंने 3 मई को साइबर हेल्पलाइन पर सूचना दी और 4 मई 2026 को औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल, मुंबई साइबर सेल उन बैंक खातों की जांच कर रही है जिनमें यह बड़ी रकम ट्रांसफर की गई थी।

मुलुंड में बीएमसी टेंडर पर 45 करोड़ घोटाले का आरोप

विधायक ने जांच की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुलुंड से भाजपा विधायक मिहिर कोटेचा ने मनपा अस्पतालों में हाउसकीपिंग कॉन्ट्रैक्ट के लिए जारी टेंडर में 45 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाते हुए रद्द करने की मांग की है। टेंडर प्रोसेस में मिलीभगत का आरोप लगाते हुए बीएमसी हेल्थ विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की है। बुधवार को स्टैंडिंग कमिटी की बैठक में मंजूरी के लिए प्रस्ताव लाया जाना है, उसके पहले भाजपा नेता ने मनपा आयुक्त अश्विनी भिड़े को पत्र लिख कर इसे रद्द कर जांच की मांग कर दी है। पत्र में कोटेचा ने कहा कि टेंडर अनुमानित कीमत से 20% कम रेट पर कोट किया गया है। सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी मेसर्स ऑरा एफएमएस प्राइवेट लिमिटेड ने वर्कर्स और सुपरवाइजर्स के लिए ग्रेच्युटी, सर्विस चार्ज और सेफ्टी इक्विपमेंट जैसी जरूरी चीजों के लिए ‘जीरो’ रेट दिखाए हैं। हालांकि, टेंडर फॉर्म में मिनिमम अमाउंट बताना जरूरी था।

कोटेजा ने दिया बयान

कोटेचा ने आगे कहा कि एनेक्सर ‘बी’ में ऑरा एफएमएस ने डिसइंफेक्टेंट, डिटर्जेंट, साबुन, ब्रश, झाड़ वगैरह जैसे रोजाना इस्तेमाल होने वाले हाइजीन इक्विपमेंट के लिए भी जीरो कीमत दिखाई है। सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 के सेक्शन 53 के मुताबिक एक साल बाद ग्रेच्युटी देना जरूरी है। ऑरा एफएमएस देश की सबसे बड़ी सोशल सर्विस ऑर्गनाइजेशन की तरह है। कोटेचा ने आश्चर्य व्यक्त किया है कि कंपनी को 266 करोड़ रुपए के कॉन्ट्रैक्ट में एक भी रुपए का प्रॉफिट नहीं होगा।

मंजूरी मिलने से पहले ही वर्कर्स तैनाती का आरोप

वहीं सुरक्षा के लिए जरूरी सामान की जीरो कॉस्ट दिखाकर कामगार के हेल्थ से समझौता कर लेबर कानूनों का उल्लंघन किया है। 41 लाख स्क्वेयर फीट एरिया में 800 बाथरूम है बिना किसी सैनिटेशन सामान और बिना किसी कॉस्ट के मेंटेन करेंगे। कोटेचा ने यह भी दावा किया कि ऑरा एफएमएस सिर्फ एक फ्रंट कंपनी है और असली काम विवादित कॉन्ट्रैक्टर मेसर्स हाईवे कंस्ट्रक्शन्स करेगा। पूरे टेंडर प्रोसेस में इस तरह से हेरफेर किया गया कि सिर्फ ऑरा एफएमएस प्राइवेट लिमिटेड को ही कॉन्ट्रैक्ट मिले। यही नहीं आरोप लगाया कि कॉन्ट्रैक्टर ने स्टैंडिंग कमिटी से मजूरी मिलने से पहले ही केईएम हॉस्पिटल में सैकड़ों वर्कर्स को तैनात कर दिया था।

‘मेयर जश्न में मस्त, जनता त्रस्त’

महिला सुरक्षा को लेकर रितु तावड़े पर किशोरी पेडनेकर का तीखा प्रहार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई नगर निगम में विपक्ष की नेता किशोरी पेडनेकर ने स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में मीनाताई बालासाहेब ठाकरे अस्पताल में प्रसव की संख्या में भारी गिरावट आई है। पेडनेकर के अनुसार, अस्पताल में आवश्यक डॉक्टरों की कमी एक गंभीर समस्या बन चुकी है, जिसके कारण रात के समय आने वाले मरीजों को जानबूझकर निजी अस्पतालों में भेजा जा रहा है। उन्होंने संदेह जताया कि यह सब अस्पताल के निजीकरण की किसी बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है। साथ ही उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि क्या राजनीतिक द्वेष के कारण मीनाताई ठाकरे के नाम वाले इस अस्पताल को नजरअंदाज किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ पेडनेकर ने राज्य की कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भी सरकार को जमकर कोसा। उन्होंने कहा कि राज्य में युवा लड़कियों पर अत्याचार बढ़ रहे हैं, लेकिन सरकार पूरी तरह असंवेदनशील बनी हुई है। वर्तमान महापौर रितु तावड़े पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब जनता त्रस्त है, तब मेयर आनंदोत्सव मनाने में व्यस्त हैं। पेडनेकर ने अपने कार्यकाल के दौरान मिले 138 पुरस्कारों का जिक्र करते हुए वर्तमान नेतृत्व की कार्यक्षमता पर सवाल उठाए।

सदन की गरिमा और कोली समुदाय का सम्मान

किशोरी पेडनेकर ने सदन की प्रक्रिया और अनुशासन पर जोर देते हुए सत्ताधारी दल को नसीहत दी कि उन्हें कोरम पूरा करने और नियमों का पालन करना सीखना चाहिए। उन्होंने मुंबई के मूल निवासी कोली समुदाय के हितों की रक्षा का संकल्प दोहराते हुए कहा कि यदि इस समुदाय पर किसी भी तरह का दबाव डाला गया, तो वे इसका पुरजोर विरोध करेंगी। उनके अनुसार, मुंबई की पहचान कोली समुदाय के सम्मान से जुड़ी है और इसके साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

हिंदमाता एंकर: **निधि की कमी और सख्त शर्तों से अधर में लटका हजारों गरीबों का सपना**

सरकार की घरकुल योजना का बुरा हाल

हिंदमाता नेटवर्क @ भंडारा

भंडारा जिले के लाखनी तहसील में केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी घरकुल योजना प्रशासनिक देरी और निधि की कमी के कारण ठप पड़ती नजर आ रही है। तहसील में स्विकृत 7,593 लाभार्थियों में से सैकड़ों परिवारों का पक्का घर बनाने का सपना अधूरा है, जबकि कई घरों का निर्माण कार्य बीच में ही रुक गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लाभार्थियों को अपने-अपने किस्तों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। इससे नाराज लाभार्थी अब सवाल उठा रहे हैं कि क्या सरकार के पास गरीबों के घर के लिए पर्याप्त निधि नहीं है। लाखनी तहसील के 6,595 लाभार्थियों को पहला किस्त मिल चुका है, लेकिन आगे की किश्तों के लिए बड़ी संख्या में लोग प्रतीक्षा कर रहे हैं। वर्तमान में 18 लाभार्थी पहले 15 हजार रुपए के किस्तें, 158 लाभार्थी दूसरे चरण के 70 हजार रुपए, 261 लाभार्थी तीसरे चरण के 30 हजार रुपए और 76 लाभार्थी अंतिम 5 हजार रुपए की राशि का इंतजार कर रहे हैं। किस्तों में देरी के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। लाभार्थियों के सामने सीमेंट, ईंट और मजदूरी के भुगतान का संकट खड़ा हो गया है।

सोलर प्लांट की शर्त से बढ़ी परेशानी

केंद्र सरकार के नए निर्णय के तहत बढ़ी हुई 50 हजार रुपए की सहायता में से 35 हजार रुपए 332 लाभार्थियों को दिए जा चुके हैं, लेकिन शेष 15 हजार रुपए के लिए सोलर प्लांट लगाना अनिवार्य किया गया है। इस शर्त के कारण आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के सामने नई समस्या खड़ी हो गई है।

जनप्रतिनिधियों की चुप्पी, बढ़ी चिंता

तहसील में अब तक केवल 676 घरकुल पूरे हो पाए हैं, जबकि अधिकांश काम अधूरे हैं। इस गंभीर मुद्दे पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता को लेकर लोगों में नाराजगी है। बरसात नजदीक होने के कारण यदि जल्द निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ, तो प्रभावित परिवारों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। नागरिकों ने सरकार और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि लंबित निधि तत्काल जारी कर गरीबों को उनका हक का घर दिलाया जाए।

मिरा भाईंदर महानगरपालिका
स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, छत्रपती शिवाजी महाराज मार्ग, भाईंदर (प.) ता.ठाणे-४०११०१ दुरध्वनी क्रं.२८१९२८२८
ई-मेल : pro@mbmc.gov.in वेबसाईट : www.mbmc.gov.in
स्वातंत्र्याचा अमृत महोत्सव
पाणी पुरवठा व मलनि:सारण विभाग

जा.नं. पा.पु.व मलनि/01/2026-27 दि. 06/05/2026

// निविदा सुचना क्र. ०१ //

कामाचे नाव :-	मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील मलनि:सारण केंद्रांची व भुमिगत गटाराची वार्षिक देखभाल व सर्वसमावेशक दुरुस्ती करणे. (अंदाजित रक्कम रु. 25,01, 12,690/-GST वगळून)

--निविदा पुस्तिका ई टेंडरींग (E-Tendering) संगणक प्रणालीच्या attps://maaatenders.gov.in या संकेतस्थळावर दि.०८/०५/२०२६ ते दि.२२/०५/२०२६ रोजी उपलब्ध होतील. तसेच दि.२२/०५/२०२६ रोजी १.०० वाजेपर्यंत निविदा स्विकारण्यात येतील व दिनांक २५/०५/२०२६ रोजी १२.३० वाजता उघडण्यात येतील.

कोणतीही निविदा स्विकारणे अथवा नाकारण्याचा अधिकार मा. आयुक्त, मिरा भाईंदर महानगरपालिका यांनी राखून ठेवला आहे.

जा.क्र. मनपा/मावज / जाहि./ ई-८९१८७०७/२०२६-२७
दि. ०६/०५/२०२८

सही/-
(दिपक खांबित)
शहर अभियंता
मिरा भाईंदर महानगरपालिका

ठिकाण : भाईंदर
दिनांक : ०६/०५/२०२८

विचार प्रवाह

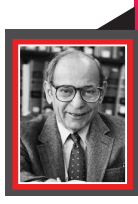

जब आप माफ करते हैं तब आप भूत को नहीं बदलते हैं - लेकिन आप निश्चित रूप से भविष्य को बदल देते हैं।

- बर्नार्ड मेल्ज्जर

संपादकीय

भगवा हुआ बंगाल

बंगाल में भाजपा का खेला काम कर गया। ऐसा भी नहीं है कि तीन बार से सत्ता पर काबिज बंगाल की शेरनी ममता से जनता का मोहभंग हाल-फिलहाल की घटना है। भाजपा ने दशकों से आक्रामक रणनीति से चुनावी तैयारी की है। केंद्र सरकार के तमाम संसाधनों का गाहे-बगाहे प्रयोग किया। बंगालियों को रास आने वाले तमाम विमर्श गढ़े और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये लाखों मतदाताओं को बाहर का रास्ता दिखाया। मोदी-शाह की आक्रामक रणनीति के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ता स्तर पर गहन अभियान चले। फिलहाल, गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा का शासन हो गया है। गंगा के प्रवाह के साथ बहने वाले झारखंड को छोड़ दें तो बाकी राज्य भगवामय हैं। जहां बंगाल में पहली बार कमल खिला है, वहीं तमिलनाडु में थलापति के नाम से चर्चित सुपरस्टार विजय की दमदार एंट्री हुई है। उन्होंने भी परंपरागत राजनीतिक दलों की घोषणाओं से बढ़कर लोकलुभावने वायदे किए हैं। फलतः दो ध्रुवीय द्रविड़ राजनीति सत्ता से बाहर हुई है। स्टालिन न केवल हारे हैं, बल्कि उनकी सरकार भी गई। छह दशक बाद राज्य में गैर द्रविड़ियन सरकार बनने जा रही है। हालांकि, अभी सत्ता में आने के लिये टीवीके को गठबंधन का सहारा लेना होगा। भाजपा के लिये भी पत्ते खेलने के अवसर हैं। जहां बंगाल, केरलम व तमिलनाडु में सत्ता विरोधी लहर में सरकारें धराशायी हुई हैं, वहीं असम में भाजपा की हैट्रिक बनी है। हेमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने भरपूर बहुमत पाया है। पुडुचेरी में फिर एनडीए सत्ता पर काबिज हुआ है। लेकिन भाजपा की इस जीत की खुशी के बीच केरलम में कांग्रेस नीत गठबंधन की वापसी हुई है। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम वाम दलों के लिये दुःस्वप्न ही साबित हुए हैं, केरलम में उनका आखिर गढ़ भी हाथ से निकल गया है। हालांकि, केरलम में भाजपा ने तीन व तमिलनाडु में एक सीट जीतकर हिंदी बेल्ट की पार्टी के ठप्पे से मुक्त होने का प्रयास किया है। इन विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह भी है कि अब क्षेत्रीय क्षत्रपों की मुखर आवाज कुंद हो गई है। जहां ममता,स्टालिन व विजयन सत्ता से बाहर हो गए हैं, वहीं शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, नीतीश कुमार, नवीन पटनायक का प्रभाव भी फीका हुआ है। वर्तमान विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद देश का 72 फीसदी भूभाग व 78 फीसदी आबादी भाजपा शासित है। अनुमान है कि अब भाजपा 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे पर मुखर हो सकती है। कयास बंगाल को लेकर भी हैं कि वहां आंदोलनों के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी को सत्ता की बागडोर सौंपी जाएगी, या भाजपा कोई चौंकाने वाली पहल करती है। बहरहाल, बंगाल में भाजपा ने आक्रामक चुनावी रणनीति से महज 8 फीसदी वोट प्रतिशत की वृद्धि से 131 सीटें बढ़ा ली हैं। इतना ही नहीं टीएमसी के मजबूत गढ़ों में 53 सीटें कब्जा ली हैं। बहरहाल, पहले से ही कमजोर विपक्ष को यह परिणाम बड़ा झटका है। कांग्रेस व वाम दलों से किनारा करके चलने की ममता की महत्वाकांक्षी कोशिश का लाभ भाजपा को मिला है। हां, इतना जरूर है कि दक्षिण भारत में पकड़ बनाने के लिये भाजपा को कड़ी मेहनत करनी होगी। इस बार उसे केरल की तीन व तमिलनाडु की एक सीट पर ही संतोष करना पड़ा है। वहीं केरलम में वाम मोर्चे के अंतिम किले का ध्वस्त होना और लगातार टकराव के मूड में रहने वाले स्टालिन की विदाई उसका उत्साह बढ़ाने वाले हैं। बहरहाल- ममता, विजयन और स्टालिन की हार से संकेत मिलता है कि कांग्रेस विपक्ष के कमजोर 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करती रहेगी। लेकिन भाजपा को आने वाले समय में पंजाब में कड़ा मुकाबला करना पड़ेगा, जहां आम आदमी पार्टी व कांग्रेस अपनी जमीन मजबूत करने के प्रयासों में लगे हैं। बहरहाल, विगत में राजनीतिक हिंसा का इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान उपजी कटुता को नियंत्रित करने के प्रयास बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के करने होंगे। निस्संदेह, लोकतंत्र में हिंसा की कोई भूमिका नहीं स्वीकारी जानी चाहिए। विश्वास करें कि नयी सरकार द्वारा राजनीतिक प्रतिशोध को संरक्षण नहीं दिया जाएगा।

आज का इतिहास

■ 1976 - एलेक्जेंडर ग्राहम बेल को अपने आविष्कार का पेटेंट मिला जिसे उन्होंने "टेलीफोन" (दूरभाष) का नाम दिया।

■ 1989 - भारतीय मूल के लेखक सलमान रश्दी के खिलाफ ईरानी फतवे के बाद ब्रिटेन और ईरान के बीच राजनयिक संपर्क टूट गया।

■ 1999 - स्काटलैंड संसदीय चुनावों में लेबर पार्टी को सफलता।

■ 2000 - ब्लादिमीर पुतिन ने रूस के नये राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार सम्भाला।

■ 2001 - पूर्वोत्तर ईरान में बाढ़।

■ 2002 - गुजरात की हिंसा पर अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने गंभीर चिंता जताई।

■ 2004 - नेपाल के प्रधानमंत्री सूर्य बहादुर थापा ने इस्तीफा दिया।

■ 2008 - रूस के पूर्व राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने देश के 10वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। पाकिस्तान ने परमाणु क्षमता से लैस मिसाइल हत्फ-8 का परीक्षण किया।

■ 1968 - केशव प्रसाद मौर्य - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञों में से एक हैं।

■ 1912- पन्नालाल पटेल- गुजराती भाषा के जानेमाने साहित्यकार थे।

■ 1910- शान्तिदेव घोष - एक भारतीय लेखक, गायक, अभिनेता, नर्तक और रवीन्द्र संगीत के उस्ताद थे।

■ 1861 - रबीन्द्रनाथ ठाकुर - नोबेल पुरस्कार प्राप्त बांग्ला कवि, कहानीकार, गीतकार, संगीतकार, नाटककार, निबंधकार।

■ 1880 - पांडुरंग वामन काणे - महान भारतीय संस्कृतज्ञ और विद्वान पंडित।

■ 1893 - भारतीय गुरु परमहंस योगानंद

■ 1889 - एन. एस. हार्डिकर - प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी तथा 'हिन्दुस्तानी सेवादल' के संस्थापक।

■ 1924 - अल्लूरी सीताराम राजू - प्रसिद्ध दक्षिण भारतीय स्वतंत्रता सेनानी

■ 1952 - भारतीय गुरु परमहंस योगानंद

■ 2001- प्रेम धवन, हिंदी सिनेमा जगत के मशहूर गीतकार

■ 2021 - वनराज भाटिया - भारतीय हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध संगीतकार थे।

फर्जी सेक्युलरिज्म उजागर

चुनाव परिणामों के बाद आरोप-प्रत्यारोप और कथित सेक्युलर राजनीति पर सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पांच राज्यों के चुनावों में से राहुल गांधी को असम और बंगाल के चुनाव नतीजे स्वीकार नहीं हैं। उनके शब्दों में, 'असम और पश्चिम बंगाल ऐसे स्पष्ट उदाहरण हैं, जहां भाजपा ने चुनाव आयोग के समर्थन से चुनाव चुराया है। हम ममता बनर्जी से सहमत हैं कि बंगाल में सौ से ज्यादा सीटें चुराई गईं। हमने पहले भी मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और 2024 के लोकसभा चुनाव में यह तरीका देखा है। चुनाव चोरी, संस्था चोरी-अब और चारा ही क्या है।' आश्चर्यजनक रूप से उन्होंने केरलम, तमिलनाडु और पुडुचेरी के बारे में ऐसा कुछ नहीं कहा। केरलम के बारे में तो कह भी नहीं सकते थे, क्योंकि यहां कांग्रेस के नेतृत्व वाले मोर्चे ने जीत हासिल की है। चुनाव नतीजों के बाद उन्होंने तमिलनाडु में शानदार जीत हासिल करने वाले टीवीके के प्रमुख जोसेफ विजय को बधाई दी तो पराजय का सामना करने वाले स्टालिन से भी बात की।

विरोधाभासी बयान

ज्ञात हो स्टालिन ने चुनाव नतीजों को सहजता से स्वीकार कर लिया है। राहुल गांधी ने ममता बनर्जी से भी बात की और अपनी एक्स पोस्ट में कांग्रेस के उन लोगों को संभलने की सलाह दी, जो टीएमसी की हार पर खुशी मना रहे। यह वही राहुल गांधी हैं, जिन्होंने बंगाल में दूसरे चरण के मतदान के ठीक पहले ममता को निशाने पर लेते हुए कहा था कि बंगाल में किसी को रोजगार चाहिए तो फिर टीएमसी में कोई न कोई रिश्तेदारी होनी चाहिए, नहीं तो फिर काम नहीं मिलने वाला। ममता पूरा का पूरा काम टीएमसी के गुंडों और अपनी पार्टी के लोगों के लिए करती हैं और जनता की कोई भी मदद नहीं करतीं। उन्होंने यह भी कहा था, बंगाल में आज लोकतंत्र नहीं, टीएमसी का गुंडाराज चल रहा है।

बयान और स्मृति पर सवाल

आखिर राहुल अपनी ही बातों को इतनी जल्दी कैसे भूल सकते हैं? माना कि नेताओं की याददाश्त कुछ कमजोर होती है, पर कोई 10-12 दिन पहले की अपनी बातों को कैसे भूल सकता है? राहुल ने बंगाल में प्रचार के दौरान ही ममता को लेकर यह भी कहा था कि बंगाल में बढ़ते ध्रुवीकरण की वजह से ही भाजपा को मौका मिला। इससे इंकार नहीं कि बंगाल में भाजपा की जीत के कई कारणों में से एक मतदाताओं का ध्रुवीकरण भी रहा। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के पर्याप्त कारण हैं कि भाजपा के पक्ष में बड़ी संख्या में हिंदू मतदाता गोलबंद हुए और इसलिए भी उसे बंपर जीत मिली, पर ऐसा केवल इसलिए नहीं हुआ कि भाजपा हिंदुत्व की राजनीति करती है। ऐसा इसलिए भी हुआ, क्योंकि कांग्रेस और तृणमूल सरीखे दल कथित सेक्युलरिज्म के नाम पर मुस्लिम वोटों को गोलबंद करने का काम करते हैं। वास्तव में यह काम खुद को सेक्युलर बताने वाले अधिकतर दल करते हैं। कांग्रेस देश भर में यही करती है और बंगाल में ममता भी यही कर रही थीं और इतना खुलकर कर रही थीं कि वह मुस्लिम तुष्टीकरण में बदल गया।

वोटों की गोलबंदी का मुद्दा

आम तौर पर मुस्लिम किसी दल के पक्ष में थोक वोट करते हैं और जबसे भाजपा का उभार हुआ है, तबसे वे खास तौर पर उस दल के पक्ष में वोट करते हैं, जो उसे हरा सकने में सक्षम दिखता है। इसके चलते कथित सेक्युलर दल उनकी गोलबंदी में अतिरिक्त परिश्रम करने लगे। वे उनके सामने भाजपा का हौवा खड़ा करते और उनका काम आसान हो जाता। मुस्लिम वोटों की इस गोलबंदी को ध्रुवीकरण के बजाय सेक्युलर राजनीति की संज्ञा दी जाने लगी।

राजनीतिक प्रभाव

इस फर्जी सेक्युलर राजनीति के चलते एक समय ऐसा आया कि भाजपा विरोधी दलों के लिए मुस्लिम वोट एक तरह के वीटो पावर बन गए। जब भाजपा ने मुस्लिम वोटों को एकजुट करने के जवाब में हिंदू वोटों को गोलबंदी करनी शुरू की तो उसके विरोधियों ने उस पर ध्रुवीकरण की सांप्रदायिक राजनीति करने ठप्पा लगाना शुरू किया। भाजपा ने इस ठप्पे की परवाह न करते हुए सेक्युलरिज्म को छद्म सेक्युलरिज्म की संज्ञा दी और वह उस पर इसलिए बुरी तरह चिपक गया, क्योंकि यही सच था।

बंगाल और असम का विश्लेषण

निःसंदेह बंगाल में मुस्लिम वोटों के बंटवारे के कारण भी टीएमसी को नुकसान हुआ, लेकिन यदि ममता मुस्लिम समुदाय का इतना खुला तुष्टीकरण नहीं करतीं तो हिंदू भाजपा के पक्ष में खुलकर गोलबंद नहीं होते। ममता केवल इसलिए नहीं हारीं, क्योंकि मुस्लिम वोटों का बंटवारा हो गया और अधिसंख्य हिंदू वोट भाजपा के खाते में चले गए। वे इसलिए भी हारीं, क्योंकि उनका शासन पक्षपात और उनके नेताओं के भ्रष्टाचार संग उनकी गुंडागर्दी का पर्याय बन गया था। महिला मुख्यमंत्री होने के बाद भी राज्य में महिला असुरक्षा एक प्रमुख मुद्दा बना।

निष्कर्ष और सवाल

ममता को घुसपैठियों की अनदेखी और मुस्लिमपरस्ती की भी कीमत चुकानी पड़ी। यही कीमत असम में कांग्रेस ने चुकाई। इस पर गौर करें कि असम में एक समय कांग्रेस से मिलकर चुनाव लड़ने वाले बदरुद्दीन अजमल ने कांग्रेस को आज की मुस्लिम लीग बता दिया। पता नहीं उन्होंने ऐसा क्यों कहा, लेकिन अब यह फ्राड बंद होना चाहिए कि मुसलमानों की गोलबंदी तो सेक्युलर राजनीति है और उसके जवाब में हिंदुओं को एकजुट करना सांप्रदायिक राजनीति। मुस्लिम वोटों ने असम और बंगाल में भी अपना वीटो पवार खो दिया और यह मिथ्या धारणा ध्वस्त हो गई कि उनके वोट किसी दल की चुनावी नैया पार लगा सकते हैं, क्योंकि उनका ध्रुवीकरण रिवर्स ध्रुवीकरण करता है।

आंखनदेखी

मास्को में विजय दिवस समारोह के दौरान मध्य 20वीं सदी की पारंपरिक पोशाक में सजे छात्र सांस्कृतिक प्रस्तुति देते नजर आए। यह आयोजन द्वितीय विश्व युद्ध में मिली जीत की याद में हर साल धूमधाम से मनाया जाता है, जिसमें देशभक्ति और इतिहास की झलक देखने को मिलती है।

घर के झगड़े से खून-खराबा

● रायपुर की घटना ने फिर उठाए सवाल—क्या घरेलू विवाद अब तेजी से हिंसा में बदल रहे हैं?

हिंदमाता नेटवर्क @ छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से सामने आई फायरिंग की घटना न केवल सनसनीखेज है, बल्कि समाज के भीतर बढ़ती असहिष्णुता और पारिवारिक विघटन का भी गंभीर संकेत देती है। एक ही परिवार के भीतर उपजा विवाद इस हद तक बढ़ गया कि उसने एक महिला की जान ले ली और दूसरी को जिंदगी-मौत के बीच संघर्ष करने पर मजबूर कर दिया। यह घटना केवल एक आपराधिक मामला नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी भी है। मंगलवार देर रात मोवा इलाके में अचानक चली गोलियों की आवाज ने पूरे क्षेत्र को दहशत में डाल दिया। आमतौर पर शांत रहने वाला यह इलाका कुछ ही पलों में भय और अफरा-तफरी का केंद्र बन गया। लोग अपने घरों में दुबक गए और बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा सके। यह दृश्य बताता है कि कैसे एक निजी विवाद सार्वजनिक भय का कारण बन सकता है।

एक्स फाइल

परिवार के भीतर हिंसा का विस्फोट

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला एक पारिवारिक विवाद से जुड़ा है, जो धीरे-धीरे उग्र रूप लेता गया। घर के अंदर चल रही बहस ने जब नियंत्रण खो दिया, तो उसने हिंसक रूप धारण कर लिया। यह स्थिति इस बात की ओर इशारा करती है कि परिवार, जो सुरक्षा और स्नेह का केंद्र माना जाता है, वहीं अब तनाव और टकराव का कारण भी बनता जा रहा है।

गुस्से में चली गोलियां

आरोपी, जो पीड़ित महिलाओं का देवर बताया जा रहा है, ने कथित तौर पर अपने लाइसेंसी पिस्टल से फायरिंग की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसने एक के बाद एक कई गोलियां चलाईं। यह केवल गुस्से का क्षणिक विस्फोट नहीं, बल्कि नियंत्रण की पूरी तरह से कमी को दर्शाता है। हथियार का आसानी से उपलब्ध होना इस तरह की घटनाओं को और अधिक घातक बना देता है।

एक की मौत, दूसरी जिंदगी से जूझती

इस गोलीबारी में गीतांजलि नामक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दुर्गेश्वरी गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला का अस्पताल में इलाज जारी है और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। यह घटना उस त्रासदी को दर्शाती है, जिसमें एक परिवार ने एक ही रात में अपूरणीय क्षति झेल ली।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी पिस्टल को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस की यह तत्परता सराहनीय है, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केवल बाद की कार्रवाई पर्याप्त नहीं होती।

जांच और कारणों की तलाश

पुलिस फिलहाल घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। झगड़े की असली वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। परिवार के सदस्यों और गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं ताकि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आ सके। यह प्रक्रिया आवश्यक है, लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी है कि समाज ऐसे कारणों पर पहले से ध्यान दे, जो इस तरह की घटनाओं को जन्म देते हैं।

घरेलू विवाद और बढ़ती हिंसा

यह घटना एक बड़े सामाजिक संकट की ओर संकेत करती है—घरेलू विवादों का हिंसक रूप लेना। छोटी-छोटी बातों पर बढ़ता तनाव, संवाद की कमी और गुस्से पर नियंत्रण न होना, इन सबका परिणाम अक्सर ऐसे ही हादसों के रूप में सामने आता है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ और मानसिक दबाव भी इन स्थितियों को और जटिल बना रहे हैं।

हथियार और जिम्मेदारी का सवाल

लाइसेंसी हथियार का इस तरह उपयोग होना एक गंभीर चिंता का विषय है। हथियार रखने की अनुमति के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है, लेकिन जब भावनाएं नियंत्रण से बाहर हो जाती हैं, तो यही हथियार विनाश का कारण बनते हैं। यह आवश्यक है कि हथियार रखने वालों के लिए सख्त मनोवैज्ञानिक और सामाजिक मानकों को लागू किया जाए।

समाज के लिए चेतावनी

रायपुर की यह घटना केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यह हमें सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम संवाद और संयम की जगह आक्रोश और हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं? परिवारों में आपसी समझ, सहनशीलता और संवाद को बढ़ावा देना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

संयम ही समाधान

अंततः इस घटना से यही संदेश मिलता है कि किसी भी विवाद का समाधान हिंसा नहीं हो सकता। पुलिस ने लोगों से संयम बरतने और कानून का सहारा लेने की अपील की है, जो पूरी तरह उचित है। समाज को भी यह समझना होगा कि गुस्से का एक पल पूरी जिंदगी को तबाह कर सकता है। इसलिए आवश्यक है कि हम धैर्य, संवाद और समझदारी को प्राथमिकता दें, ताकि ऐसे दर्दनाक हादसों को रोका जा सके।

प्रेरक प्रसंग

कर्म का फल

एक बार वैकुंठ लोक में भगवान विष्णु क्षीरसागर में शेषनाग पर शयन कर रहे थे और देवी लक्ष्मी उनके चरण दबा रही थीं। उसी समय नारद मुनि वहां पहुंचे। उन्होंने विनम्रतापूर्वक भगवान को प्रणाम किया। भगवान विष्णु ने मुस्कुराते हुए उनसे पूछा, मुनिवर, तीनों लोकों की यात्रा कैसी रही? नारद मुनि बोले, प्रभु, मैंने स्वर्ग, पाताल और मृत्यु लोक का भ्रमण किया। हर जगह अलग-अलग प्रकार के जीव और उनके कर्मों का प्रभाव देखने को मिला। लेकिन मृत्यु लोक में एक घटना ने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया। भगवान विष्णु ने उत्सुकता से पूछा, ऐसी कौन-सी घटना, मुनिवर? नारद जी ने कहना शुरू किया, प्रभु, एक नगर में एक सेठ रहता था। वह बहुत धनी था, लेकिन अत्यंत कंजूस भी था। उसकी मिठाई की दुकान थी और उसका बेटा भी उसी के साथ बैठता था। सेठ की कंजूसी का प्रभाव उसके बेटे पर भी पड़ा और वह भी वैसा ही बन गया। कुछ समय बाद सेठ की मृत्यु हो गई और दुकान की जिम्मेदारी बेटे पर आ गई। एक दिन मैंने देखा कि एक कुत्ता दुकान के सामने पड़े जूठे पत्तलों को चाट रहा था। तभी सेठ का बेटा आया और उसने उस कुत्ते को डंडा मारकर भगा दिया। प्रभु, वह कुत्ता तो केवल जूठा भोजन खा रहा था, फिर उसे इतनी कठोरता से क्यों भगाया गया? नारद मुनि की बात सुनकर भगवान विष्णु मंद-मंद हंसने लगे। उन्होंने कहा, मुनिवर, वह कोई साधारण कुत्ता नहीं था। वह उसी सेठ का पुनर्जन्म था, जो अब कुत्ते के रूप में जन्मा था। नारद जी आश्चर्यचकित रह गए, प्रभु, ऐसा क्यों हुआ?

■ भगवान विष्णु बोले, उस सेठ ने अपने जीवन में बहुत धन कमाया, लेकिन उसने कभी दान-पुण्य नहीं किया। वह केवल धन इकट्ठा करने में लगा रहा और आत्मिक उन्नति की ओर ध्यान नहीं दिया। इसी कारण उसे अगले जन्म में कुत्ते की योनि प्राप्त हुई। अब जब वह अपनी ही दुकान पर आया, तो उसका बेटा, जो उसी की तरह कंजूस था, उसे जूठा भोजन भी खाने नहीं दे रहा। भगवान आगे बोले, यह संसार कर्मों का फल है। जो जैसा करता है, उसे वैसा ही फल मिलता है।

■ यदि इस जन्म में नहीं, तो अगले जन्म में अवश्य मिलता है। नारद मुनि ने विनम्र होकर कहा, प्रभु, अब मैं समझ गया कि कर्मों का प्रभाव कितना गहरा होता है। सीखः हमें जीवन में सदैव अच्छे कर्म करने चाहिए। धन और भौतिक सुख ही सब कुछ नहीं होते, बल्कि दया, करुणा और परोपकार ही सच्चा सुख देते हैं। बुरे कर्मों का फल अंततः दुख ही देता है, इसलिए हमेशा नेक रास्ता अपनाना चाहिए।

राशिफल

मेष- नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ-व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। विवाद से बचें। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

मिथुन-नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। प्रशंसा मिलेगी। प्रमाद न करें।

कर्क-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे।

सिंह- राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। ध्यान रखें। तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा।

कन्या-व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा। फालतू की बातों पर ध्यान न दें।

तुला-राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। कार्यसिद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।

वृश्चिक- प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं।

धनु- बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा।

मकर- आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएं। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी।

कुंभ- कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। धनार्जन होगा।

मीन-नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। पुराने संगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी।

कांग्रेस में हमारे कई धुरंधर

छह जीत भी गए, वो बीजेपी का साथ देंगे ', हिमंत बिस्वा सरमा का दावा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

असम में लगातार तीसरी बार बीजेपी-एनडीए की प्रचंड जीत के बाद हिमंता बिस्वा सरमा ने आजतक से एक्सक्लूसिव बातचीत में बड़ा दावा किया है। उन्होंने हाल में आई आदित्य धर की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर तंज कसा। हिमंता ने कहा कि कांग्रेस में हमारे धुरंधर हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के 30 उम्मीदवार ऐसे थे, जिनके बीजेपी और उनसे अच्छे संबंध हैं। इनमें से 6 उम्मीदवार जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। हिमंता बिस्वा सरमा से जब पूछा गया कि आपने दावा किया था कि कांग्रेस के 30 टिकट मैं दूंगा, तो आपके कितने उम्मीदवारों को विपक्षी दल ने टिकट दिया था इस बार? इस प्रश्न के जवाब में हिमंता ने कहा, 'हमारे साथ जिनके अच्छे रिश्ते हैं, ऐसे 30 नेताओं को कांग्रेस ने टिकट दिया था, उनमें से 6 जीते। कांग्रेस के बड़े नेता ही हमारी मदद करते हैं। खुलके मदद करते हैं। हमें हमारे एनिमी कैम्प में भी ऑपरेट करना है।' उन्होंने आगे उदाहरण देते हुए कहा, 'जैसे आपने धुरंधर देखा न पाकिस्तान में जैसे काम करते थे। तो हमारे भी धुरंधर कांग्रेस में हैं।' क्या हिमंता के के जासूस हैं कांग्रेस में? इस पर उन्होंने कहा, 'जासूस नहीं हैं। उनका भी अपना पॉलिटिकल करियर है। वे बीजेपी में आने पर नहीं जीतेंगे। इसलिए उनको कांग्रेस में ही रहकर देश की सेवा करना है और बीजेपी की मदद करते रहना है।' असम में कांग्रेस के जो 19 उम्मीदवार जीते हैं, उनमें 18 मुस्लिम हैं। कांग्रेस के सिर्फ एक हिंदू कैंडीडेट जय प्रकाश दास को लखीमपुर जिले की नाउबोइचा सीट से जीत मिली है। इस पर हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि असम में कांग्रेस 'मियां मुसलमान' की पार्टी है। उन्होंने कहा कि असम में हिंदू न कांग्रेस को वोट देते हैं और न वोट देना पसंद करते हैं। हिमंता ने यहां तक दावा किया कि कांग्रेस के 6 विधायक आगामी राष्ट्रपति चुनाव में बीजेपी कैंडिडेट के पक्ष में वोट करेंगे। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए हुए चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) को 102 सीटों पर सफलता मिली। इनमें 82 सीटें बीजेपी ने जीतीं। उसने कुल 90 सीटों पर चुनाव लड़ा था, इस तरह पार्टी का स्ट्राइक रेट करीब 92% रहा। बीजेपी के सहयोगी दलों असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट ने 10-10 सीटें जीतीं। असम में 2016 से बीजेपी सत्ता में है और उसने इस बार जीत की हैट्रिक लगाई है।

मतगणना नहीं, मनगणना हो रही, अखिलेश ने 2027 में जीत का किया दावा

आईपैक से तोड़ा करार

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए मतगणना की सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में 'मतगणना नहीं, मनगणना' हो रही है और 2027 के विधानसभा चुनाव को लोकतंत्र बचाने की निर्णायक लड़ाई बताया। अखिलेश यादव ने लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस और पार्टी मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा पर चुनावी धांधली के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, "डेमोक्रेसी खत्म नहीं हुई है, हमें उसे जिंदा रखना है। 2027 में जनता और कार्यकर्ता मिलकर बड़ी जीत हासिल करेंगे।" उन्होंने मतगणना प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसकी सीसीटीवी लाइव फुटेज सार्वजनिक की जानी चाहिए। "कहीं ऐसा न हो कि 5 प्रतिशत का भंडाफोड़ करते-करते 95 प्रतिशत का खेल सामने आ जाए। अखिलेश यादव ने दावा किया कि चुनावों में 'मल्टी लेयर इलेक्शन माफिया' सक्रिय है और कुंदरकी व रामपुर उपचुनाव में 'वोटों की डकैती' हुई। उन्होंने इसे भाजपा का '10 नंबरी मॉडल' बताते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में बने रहने के लिए चुनावी प्रक्रिया से छेड़छाड़ की जा रही है। पश्चिम बंगाल के संदर्भ में उन्होंने कहा कि वहां 'वोट की शर्मनाक लूट' हुई और प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग किया गया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह गुरुवार को पश्चिम बंगाल जाएंगे और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात करेंगे। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि इंडिया गठबंधन बरकरार रहेगा। चुनावी रणनीति को लेकर अखिलेश यादव ने बताया कि समाजवादी पार्टी ने चुनावी कंसल्टेंसी कंपनी आई पैक के साथ करार समाप्त कर दिया है। "कुछ महीनों तक उन्होंने हमारे साथ काम किया, लेकिन अब फंड की कमी के कारण हम साथ काम नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने चुनावी सर्वे एजेंसियों और कंपनियों पर भी निशाना साधते हुए कहा, "कुछ लोगों ने सलाह दी कि सी-वोटर, एवीएम और 360 जैसी कंपनियों से जुड़िए, लेकिन ये सब भाजपा के लिए काम करती हैं।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया, "कुछ अंडरकवर अधिकारी एक विचारधारा के तहत काम कर रहे हैं, जिनका खुलासा किया जाएगा।" अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 का चुनाव लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई होगा। पीडीए का वोट सबसे ज्यादा है और भाजपा के पास उसका कोई जवाब नहीं है। चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, "मैं कई ऋषि-मुनियों और ज्योतिषियों से मिला हूं। जो पंडित जी कहेंगे, वही करेंगे। 2012 में सरकार बनी थी, 2027 में फिर बनाएंगे।" इस दौरान उन्होंने महिलाओं के लिए पार्टी आधारित आरक्षण की वकालत करते हुए कहा कि पहले जातीय जनगणना होनी चाहिए और उसके आधार पर आबादी के अनुपात में आरक्षण लागू किया जाए।

अमेरिका-इजरायल की कार्रवाई 'अवैध', चीन ने किया ईरान का समर्थन

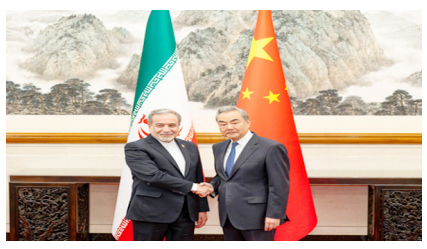

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई को "अवैध" करार देते हुए क्षेत्र में तत्काल संघर्ष विराम की जरूरत पर जोर दिया है। चीनी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, वांग यी ने बीजिंग में अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची के साथ बैठक के दौरान कहा कि पश्चिम एशिया "निर्णायक मोड़" पर खड़ा है और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए व्यापक युद्धविराम "अनिवार्य" है। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, वांग ने तनाव कम करने के प्रयासों के प्रति चीन की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि दोनों पक्षों के बीच सीधी बातचीत ही समाधान का रास्ता है। वहीं, अराघची ने चीन के "दृढ़ रुख" की सराहना करते हुए कहा कि अमेरिका-इजरायल की कार्रवाई की निंदा करने में बीजिंग की भूमिका अहम रही है। उन्होंने यह भी कहा कि तेहरान और बीजिंग के बीच सहयोग पहले से अधिक मजबूत होगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच कूटनीतिक प्रयास तेज हो गए हैं। तो दूसरी ओर, अमेरिका के राष्ट्रपति ने प्रोजेक्ट फ्रीडम पर फिलहाल रोक लगा दी है। उन्होंने मंगलवार शाम सोशल पोस्ट में कहा कि यह फैसला पाकिस्तान और अन्य देशों के अनुरोध पर लिया गया है, साथ ही ईरान के साथ संभावित शांति समझौते की दिशा में हो रही प्रगति को ध्यान में रखते हुए किया गया है। ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि "प्रोजेक्ट फ्रीडम" को "कुछ समय के लिए रोका जा रहा है, ताकि यह देखा जा सके कि क्या ईरान के साथ अंतिम समझौता पूरा किया जा सकता है।" हालांकि, अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर लगाया गया दबाव और नाकाबंदी फिलहाल जारी रहेगी। यह अभियान सोमवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे हुए वाणिज्यिक जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने के लिए शुरू किया गया था, जो हालिया तनाव के कारण समुद्री यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इसे मानवता के लिए जरूरी करार दिया था लेकिन मंगलवार रात फिर बंद कर दिया गया।

नोएडा एयरपोर्ट से पहली उड़ान की तैयारी तेज

मुंबई के लिए 10 मई से बुकिंग संभव; ट्रायल भी शुरू

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानों की शुरुआत को लेकर तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। लंबे समय से जिस एयरपोर्ट का इंतजार किया जा रहा था, वह अब जल्द ही यात्रियों के लिए खुलने वाला है। शुरुआती योजना के तहत यहां से पहली उड़ान मुंबई के लिए शुरू की जा सकती है, जिससे नोएडा और देश की आर्थिक राजधानी के बीच सीधी कनेक्टिविटी स्थापित होगी। इससे न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक, इस एयरपोर्ट से पहली उड़ान के संचालन के लिए इंडिगो एयरलाइन को लॉन्च कैरियर के रूप में चुना गया है। संभावना जताई जा रही है कि 10 मई से टिकट बुकिंग की प्रक्रिया शुरू हो सकती है, जिससे यात्री पहले से अपनी यात्रा की योजना बना सकेंगे। यह कदम एयरपोर्ट संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

एयरपोर्ट पर सॉफ्ट ट्रायल भी शुरू

एयरपोर्ट प्रशासन ने 15 जून से नियमित उड़ान संचालन शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को समय पर हासिल करने के लिए एयरपोर्ट पर सॉफ्ट ट्रायल भी शुरू कर दिए गए हैं। इन ट्रायल्स के माध्यम से सभी तकनीकी और संचालन संबंधी व्यवस्थाओं की जांच की जा रही है, ताकि वास्तविक संचालन के समय किसी भी तरह की दिक्कत न आए। यात्रियों के आगमन से पहले हर सिस्टम को पूरी तरह दुरुस्त करने पर जोर दिया जा रहा है। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर तैनात स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे यात्रियों को बेहतर सेवाएं दे सकें। एयरपोर्ट से जुड़े वेंडर्स और उनके कर्मचारियों को भी एंट्री पास जारी किए जा रहे हैं, जिससे सभी व्यवस्थाएं समय रहते सुचारू रूप से संचालित हो सकें। प्रशासन का उद्देश्य है कि एयरपोर्ट के शुरू होने से पहले हर छोटी-बड़ी प्रक्रिया को परखा और सुधार लिया जाए।

इन शहरों के लिए मिलेंगी फ्लाइट

मुंबई के अलावा अन्य प्रमुख शहरों के लिए भी उड़ानें शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। इनमें बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, अहमदाबाद, गोवा, जयपुर, लखनऊ और कोलकाता जैसे शहर शामिल हैं। इसके लिए अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस जैसी एयरलाइंस भी अपनी तैयारियों में जुटी हुई हैं। अधिकारियों का मानना है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने से दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों को बड़ा फायदा मिलेगा। इससे न केवल यातायात का दबाव कम होगा, बल्कि व्यापार, निवेश और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

असम विधानसभा में नाथ योगी के इकलौते प्रतिनिधि किशोर नाथ को मंत्रित्व प्रदान करने का नाथ योगी संगठन का आह्वान।

पंकज नाथ @ असम

ताजा संपन्न असम विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी नेतृत्वाधीन गठबंधन की ऐतिहासिक जीत पर नाथ योगी समाज के प्रमुख संगठन असम प्रादेशिक योगी सम्मिलनी ने गर्मजोशी से स्वागत और बधाई व्यक्त की है। संगठन के अध्यक्ष धीरेन नाथ और महासचिव गुणजित कुमार नाथ ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि यह जीत असम के सर्वकालिक लोकप्रिय मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के दूरदर्शी और सक्षम नेतृत्व की जीत है। यह असम की खिलंजीया जाति-जनगोष्ठी के स्वधार्यों की रक्षा की जीत, असम की समृद्ध संस्कृति व परंपरा की रक्षा की जीत, असम को विदेशी बांग्लादेशी घुसपैठियों के हाथों से उद्धार करने की जीत, बेदखलकारियों के कब्जे से असम की उपजाऊ कृषि भूमि को मुक्त कराने की जीत तथा असम के अभूतपूर्व सतत विकास व प्रगति की जीत है। बयान में संगठन ने यह भी जताई कि पिछले चुनाव में भाजपा ने नाथ योगी समाज के दो सदस्यों किशोर नाथ और डॉ. मुकुट नाथ को प्रत्याशी बनाए जाने के लिए सम्मिलनी ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को धन्यवाद और कृतज्ञता प्रकट की है। उन्होंने कहा कि धिंग निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी को चुनाव में हार का सामना करना पड़ा, फिर भी असम का नाथ योगी समाज उन पर गर्व महसूस करता है। क्योंकि 90 प्रतिशत धार्मिक अल्पसंख्यक प्रमुख समुदाय में डॉ. मुकुट नाथ जैसे समर्पित नाथ योगी व्यक्ति ने सनातन सभ्यता व धर्म का परचम अदम्य साहस के साथ लहराया। दूसरी ओर, संगठन के अध्यक्ष, महासचिव सहित अन्य नेता-कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप शैकिया को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार बरखला विधानसभा क्षेत्र से 1 लाख 2 हजार से अधिक वोटों से विजयी होकर असम विधानसभा के इकलौते नाथ योगी विधायक बने भाजपा प्रत्याशी किशोर नाथ को आगामी मंत्रिपरिषद में एक कैबिनेट मंत्री के रूप में स्थान देकर समावेश करने का विनम्र अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के 78 वर्षों में इस जनगोष्ठी को एक भी मंत्री पद प्राप्त करने का सौभाग्य न प्राप्त हुआ। इसलिए इस बार किशोर नाथ को मंत्रित्व का दायित्व सौंपकर असम के विकास-कल्प में स्वयं को योगदान देने का अवसर प्रदान किया जाना चाहिए।मुख्यमंत्री महोदय की इस सहानुभूति से असम के हर एक नाथ योगी व्यक्ति के मन की आशा पूरी होगी तथा समुदाय चिरकाल तक कृतज्ञ बना रहेगा, यह बात असम प्रादेशिक योगी सम्मिलनी ने अपने बयान में स्पष्ट की है। नाथ योगी समाज असम की प्रमुख जनगोष्ठी है, जिसकी लगभग 42 लाख जनसंख्या राज्य में निवास करती है। फिर भी राजनीतिक प्रतिनिधित्व में यह हमेशा उपेक्षित रहा। संगठन का यह आह्वान भाजपा की समावेशी राजनीति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन सकता है।

कोच्चि पहुंचा नीदरलैंड्स नौसेना का युद्धपोत डी रूयटर

भारत के साथ करेगा युद्धाभ्यास

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

रॉयल नीदरलैंड्स नेवी का अत्याधुनिक युद्धपोत HNLMS डी रूयटर (De Ruyter) (F804) 4 मई 2026 को कोच्चि बंदरगाह पहुंचा।जो समुद्री सुरक्षा में भारत और नीदरलैंड्स के बीच बढ़ती मित्रता का प्रतीक है। यह जहाज De Zeven Provincin क्लास का फ्रिगेट है और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में पांच महीने की तैनाती पर है। इस मौके पर रॉयल नीदरलैंड्स नेवी के डिप्टी कमांडर मेजर जनरल (रॉयल मरीन्स) रॉब डे विट और नीदरलैंड्स की राजदूत मारिसा जेराड्र्स भी कोच्चि पहुंचे। कोच्चि बंदरगाह पर पहुंचने पर,HNLMS डी रूयटर को भारतीय नौसेना के फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट द्वारा एस्कॉर्ट किया गया और नौसेना बैंड के साथ औपचारिक स्वागत किया गया।

दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग मजबूत

यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है जब भारत और नीदरलैंड्स के बीच समुद्री सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। इस दौरान डिप्टी कमांडर ने सदर्न नेवल कमांड के चीफ ऑफ स्टाफ रियर एडमिरल प्रकाश गोपालन से मुलाकात की। दोनों पक्षों के बीच समुद्री सुरक्षा, ट्रेनिंग और सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

नौसेना प्रशिक्षण संस्थानों का दौरा

अपने दौरे के दौरान यह प्रतिनिधिमंडल कोच्चि स्थित कई नौसेना प्रशिक्षण संस्थानों का दौरा करेगा, जहां उन्हें आधुनिक सिमुलेटर और ट्रेनिंग सिस्टम्स की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड भी जाएगा, जहां भारत की जहाज निर्माण क्षमता और संभावित औद्योगिक सहयोग पर चर्चा होगी।

भारतीय नौसेना के साथ अभ्यास करेगा डी रूयटर

कोच्चि से रवाना होने के बाद डी रूयटर भारतीय नौसेना के साथ PASSEX (पासेज एक्सरसाइज) में हिस्सा लेगा, जिससे दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच तालमेल और ऑपरेशनल क्षमता और मजबूत होगी। डी रूयटर एक वायु रक्षा और कमान फ्रिगेट है। ये जहाज रॉयल नीदरलैंड्स नौसेना की सबसे उन्नत प्रणाली हैं। यह जहाज मुख्य रूप से वायु रक्षा में विशेषज्ञता रखता है। कोच्चि से रवाना होने पर HNLMS डी रूयटर के कमांडिंग ऑफिसर रॉब डे विट (Rob de Wit) ने कहा 'भारत और नीदरलैंड भले ही हजारों किलोमीटर दूर हों, लेकिन हम एक ही जलमार्ग से होकर गुजरते हैं। हिंद महासागर हमें व्यापार, सुरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने की हमारी जिम्मेदारी से जोड़ता है, जिस पर पूरी दुनिया निर्भर है। कोच्चि में हमारी उपस्थिति केवल एक शिष्टाचार भेंट नहीं है। यह एक सक्रिय साझेदारी है और हमें इसका हिस्सा होने पर गर्व है'।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में पांच महीने की तैनाती

यह जहाज वर्तमान में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में पांच महीने की तैनाती पर है और सहयोगी देशों के साथ विभिन्न समुद्री अभ्यासों में भाग लेगा। नीदरलैंड के नौसैनिक जहाज का डीसीएन के नेतृत्व में नौसैनिक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारतीय बंदरगाह का दौरा दोनों देशों के बीच मजबूत और घनिष्ठ समुद्री संबंधों की दिशा में महत्वपूर्ण है। रॉयल नीदरलैंड नौसेना के डीसीएन ने इससे पहले फरवरी 2026 में विशाखापतनम में आयोजित मिलान 26 के अंतर्गत आईओएस कॉन्क्लेव ऑफ चीफ्स कार्यक्रम में भाग लिया था।

पंजाब धमाके पर फारुक अब्दुल्ला का विवादित बयान

कहा- भारत में होते रहते हैं धमाके, कोई नई बात नहीं

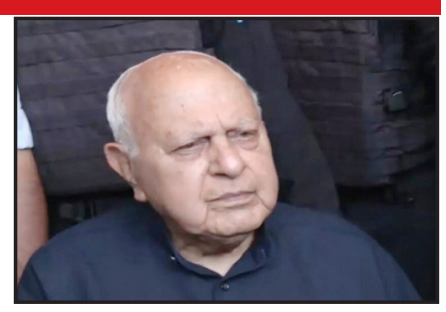

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पंजाब में हुए दोहरे धमाकों को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ। फारूक अब्दुल्ला ने विवादित बयान दिया है। बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, ₹हिंदुस्तान में धमाके होते रहते हैं, यह कोई नई बात नहीं है, घबराने की जरूरत नहीं है।₹ फारूक अब्दुल्ला ने पंजाब में हुई इन घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देश में सुरक्षा चुनौतियां समय-समय पर सामने आती रहती हैं। उनके अनुसार, यह सामान्य परिस्थिति का हिस्सा है और इससे घबराना उचित नहीं है। बता दें कि पंजाब में मंगलवार देर रात दो स्थानों पर देर रात जोरदार धमाका हुआ। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग घरों से बाहर निकल आए। अधिकारियों ने पुष्टि की कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। इस मामले की जांच के लिए एनआईए की कई विशेष टीमों को जालंधर में विस्फोट स्थल पर भेजा गया है। सूत्रों ने बताया कि टीमें विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच करेंगी, जिसके बाद मामले में और खुलासे होने की संभावना है। पंजाब पुलिस के अनुसार, स्कूटर में आग लगने के कारण विस्फोट हुआ। पुलिस विस्फोट के सटीक कारण का पता लगाने के लिए घटना की जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में शामिल स्कूटर गुरप्रीत सिंह का था, जो एक कूरियर कंपनी में काम करता है और पुलिस फिलहाल उससे पूछताछ कर रही है। इसके अलावा, उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के मौके पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि लड़ाई और युद्ध समस्याओं का समाधान नहीं लाते बल्कि केवल मुसीबत और विनाश पैदा करते हैं। फारूक अब्दुल्ला ने यूक्रेन का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां हालात कितने खराब हो गए हैं और कितनी बर्बादी हुई है। उन्होंने भारत में बढ़ती गैस की कीमतों और इससे उत्पन्न हो रही सामाजिक और आर्थिक कठिनाइयों पर भी चिंता जताई। उनका विवादित बयान राजनीतिक और सार्वजनिक दोनों ही क्षेत्रों में चर्चा का विषय बन गया है। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ 7 मई 2026 को मनाई जाएगी। यह 6-7 मई 2025 की रात को पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों के खिलाफ भारत द्वारा की गई एक सफल 'सर्जिकल स्ट्राइक' की याद दिलाता है, जिसे अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में अंजाम दिया गया था।

हिंदमाता एंकर मान ने कहा कि बीजेपी ने कहा कि बंगाल के बाद पंजाब की बारी है। ये ब्लास्ट बीजेपी के इलेक्शन की तैयारी है। बीजेपी हिंसा फैलाकर, डरा धमकाकर वोट लेती है

बंगाल के बाद अब पंजाब पर वारभगवंत मान बोले- ये ब्लास्ट BJP के इलेक्शन की तैयारी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पंजाब में हुए डबल ब्लास्ट पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बड़ा बयान दिया है। मान ने कहा कि बीजेपी ने कहा कि बंगाल के बाद पंजाब की बारी है। ये ब्लास्ट बीजेपी के इलेक्शन की तैयारी है। बीजेपी हिंसा फैलाकर, डरा धमकाकर वोट लेती है। बीजेपी जहां जाती है वहां लड़ाई कराती है। दंगे कराना लोगों को बांटना बीजेपी का काम है। पंजाब शांति वाला राज्य है, बीजेपी अपनी हरकतों से बाज आए। सीएम मान ने कहा कि सरबत का भला करने वाली गुरबाणी यहां पर सुबह शाम करोड़ों लाउडस्पीकरों से बोली जाती है। आप हमारे साथ इस तरह की हरकतें ना करें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा बनाए गए बेअदबी कानून से ये लोग बहुत परेशान है क्योंकि इन्हें पंजाब में लोगों को लड़वाना था। अगर बेअदबी होगी तो इन्हें दो समुदायों को आपस में भड़काना था, भिड़वाना था।

'पंजाब ने बहुत काली रातें और काले दिन देखे हैं'

मगर अब इस नए बेअदबी कानून से सख्त सजा हो जाएगी तो कोई इनके कहने पर बेअदबी भी नहीं करेगा इसलिए ये कानून बीजेपी के एजेंडे पर बिल्कुल उल्टा हो गया। ये बीजेपी की पंजाब की तैयारी है। छोटे-मोटे ब्लास्ट करवाकर, लोगों को डराकर क्या आप लोगों से वोट लेना चाहते हो? मैं बीजेपी वालों को कहना चाहता हूं कि पंजाब ने बहुत काली रातें और काले दिन देखे हैं। लोगों के जख्म अभी भी हरे ही हैं इसलिए इस तरह की हरकतों से बीजेपी बाज आ जाए। मान ने कहा कि ये बीजेपी के काम करने का स्टाइल है। जिस स्टेट में इलेक्शन लड़ना है, पहले वहां पर दंगे करवा दो, छोटे-मोटे धमाके करवा दो या आपस में लोगों की लड़ाई करवा दो, धर्म और जाति के नाम पर बांट दो। ये बीजेपी की पंजाब की तैयारी है।

'बाज आए BJP, पंजाबी ये सब बर्दाश्त नहीं करेंगे'

सीएम मान ने कहा कि पंजाब देश के लिए हमेशा खड़ा है। जब भी देश संकट में होता है, चाहे अनाज की बात हो, चाहे कहीं दुश्मन की गोली का संकट हो, पंजाब हमेशा अपने सीने पर संकट लेता है। मगर पंजाब में शांति बनी रहेगी, कानून-व्यवस्था बनी रहेगी, दोषियों को सख्त सजा भी होगी और बीजेपी को मैं ये कहना चाहता हूं कि हमने बहुत काले दिन देख लिए हैं। अब पंजाबी ये सब बर्दाश्त नहीं करेंगे। पंजाबी शांतिप्रिय लोग हैं, हम दुनिया का भला मांगने वाली गुरबाणी पढ़ते हैं।

बंगाल में 100 सीटों पर मैंडेट को लूटा गया- मान

वहीं, बंगाल रिजल्ट पर मान ने कहा कि ममता बनर्जी की शिकायत है कि 100 सीटों पर उनके मैंडेट को लूटा गया है। वहां पर उनके लोग एजेंट के तौर पर बैठने नहीं दिए गए। उनको मारा-पीटा गया, उनको मारपीट कर भगा दिया गया। इलेक्शन कमीशन पर बहुत सारे दोष लग रहे हैं। ऐसे में इलेक्शन कमीशन को इस पूरी स्थिति को स्पष्ट करना चाहिए। चुनाव आयोग को एक पक्ष का नहीं बनना चाहिए। इलेक्शन कमीशन सारी पार्टियों के लिए एक समान है। बहुत सारे सवाल इलेक्शन कमीशन पर उठते हैं उनको स्पष्ट करना चाहिए।

टीवीके नेता विजय ने राज्यपाल से मुलाकात की

तमिलनाडु में सरकार बनाने का दावा पेश किया

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद सी जोसेफ विजय ने बुधवार को औपचारिक रूप से राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश किया। उनकी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) 234 सदस्यों वाली विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। विजय अभूतपूर्व राजनीतिक उत्साह और अगली सरकार के गठन को लेकर गहन अटकलों के बीच राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिलने के लिए लोक भवन पहुंचे। इस दौरान विजय के साथ टीवीके के सीनियर नेता भी मौजूद रहे, जिनमें 'बुस्सी' आनंद, केए सेंगोट्टैयन, आधव अर्जुन और अरुण राज शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक, विजय ने राज्यपाल आर्लेकर को एक फॉर्मल लेटर देकर सरकार बनाने का न्योता मांगा और उन्हें भरोसा दिलाया कि पार्टी तय समय में असेंबली में अपनी मेजॉरिटी देगी। इस मीटिंग को विजय की लीडरशिप में तमिलनाडु में नई सरकार बनाने की दिशा में पहला बड़ा संवैधानिक कदम माना जा रहा है। बता दें कि टीवीके ने हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में 108 सीटें जीतकर शानदार इलेक्शन डेब्यू किया और राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बन गई। हालांकि, पार्टी अपने दम पर सरकार बनाने के लिए जरूरी 118 सीटों के आधे से भी कम रह गई। चुनाव परिणाम के बाद, विजय ने नए चुने गए विधायक और पार्टी के सीनियर नेताओं से बातचीत की।

आज ममता से मिलेंगे अखिलेश INDIA गठबंधन को एकजुट होने का देंगे संकेत

क्या होगी रणनीति?

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नतीजों के तुरंत बाद बुधवार को कोलकाता पहुंच रहे हैं। वहां वे तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात करेंगे। यह चुनाव नतीजों के बाद किसी प्रमुख विपक्षी नेता का बंगाल का पहला दौरा होगा। मंगलवार को कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए ममता बनर्जी ने खुद इस मुलाकात की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि अखिलेश ने मुझसे अनुरोध किया कि क्या वह आज ही आ सकते हैं, लेकिन मैंने उन्हें कल आने को कहा, तो, वह कल आएंगे। एक-एक करके सब आएंगे। ममता ने साफ इशारा किया कि उनका लक्ष्य INDIA गठबंधन को और मजबूत करना है। पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान अखिलेश यादव मैदान में उतरने के बजाय सोशल मीडिया के जरिए ममता बनर्जी के समर्थन में सक्रिय रहे। नतीजे आने के बाद सोमवार को अखिलेश ने सोशल मीडिया X पर कई पोस्ट किए। पहली पोस्ट में उन्होंने भाजपा की जीत को फरेब करार देते हुए शेर लिखा।हर फरेबी फतह की एक मियाद होती है, ये बात ही सच्चाई की बुनियाद होती है। दूसरी पोस्ट में अखिलेश ने 2022 के उत्तर प्रदेश चुनाव और फर्रुखाबाद लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि मतगणना में केंद्रीय बलों का दुरुपयोग किया गया। उन्होंने ममता बनर्जी का पुराना वीडियो भी शेयर किया। तीसरी पोस्ट में महिला आरक्षण पर तंज कसते हुए अखिलेश ने कहा कि जब परिणाम ही मनमर्जी से निकाले जा रहे हैं तो मुख्यमंत्री भी मनमर्जी से बन सकता है। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में पर्ची वाली टिप्पणी की। जनवरी 2025 में अखिलेश यादव अपनी पत्नी डिंपल यादव के साथ कोलकाता जा चुके हैं और तब उन्होंने ममता बनर्जी को चुनावी समर्थन देने का ऐलान किया था।

INDIA गठबंधन को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम

अखिलेश यादव और ममता बनर्जी की यह मुलाकात सिर्फ शिष्टाचार की नहीं है। राजनीतिक विश्लेषक इसे 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर INDIA गठबंधन को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मान रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र कुमार कहते कि इस बार की मुलाकात में बंगाल चुनाव नतीजों, केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग और आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा होने की संभावना है। अखिलेश यादव अच्छी तरह जानते हैं कि भाजपा के सामने अकेले मुकाबला करना कितना चुनौतीपूर्ण है। ममता बनर्जी के अकेले चुनाव लड़ने और परिणाम देखने के बाद सपा अध्यक्ष गठबंधन की अहमियत को और बेहतर तरीके से समझ चुके हैं।

अखिलेश पिछले 9 साल से सत्ता से बाहर

ऐसे में उनकी यह यात्रा कार्यकर्ताओं और समर्थकों को यह संदेश देने की कोशिश भी है कि विपक्ष एकजुट होकर भाजपा का मुकाबला कर रहा है। 2027 के चुनाव में INDIA गठबंधन की एकजुटता बनाए रखने और मजबूत करने की दिशा में यह मुलाकात महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सियासी जानकार यह भी मानते है कि ममता बनर्जी और स्टालिन से अखिलेश यादव के बेहद खरीदी रिश्ते है। अखिलेश पिछले 9 साल से सत्ता से बाहर है। ऐसे में अखिलेश की मदद ममता ने कई मौका पर की है।

ममता और स्टालिन से अखिलेश के करीबी रिश्ते

माना जाता है की अखिलेश यादव को स्टालिन और ममता से वैचारिक सपोर्ट भी मिलता रहा है। इतना ही नहीं अखिलेश यादव की मदद के लिए ममता बनर्जी कोलकाता से चलकर 7 फरवरी 2022 में लखनऊ भी आई थी। और सपा के लिए जनसभा भी की थी। अखिलेश यादव ने भी ममता बनर्जी के कहने पर उत्तर प्रदेश में एक लोकसभा की सीट टीएमसी को भी दिया था। कांग्रेस छोड़कर TMC में ललितेश त्रिपाठी भदोही से लोकसभा चुनाव लड़े। अब जब ममता सत्ता से बाहर हो गई है तो अखिलेश यादव उनसे मिलकर अपने रिश्तों को बरकरार रखने का भरोसा भी देंगे। सियासी जानकारी यह भी मानते हैं कि अखिलेश यादव भी ममता बनर्जी की तरह ही रिश्तों को निभाने वाले हैं। ऐसे समय में जब ममता को इंडिया ब्लॉक के लिए खड़ा करने की जरूरत होगी तब अखिलेश उनके साथ होंगे।

डीएम अंकल, प्लीज सड़क बनवा दीजिए

बच्ची की अपील पर बनने लगा रोड, मिलने घर पहुंचे अफसर

हिंदमाता नेटवर्क @ लखीमपुर

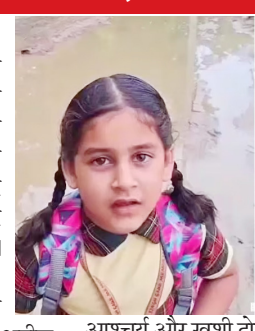

यूपी में लखीमपुर खीरी की एक छोटी-सी बच्ची की मासूम आवाज ने पूरे जिले का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। यही आवाज बदलाव की वजह भी बन गई। कहानी है कक्षा एक में पढ़ने वाली नन्ही मानवी सिंह की, जिसने अपने घर के सामने की खराब सड़क से परेशान होकर एक वीडियो बनाया, जो वायरल हो गया। वीडियो में वह बेहद मासूमियत से कहती है- डीएम अंकल, आप बहुत अच्छे हैं।।। हमारी भी सड़क बनवा दीजिए। यह एक बच्ची की अपील थी, जिसमें उसकी रोजमर्रा की परेशानी दिख रही थी। घर के बाहर पानी से भरी, ऊबड़-खाबड़ सड़क, जहां से गुजरना उसके लिए मुश्किल भरा था। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर आया, देखते ही देखते वायरल हो गया। लोग इसे शेयर करने लगे, कमेंट्स में बच्ची की मासूमियत की तारीफ होने लगी और प्रशासन तक भी यह आवाज पहुंच गई। ज्यादा वक्त नहीं लगा। वीडियो लखीमपुर खीरी के जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह तक पहुंचा और उन्होंने तुरंत एक्शन लेने का फैसला किया। कुछ ही समय बाद डीएम अंजनी कुमार सिंह खुद अधिकारियों की टीम के साथ मानवी के घर पहुंच गए। अचानक प्रशासन को अपने दरवाजे पर देखकर मानवी और उसके परिवार के चेहरे पर आश्चर्य और खुशी दोनों साफ नजर आ रहे थे। डीएम ने न सिर्फ बच्ची से मुलाकात की, बल्कि उसकी बात को गंभीरता से सुना। वे मानवी को अपने साथ उस सड़क तक भी ले गए, जहां वह रोज परेशान होती थी। वहां जाकर उन्होंने खुद हालात का जायजा लिया- पानी से भरी सड़क, दबा हुआ खड़ंजा और आसपास की अव्यवस्थित स्थिति साफ दिख रही थी। इस दौरान डीएम ने तुरंत अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क को ठीक कराया जाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही यहां की समस्या दूर कर दी जाएगी, ताकि न सिर्फ मानवी, बल्कि पूरे इलाके के लोगों को राहत मिल सके। मानवी सिंह की छोटी-सी अपील ने न सिर्फ समस्या का समाधान कराया, बल्कि पूरे इलाके के लोगों के लिए भी राहत का रास्ता खोल दिया।

■ इस दौरान डीएम ने मानवी से बातचीत की। उसकी मासूमियत और आत्मविश्वास से वे प्रभावित दिखे। उन्होंने बच्ची को बिस्किट और मिठाई दी और उसे पढ़ाई में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि यह शहर के आउटस्कर्ट का मामला है। मुझे सोशल मीडिया के माध्यम से वीडियो मिला। इसके बाद तुरंत मैं खुद मौके पर गया। उस बच्ची से मुलाकात हुई। बच्ची के घर भी गया। मैंने उस सड़क को भी देखा, जहां पर उसने असुविधा होने की बात कही थी। उस बस्ती में अभी सुविधाओं की कुछ कमी है। जिस सड़क की बात हो रही थी, वीडियो में वहां थोड़ा पानी जमा दिख रहा है। उसमें खड़ंजा था, धीरे-धीरे वह दब गया है। उसको तत्काल ठीक कराया जा रहा है। वहां के लोगों से मुलाकात हुई।

■ इसके साथ ही डीएम ने लोगों से अपील की कि जब भी वे प्लॉट खरीदें या घर बनाने का फैसला करें, तो पहले वहां की बुनियादी सुविधाओं- जैसे सड़क, नाली, बिजली और पार्क की स्थिति जरूर जांच लें। उन्होंने यह भी कहा कि बिना लेआउट पास कराए की जा रही प्लॉटिंग अवैध होती है और ऐसे इलाकों में अक्सर आधारभूत सुविधाओं की कमी रहती है। इसलिए लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

■ उन्होंने कहा कि बिना लेआउट पास कराए प्लाटिंग हो रही है। रेगुलेटेड एरिया में लेआउट पास कराना पड़ेगा और लेआउट पास कराने में उन्हें यह सब सुविधाएं देनी पड़ेंगी। कुछ ग्रीन एरिया छोड़ना पड़ेगा। ऐसे में जो भी प्लॉट लें, उसमें यह सब चीजें जरूर देखें। जो मुख्य सुविधाएं हैं, उनके लिए हम और हमारी टीम है। उस बच्ची की जो अपील है, उस पर तत्काल कार्रवाई शुरू हो गई है। तुरंत वहां सड़क और नाली की व्यवस्था करा दी जाएगी।

रेप के बाद सदमे में थी 11 साल की बच्ची, फांसी लगाकर दी जान

आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ बरेली

उत्तर प्रदेश के बरेली से बेहद दर्दनाक और संवेदनशील मामला सामने आया है। यहां 11 साल की बच्ची ने रेप के बाद सदमे में आकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने इस मामले में 26 साल के आरोपी जीशान को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है। एजेंसी के मुताबिक, ASP अंशिका वर्मा ने बताया कि यह घटना 27 अप्रैल को सामने आई, जब 8वीं कक्षा की छात्रा को उसके घर पर फांसी पर लटका हुआ पाया गया। शुरुआत में परिवार ने इसे आत्महत्या का मामला बताया और पुलिस कार्रवाई से दूरी बनाए रखी। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद जांच की दिशा बदल गई। रिपोर्ट में बच्ची के शरीर पर यौन उत्पीड़न के संकेत मिले। शरीर पर कई चोटों के निशान थे, जिनमें काटने और नाखून से खरोंच के निशान भी थे। रिपोर्ट में मौत का कारण फांसी बताया गया, लेकिन इससे पहले हुई घटना ने मामले को गंभीर बना दिया। इस मामले का खुलासा पीड़िता की छोटी बहन के बयान से हुआ। उसने पुलिस को बताया कि आरोपी जीशान अक्सर स्कूल के आसपास मंडराता था। बच्ची को पैसे देकर उससे बातचीत छिपाने को कहता था। पुलिस जांच में सामने आया कि घटना वाले दिन आरोपी ने बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने पास बुलाया और उसके साथ रेप किया। इस घटना से बच्ची इतनी आहत हो गई कि उसने घर लौटकर जान दे दी। उस समय उसकी मां घर पर मौजूद नहीं थीं। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और परिवार के बयानों के आधार पर आरोपी की पहचान की। इसके बाद उसे मीरगंज के साप्ताहिक बाजार के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

'किसी दलित का घर तोड़ा तो..' सहारनपुर में बुलडोजर एक्शन पर चंद्रशेखर आजाद का अल्टीमेटम

हिंदमाता नेटवर्क @ सहारनपुर

यूपी के सहारनपुर में ITC रोड पर सड़क चौड़ीकरण को लेकर हुई बुलडोजर कार्रवाई अब सियासी मुद्दा बनती जा रही है। इसी कड़ी में नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद 5 मई को जिला पहुंचे और प्रभावित इलाकों का दौरा किया। बताया जा रहा है कि हसनपुर चौक से लेकर सर्किट हाउस तक स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत कई मकानों पर बुलडोजर चलाया गया था, जिससे खासतौर पर दलित परिवारों में नाराजगी देखी जा रही है। सांसद ने मौके पर पहुंचकर लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। अपने दौरे के दौरान सांसद चंद्रशेखर आजाद ने साफ शब्दों में कहा कि दलितों और गरीबों के घरों पर अन्यायपूर्ण तरीके से बुलडोजर नहीं चलने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर किसी निर्दोष परिवार के घर को नुकसान पहुंचाया गया तो इसका विरोध सड़क से लेकर सदन तक किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी लड़ाई को मजबूती से उठाया जाएगा और किसी भी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, सांसद ने मौके पर मौजूद ठेकेदार से फोन पर बात कर सख्त नाराजगी जताई और उसे मौके पर बुलाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर कार्रवाई नियमों के तहत है तो कोई दिक्कत नहीं, लेकिन अगर गलत तरीके से किसी का घर तोड़ा गया तो वह खुद सामने आकर इसका विरोध करेंगे।

जॉनी-जॉनी यस पापा' जैसी कविताएं झूठ बोलना सिखाती हैं

बोले यूपी के शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय

हिंदमाता नेटवर्क @ कानपुर

उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री और प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने 6 मई को कानपुर के मर्चेंट चैंबर हॉल में आयोजित शिक्षामित्रों के मानदेय वृद्धि समारोह के दौरान शिक्षा और संस्कारों पर अपनी बात रखी। उन्होंने 'जॉनी जॉनी यस पापा' जैसी प्रसिद्ध अंग्रेजी राइम्स की आलोचना करते हुए कहा कि ये बच्चों को झूठ बोलने के लिए प्रेरित करती हैं। मंत्री ने हिंदी कविताओं का उदाहरण देते हुए शिक्षकों से पाठ्यक्रम के साथ-साथ संस्कार देने वाली व्यवस्था बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर उन्होंने 12 शिक्षामित्रों को मानदेय वृद्धि के डेमो चेक प्रदान कर सम्मानित भी किया।

पाश्चात्य कविताओं से बिगड़ रहे संस्कार

मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि जब शिक्षक गुरु की भूमिका में आता है, तभी वह शिक्षा के साथ संस्कार दे पाता है। उन्होंने तर्क दिया कि 'ईटिंग शुगर, नो पापा' जैसी पंक्तियां बचपन से ही बच्चों के मन में झूठ बोलने का बीज बोती हैं। उनके अनुसार, पाश्चात्य संस्कृति वाली ये अंग्रेजी कविताएं वह संस्कार नहीं देतीं जिनकी आज की पीढ़ी को जरूरत है। उन्होंने उन हिंदी कविताओं को याद किया जिन्हें पढ़कर पुरानी पीढ़ियां बड़ी हुईं और जिनमें जीवन के गहरे मूल्य समाहित थे।

शिक्षामित्रों के मानदेय में भारी बढ़ोतरी

शिक्षा मंत्री ने शिक्षामित्रों को शिक्षा व्यवस्था की मजबूत कड़ी बताया। उन्होंने घोषणा की कि सरकार ने शिक्षामित्रों का मानदेय 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये कर दिया है। इस वृद्धि से विशेषकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षामित्रों के जीवन स्तर में बड़ा सुधार आएगा।

शिक्षक से 'गुरु' बनने का दिया मंत्र

मर्चेंट चैंबर हॉल में शिक्षामित्रों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल किताबी पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं होनी चाहिए। गुरु वह है जो छोटी-छोटी बातों से बच्चों को जीवन का सही रास्ता दिखाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिस दिन शिक्षक पढ़ाई के अतिरिक्त संस्कार की बातें करने लगेंगे, वे गुरु बन जाएंगे। तभी आने वाली नस्लों का सही निर्माण संभव हो सकेगा। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट भी दिखाया गया।

नाली के विवाद में LLB छात्र की गोली मारकर हत्या

पुलिस ने किया मुख्य आरोपी टिल्लू का एनकाउंटर

हिंदमाता नेटवर्क @ सूरजपुर

सूरजपुर थाना क्षेत्र के साकीपुर गांव में 25 वर्षीय साजन भाटी की उनके पड़ोसियों ने पुरानी रंजिश के चलते हत्या कर दी। 6 मई की रात करीब 12:30 बजे साजन जब दोस्त की शादी से लौट रहा था, तभी आरोपी मंगेश उर्फ टिल्लू ने साथियों के साथ मिलकर उसे गोली मार दी। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने साजन को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सुबह मोजरबेयर गोल चक्कर के पास मुठभेड़ के बाद मुख्य आरोपी टिल्लू को गिरफ्तार किया, जिसके पैरों में गोली लगी है।

नाली के कूड़े ने ली छात्र की जान

पुलिस जांच में सामने आया कि इस पूरी हत्या की जड़ नाली के कचरे को जलाने को लेकर हुआ एक मामूली विवाद था। मृतक साजन और आरोपी टिल्लू के घर बराबर में हैं। एक-दो दिन पहले नाली साफ करने और कचरा जलाने पर दोनों पक्षों में तीखी बहस हुई थी। इसी रंजिश को पालते हुए टिल्लू ने साजन को रास्ते में घेरकर वारदात को अंजाम दिया। साजन एलएलबी की पढ़ाई कर रहा था और परिवार की बड़ी उम्मीद था।

घेराबंदी के दौरान पुलिस पर फायरिंग

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शैलेंद्र सिंह ने बताया कि हत्या के बाद पुलिस टीमें लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी थीं। सुबह चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध आई-20 कार को रोकने का इशारा किया गया, तो आरोपी जंगल की ओर भागने लगा। पुलिस को जान से मारने की नियत से बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी फायरिंग में मुख्य आरोपी टिल्लू के दोनों पैरों में गोली लगी, जबकि उसका एक साथी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया।

पिस्तौल और आई-20 कार बरामद

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने आरोपी के पास से एक .32 बोर की अवैध पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई आई-20 कार बरामद की है। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। फिलहाल फरार दूसरे आरोपी की तलाश में पुलिस की कॉम्बिंग जारी है। साजन की मौत से साकीपुर गांव में मातम और तनाव का माहौल है, जिसे देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया

शॉर्ट स्टोरी

बिहार कैबिनेट में 16 मंत्री पद चाहती है जदयू, क्या मानेगी BJP?

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार की सियासत में कैबिनेट विस्तार से पहले हलचल तेज हो गई है। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने साफ कहा है कि पार्टी नई सरकार में 16 मंत्री पद चाहती है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब एक दिन बाद राज्य मंत्रिमंडल के बड़े विस्तार की तैयारी है। लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल है कि क्या भाजपा इस मांग को मानती है या नहीं। सूत्रों के मुताबिक मंत्रिमंडल में ज्यादातर चेहरे पुराने रहेंगे। बिहार में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में सरकार का गठन पिछले महीने हुआ था, जब नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यसभा का रुख किया। उनके बाद सम्राट चौधरी राज्य के मुख्यमंत्री बने, जो बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री हैं। फिलहाल कैबिनेट में जदयू के केवल दो वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद शामिल हैं, जिन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। ऐसे में पार्टी अब मंत्रिमंडल विस्तार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के मूड में है। पत्रकारों से बातचीत में उमेश कुशवाहा ने कहा, 'हमने स्पष्ट कर दिया है कि हमें 16 मंत्री पद चाहिए।' बिहार विधानसभा की कुल 243 सीटों के हिसाब से संविधान के प्रावधानों के तहत मंत्रिमंडल में अधिकतम 30 मंत्री हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, गुरुवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई बड़े नेताओं के शामिल होने की संभावना है। एनडीए गठबंधन में जदयू और भाजपा के अलावा चिराग पासवान की एलजेपी (रामविलास), जीतन राम मांझी की हम पार्टी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी भी शामिल है। पिछली सरकार में इन सहयोगी दलों को प्रतिनिधित्व मिला था और अब नई कैबिनेट में भी उनकी हिस्सेदारी को लेकर चर्चा जारी है। इस बीच, नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को मंत्री बनाए जाने के सवाल पर भी कुशवाहा ने प्रतिक्रिया दी।

जहां कल सम्राट के मंत्रियों को लेनी है शपथ वहां पानी-पानी, कीचड़-कीचड़

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार की राजधानी पटना में मूसलाधार बारिश हो रही है। इस बारिश के कारण पटना का गांधी मैदान कीचड़-कीचड़ हो गया है। यहां पर सीएम सम्राट चौधरी के कैबिनेट मंत्री शपथ लेने वाले हैं। इसे लेकर गांधी मैदान में जोर-शोर से तैयारी चल रही थी, लेकिन बुधवार को हुई बारिश में सारी तैयारी धुली नजर आ रही है। बता दें कि, पटना के गांधी मैदान में 'सम्राट सेना' के शपथ ग्रहण की तैयारी कर ली गई थी, जिसके लिए बीजेपी और जेडीयू के बीच मंत्रिमंडल के लिए 50-50 का फॉर्मूला बना। ऐसे में सवाल यह है कि बीजेपी और जेडीयू से कौन-कौन नेता मंत्री बन रहे हैं और किसकी कैबिनेट से छुट्टी हो रही है? बता दें कि सम्राट चौधरी की सरकार बनने के 22 दिन बाद 7 मई को राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में भव्य कैबिनेट विस्तार समारोह आयोजित होने वाला है। इसे लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। वीवीआईपी के कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कए जा रहे हैं। सामने आया है कि समारोह में नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष नतिनि नवीन, पूर्व सीएम नीतीश कुमार और भाजपा के कई वरिष्ठ नेता शामिल होने वाले हैं। इसके साथ ही विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री भी इस बड़े आयोजन के गवाह बनने वाले हैं।वीवीआईपी मौजूदगी को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और इसके अलावा गांधी मैदान में भी भव्य सजावट की जा रही थी।

रात में सोने गया, सुबह बिस्तर से गायब, अब कुएं में मिली अधजली लाश

हिंदमाता नेटवर्क @ शामली

शामली के झिंझाना थाना क्षेत्र स्थित लक्ष्मीपुरा गांव में मंगलवार सुबह एक 18 वर्षीय युवक गोविंद का जला हुआ शव जंगल के कुएं से बरामद हुआ। मृतक गोविंद सरकारी शिक्षक सुखबीर सिंह का बेटा था और आईटीआई की पढ़ाई कर रहा था। वह सोमवार रात करीब 11 बजे घर से पास ही स्थित घेर में पढ़ने और सोने गया था, जहां से वह संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया। मंगलवार सुबह 9:30 बजे एक राहगीर ने कुएं में जला हुआ शव देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी हैं। परिजनों के मुताबिक, गोविंद रोजाना की तरह सोमवार रात को घेर में सोने के लिए गया था। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे जब परिवार के लोग वहां पहुंचे, तो गोविंद अपने बिस्तर से गायब था। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लगा। कुछ घंटों बाद गांव के ही जंगल में एक कुएं के भीतर उसकी जली हुई लाश मिलने से कोहराम मच गया। छात्र की इस तरह नृशंस हत्या से ग्रामीणों में भारी रोष और दहशत का माहौल है। शामली के एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि छात्र का जला हुआ शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस की टीमें मामले की बारीकी से जांच कर रही हैं। एसपी ने आश्वासन दिया है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत के सही कारणों का पता लगाया जाएगा और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल पुलिस गांव और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि हत्या की कड़ी जोड़ी जा सके।

हिंदमाता एंकरः यह केवल तकनीकी सुधार का मामला नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का एक नया तरीका था, जिसके जरिए जनता पर आर्थिक बोझ डाला गया

'बिजली बिल लौटाओ, वरना', स्मार्ट मीटर पर अखिलेश यादव का सरकार को अल्टीमेटम

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में प्रीपेड बिजली मीटर को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने इस मुद्दे को जनता बनाम सरकार की लड़ाई बताते हुए कहा कि व्यापक विरोध और जनदबाव के चलते सरकार को पीछे हटना पड़ा है, जिसे उन्होंने जनशक्ति की बड़ी जीत करार दिया।

अधिक बिल की वसूली की गई

अखिलेश यादव ने अपने बयान में आरोप लगाया कि प्रीपेड मीटर व्यवस्था के नाम पर आम लोगों से अधिक बिजली बिल वसूले गए हैं। उनका कहना है कि यह केवल तकनीकी सुधार का मामला नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का एक नया तरीका था, जिसके जरिए जनता पर आर्थिक बोझ डाला गया। उन्होंने मांग की कि जिन उपभोक्ताओं से ज्यादा राशि ली गई है, उसका तार्किक समायोजन आगामी बिजली बिलों में किया जाए। उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) जैसी तकनीक का इस्तेमाल वोटर लिस्ट से नाम हटाने के लिए किया जा सकता है तो फिर बिजली बिलों में पारदर्शी समायोजन क्यों नहीं किया जा सकता। उनके इस बयान को चुनावी रणनीति और तकनीक के इस्तेमाल पर सीधा सवाल माना जा रहा है।

जनता की गाढ़ी कमाई वापस करे सरकार

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर अत्याचार और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की जागरूक जनता अब इसे और बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि बिजली बिलों के जरिए जो पैसा वसूला गया है, वह जनता की गाढ़ी कमाई है और इसे वापस करना ही पड़ेगा।

सदन से सड़क तक लड़ाई लड़ेगी सपा

अखिलेश यादव ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस मुद्दे पर संतोषजनक कदम नहीं उठाए तो समाजवादी पार्टी और आम जनता मिलकर एक नया बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। उन्होंने इसे जनहित का मुद्दा बताते हुए कहा कि सपा सड़क से लेकर सदन तक इस लड़ाई को जारी रखेगी।

स्मार्ट मीटर को लेकर कई जिलों में प्रदर्शन

वहीं वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र श्रीवास्तव कहते हैं कि प्रीपेड बिजली मीटर का मुद्दा आगामी चुनावों में एक बड़ा जनसरोकार बन सकता है। इससे पहले भी बिजली दरों, स्मार्ट मीटर और बिलिंग सिस्टम को लेकर प्रदेश के कई हिस्सों में विरोध देखने को मिला है। फिरोजाबाद में तो महिलाओं ने स्मार्ट मीटर का जुलूस तक निकाला था। आगरा में लोगों ने विद्युत केंद्र पर स्मार्ट मीटर ले जाकर फेंक दिया था।

बंगाल जीत पर राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी को दी बधाई

नतीजों को ऐतिहासिक और निर्णायक बताया

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी की बंगाल पर प्रटंड जीत अमेरिका तक गूंज रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। व्हाइट हाउस ने इस जीत को ऐतिहासिक और निर्णायक बताया है, जहां भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने यह भी बताया कि पिछले ही महीने फोन पर हुई बातचीत के दौरान, राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की थी और कहा था कि भारत कितना भाग्यशाली है कि उसे मोदी जैसा नेता मिला है। पश्चिम बंगाल में BJP की जीत के साथ ही, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस का राज्य की सत्ता पर 15 सालों से चला आ रहा वर्चस्व खत्म हो गया है। BJP ने 294 सदस्यों वाली पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 207 सीटें जीतकर इतिहास रचा है, जो इस राज्य में उसकी अब तक की पहली जीत है। मौजूदा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस राज्य में सिमटकर 80 सीटों पर रह गई है।

ममता ने लगाए चुनाव परिणामों पर आरोप

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल चुनाव परिणामों पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसमें 100 सीटों पर वोटों की लूट और EVM से छेड़छाड़ मुख्य है। उन्होंने चुनाव आयोग पर पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण रवैये का आरोप लगाते हुए इसे "प्रजातंत्र की हत्या" बताया। ममता ने कहा कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा से नहीं, बल्कि चुनाव आयोग से भी थी। उन्होंने भविष्य की रणनीति के लिए एक फाइंडिंग कमेटी बनाने की घोषणा की।

बंगाल में हुआ बड़ा बदलाव

इस नतीजे से एक बड़ा राजनीतिक बदलाव आया है, जिससे ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के एक दशक से ज़्यादा के शासन का अंत हो गया है। मुख्य मुकाबलों में BJP नेता सुवेंदु अधिकारी सबसे आगे रहे, उन्होंने भवानीपुर और नंदीग्राम, दोनों सीटें जीतीं। भवानीपुर में वोटों की गिनती के आखिरी दौर के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 15105 वोटों से हराया। इस चुनाव में वोटरों की भागीदारी भी बहुत ज़्यादा रही। पहले चरण में 92.8 फीसद और दूसरे चरण में 91.47 फीसद वोट डाले गए, जो आज़ादी के बाद से पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा है।

नेपाल की सड़क यात्रा हुई आसान, भारतीय वाहनों के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू

अब बॉर्डर पर नहीं लगेगी कतार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

नेपाल सरकार ने भारत से सड़क मार्ग के जरिए नेपाल आने वाले भारतीय पर्यटक वाहनों के लिए एक नया और आधुनिक प्रावधान लागू किया है। अब पर्यटकों को सीमा पर घंटों इंतजार करके वाहन पास लेने की जरूरत नहीं होगी। इस सुविधा के तहत भारतीय वाहन मालिक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराकर नेपाल में एंट्री कर सकते हैं और वाहन परमिट घर बैठे रिन्यू भी कर सकते हैं। नेपाल सरकार का कहना है कि ये कदम सीमा चौकियों पर लगने वाली लंबी लाइनों और ट्रैफिक जाम को खत्म करने के उद्देश्य से उठाया गया है। नेपाल के वित्त मंत्री डॉ। स्वर्णिम वाग्ले ने बुधवार को एक कार्यक्रम में इस नई ऑनलाइन सेवा का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सरकार सुशासन और तेज सार्वजनिक सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे पर्यटकों की यात्रा सरल और सुखद हो सके। कस्टम विभाग द्वारा विकसित इस सिस्टम से अब पर्यटकों को नेपाल की सीमा पर फिजिकल रूप से लंबी कतारों में खड़े होने और घंटों इंतजार करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बॉर्डर पर जाम से मिलेगी मुक्ति

पहले भारतीय पर्यटकों को अपने वाहनों के लिए अस्थायी अनुमति लेने हेतु कस्टम नाके पर घंटों कतार में खड़ा होना पड़ता था। इससे न केवल यात्रियों को परेशानी होती थी, बल्कि सीमा क्षेत्रों में भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति भी बनी रहती थी। अब इस नई प्रणाली के लागू होने से पर्यटक घर बैठे ही सारी औपचारिकताएं पूरी कर सकते हैं।

घर बैठे रिन्यू कर सकते हैं परमिट

यदि नेपाल यात्रा के दौरान आपकी तय समय सीमा समाप्त हो जाती है तो अब आपको दोबारा कस्टम ऑफिस के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। नई ऑनलाइन सेवा के माध्यम से पर्यटक नेपाल के अंदर से ही अपने वाहन पास को रिन्यू कर सकते हैं और ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। इससे उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी जो अपनी यात्रा को बीच में विस्तार देना चाहते हैं। कस्टम विभाग के महानिदेशक श्याम प्रसाद भण्डारी ने बताया कि ये पूरी प्रक्रिया अब डिजिटल, पारदर्शी और प्रभावी हो गई है।

ऐसे कर सकते हैं रजिस्ट्रेशन

इस डिजिटल सेवा का लाभ उठाने के लिए पर्यटकों को कस्टम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट (https://nnsw.gov.np/tiv/gen) पर जाना होगा। वहां 'हमारी सेवाएं' सेक्शन के अंदर 'टीआईवी' (अस्थायी वाहन आयात) का विकल्प चुनकर आवश्यक जानकारी भरनी होगी। सभी विवरण भरने के बाद एक क्यूआर कोड प्राप्त होगा। पर्यटक टैक्स का भुगतान ऑनलाइन या बैंक काउंटर के जरिए कर सकते हैं। नेपाल में एंट्री करते वक्त और यात्रा के दौरान सुरक्षा जांच में इसी क्यूआर कोड को दिखाना अनिवार्य होगा।

ममता की हार से हैरान और सुवेंदु की जीत से खुश है बांग्लादेश

नई सरकार से जताई ये उम्मीदें

हिंदमाता नेटवर्क @ ढाका

बांग्लादेश की बीएनपी पार्टी के नेता और सूचना सचीव अजीजुल बारी हेलाल ने बंगाल के चुनावी नतीजों पर हैरानी जताई है। उन्होंने कहा कि मैं हैरान हूं कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी इतने सालों तक सत्ता में रहने के बाद चुनाव हार गई। वहीं, उन्होंने सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बीजेपी की जीत पर खुशी जताई है और उन्हें बधाई दी है। उन्होंने कहा कि सुवेंदु के आने से दोनों देशों के रिश्तों में और मजबूती आएगी। हेलाल ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि सुवेंदु अधिकारी के आने से पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश की सरकारों के बीच रिश्ते और मजबूत होंगे। उन्होंने ये भी कहा कि पहले ममता बनर्जी तीस्ता जल समझौते में रुकावट डाल रही थीं। अब सुवेंदु अधिकारी के आने से इस समझौते का रास्ता साफ हो जाएगा, जिसकी बांग्लादेश और भारत सरकार को काफी समय से जरूरत थी। उन्होंने कहा कि भले ही उनकी पार्टी और बीजेपी की विचारधारा अलग हो, लेकिन भारत-बांग्लादेश के बीच शांति और तीस्ता मुद्दे पर वे एक जैसा सोचते हैं।

बंगाल में बीजेपी का 'दोहरा शतक'

पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। यहां पहली बार बीजेपी की सरकार बनाने जा रही है। 9 मई को नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा। बीजेपी ने बंगाल में 207 सीटों पर जीत दर्ज की है जबकि टीएमसी केवल 80 सीटों पर ही सिमट गई। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपनी सीट भी नहीं बचा पाईं। भवानीपुर में उन्हें करारी शिकस्त मिली। सुवेंदु ने उन्हें 15114 वोटों से हराया।

क्या है तीस्ता जल समझौता, जिससे BAN को उम्मीद

बांग्लादेशी नेता ने कहा कि अब सुवेंदु अधिकारी के आने से तीस्ता जल समझौते का रास्ता साफ हो जाएगा। ममता इसे रोक रही थीं। दरअसल, तीस्ता जल समझौता भारत और बांग्लादेश के बीच एक ऐसा समझौता है, जिसका उद्देश्य तीस्ता नदी के पानी का उचित बंटवारा करना है। दोनों देशों के बीच यह मुद्दा दशकों से चर्चा का विषय बना हुआ है। यह नदी भारत के सिक्किम राज्य के हिमालय क्षेत्र से निकलती है। सिक्किम के बाद यह पश्चिम बंगाल से होकर बहती है और अंत में बांग्लादेश में प्रवेश करती है, जहां यह ब्रह्मपुत्र नदी में मिल जाती है।

तेजी से फैल रहा हंतावायरस, जद में 23 देश भारत को डरने की जरूरत है?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

डच क्रूज पर 3 लोगों की मौत के बाद हंतावायरस की पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है। 23 देशों के लोगों पर इस वायरस का खतरा मंडरा रहा है। दरअसल, यह दावा किया जा रहा है कि जिस क्रूज से यह वायरल फैला है, उसमें कम से कम 23 देशों के 149 लोग शामिल हैं। इसके अलावा वो क्रूज ब्राजील, अंगोल, स्पेन जैसे देशों के तटों पर रुक चुका है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस वायरस का खतरा भारत को भी है?

भारत को इस वायरस से डरने की जरूरत है?

इस वायरस की तुलना कोरोना वायरस से भी हो रही है। कहा जा रहा है कि दक्षिण अमेरिका में यह कोरोना की तरह पांव पसार सकता है। हालांकि, भारत के लिए यह वायरस फिलहाल कोई खतरा नहीं है। इसके 2 कारण हैं।

1. विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि इस वायरस से आम लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। उनके लिए यह कोई बड़ा खतरा नहीं है। एशिया में यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता है।

2. जिस क्रूज के कारण इस वायरस की चर्चा है। वो भारत से काफी दूर के रास्ते से होकर गुजरा था। भारत से क्रूज का कोई संपर्क नहीं हुआ। जो 23 देश इसकी जद में है, वो भी भारत से दूर है।

पहले हंतावायरस के बारे में जानिए

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक हंतावायरस कृदंतो से फैलता है। यह वायरसों का एक समूह है, जो आम इंसान के लिए काफी खतरनाक माना जाता है। यह वायरस हैन्टाविरिडे परिवार से संबंधित हैं। हंतावायरस सीधे तौर पर इंसान के फेफड़े और हृदय को डैमेज करता है। दक्षिण अमेरिका में इस प्रजाति का एंडीज वायरल काफी ज्यादा कोहराम मचा रहा है। WHO का कहना है कि वहां पर एंडीज वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक फैल रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक हंतावायरस से हर साल 10,000 से लेकर 100,000 से तक लोग संक्रमित होते हैं। वायरस की चपेट में आने के एक से आठ सप्ताह बाद संक्रमित व्यक्ति में इसके लक्षण देखने को मिलते हैं। इनमें आमतौर पर बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और पेट संबंधी लक्षण जैसे पेट दर्द, मतली या उल्टी शामिल हैं।

यूएई पर लगातार दूसरे दिन ताबड़तोड़ ड्रोन और मिसाइल अटैक

हिंदमाता नेटवर्क @ तेल अवीव

पश्चिम एशिया में संघर्ष विराम के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर फिर से हमले हो रहे हैं। यूएई का कहना है कि ईरान ने उस पर हमला किया है और उसने अपना एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिया है। यूएई का मिसाइल डिफेंस सिस्टम ईरानी मिसाइलों और ड्रोन हमले का जवाब दे रहे हैं। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार रात X पर इस हमले की जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि जो आवाजें आ रही हैं वे वे बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज़ मिसाइलों और ड्रोनों को इंटरसेप्ट करने से जुड़ी हैं। यूएई ने इससे पहले कहा था कि सोमवार को उस पर ईरान की ओर से हमला किया गया था। ये हमला तब हुआ जब अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने की दिशा में कदम बढ़ा रहा था। मंगलवार का हमला ईरान की ओर से यूएई पर लगातार दूसरे दिन किया गया अटैक है। सोमवार को ईरान ने यूएई पर ताबड़तोड़ हमले किए थे। यूएई ने कहा कि उसने सोमवार को ईरान से दागी गई 15 मिसाइलों और चार ड्रोनों को रोक दिया। 8 अप्रैल को US-ईरान के बीच हुए सीजफायर के बाद यह पहली बार था जब उसे निशाना बनाया गया। एक ड्रोन हमले से फ़ुजैराह ऑयल इंडस्ट्री जोन में बड़ी आग लग गई और तीन भारतीय नागरिक घायल हो गए। यूएई के अधिकारियों के अनुसार ईरान ने अबू धाबी की सरकारी तेल कंपनी के एक खाली कच्चे तेल के टैंकर पर भी हमला किया जब वह होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुज़रने की कोशिश कर रहा था।

तेल के बाद अब पानी बना हथियार, प्यासे रह जाएंगे यूएई-सऊदी जैसे देश भारतीयों पर भी असर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच Strait of Hormuz का संकट अब सिर्फ तेल तक सीमित नहीं रहा। इस बार हालात वॉटर वॉर की ओर बढ़ रहे हैं, जहां पानी सबसे बड़ा हथियार बन सकता है। 5 मई को फुजैराह में हुए ड्रोन और मिसाइल हमलों ने हालात को और भी गंभीर बना दिया। इस हमले में तेल टर्मिनल के साथ-साथ पास के डिसेलिनेशन प्लांट भी प्रभावित हुए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक ड्रोन हमले में प्लांट की बिजली सप्लाई लाइन को नुकसान पहुंचा, जिससे करीब 24 घंटे तक उत्पादन 30% तक घट गया। जो बड़ा संकट खड़ा कर सकता है।

डिसेलिनेशन से साफ होता है पानी

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) अपनी जरूरत का 90% से ज्यादा पीने का पानी समुद्री जल को साफ करके यानी डिसेलिनेशन के जरिए बनाता है। ये प्लांट्स काफी हद तक होर्मुज के रास्ते आने वाले केमिकल्स और स्पेयर पाट्र्स पर निर्भर हैं। मौजूदा टकराव के कारण सप्लाई चेन पहले ही प्रभावित हो चुकी है।

खाड़ी देशों में बढ़ सकता है जल संकट

अगर यह संकट 15 दिन से ज्यादा चला, तो यूएई, सऊदी अरब, कतर और ओमान में पानी की भारी कमी हो सकती है। होर्मुज सिर्फ तेल की सप्लाई नहीं, बल्कि पूरे गल्फ क्षेत्र की जल जीवन रेखा भी है। इधर हालात को देखते हुए कतर ने अपने डिसेलिनेशन प्लांट्स की सुरक्षा बढ़ा दी है। वहीं सऊदी अरब रेड सी (लाल सागर) के रास्ते जरूरी केमिकल्स मंगाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन इसकी लागत काफी ज्यादा है।

पानी की कीमतों में इजाफा

फुजैराह में हुए हमलों की वजह से संयुक्त अरब अमीरात में पानी की कीमतें आसमान पर पहुंच गई है। दुबई और अबू धाबी के कई इलाकों में बोतलबंद पानी की कीमत 48 घंटे में करीब 40% तक बढ़ गई है। वहीं बड़े होटल और रिहायशी कॉम्प्लेक्स ने पानी के इस्तेमाल पर सीमाएं लगा दी हैं। इधर इस हमले में 3 भारतीय नागरिक घायल हुए, जिनमें दो डिसेलिनेशन प्लांट के टेक्नीशियन बताए जा रहे हैं।

हिंदमाता एंकर इस आयोजन का मकसद भारत की यूनिवर्सिटीज द्वारा किए गए इनोवेशन को लैब से बाजार तक और भारत से दुनिया तक पहुंचाना है

शिक्षा मंत्रालय का पेरिस में 'भारत इनोवेट्स 2026' से पहले रोड शो, इंडियन स्टार्टअप्स को दुनिया से जोड़ना मकसद

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ग्लोबल इंवेस्टर्स तक अपनी पहुंच बनाने की पहल के तहत शिक्षा मंत्रालय ने पेरिस में 'भारत इनोवेट्स 2026' का एक प्री-इवेंट रोड शो आयोजित किया, जिसमें इंटरनेशनल इनोवेशन पार्टनरशिप को मजबूत करने के लिए दुनिया भर के निवेशक, कॉर्पोरेट, यूनिवर्सिटीज और रिसर्च इंस्टीट्यूट एक साथ आए। रोड शो में भारत के तेजी से बढ़ते डीप-टेक और हायर एजूकेशन इनोवेशन इकोसिस्टम को दिखाया गया, जिसका मुख्य मकसद इंडियन स्टार्टअप्स को दुनिया भर के इंवेस्टर्स और सहयोगियों से जोड़ना था। रोड शो के दौरान सेमीकंडक्टर, एडवांस्ड कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी, स्पेस और इंडस्ट्री 4.0 जैसे नए क्षेत्रों में मौजूद अवसरों पर भी रोशनी डाली गई। 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम का आयोजन अगले महीने (1416 जून) फ्रांस के नीस शहर में किया जाएगा। इस आयोजन का मकसद भारत की यूनिवर्सिटीज द्वारा किए गए इनोवेशन को लैब से बाजार तक और भारत से दुनिया तक पहुंचाना है।

मुख्य कार्यक्रम से पहले दिग्गज खिलाड़ी शामिल

'भारत इनोवेट्स 2026' के मुख्य कार्यक्रम से पहले आयोजित इस पेरिस रोड शो में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, पेरिस स्थित भारतीय दूतावास, भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) और अलग-अलग हितधारकों के 50 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। फ्रांस के बिजनेस और इनोवेशन इकोसिस्टम के दिग्गज प्रतिभागियों में प्रतिनिधि जैसे 'ला फ्रेंच टेक', 'विवाटेक' और फ्रांस के प्रमुख शैक्षणिक संस्थान शामिल हुए। मुख्य आयोजन से पहले आयोजित कार्यक्रम में ESCP बिजनेस स्कूल, ESSEC (फ्रांस), INRIA, cole Normale Suprieure, Agence Franaise de Dveloppement जैसे संगठनों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ-साथ इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स और अन्य वेंचर, एडवाइजरी, लीगल, इंडस्ट्री और स्टार्ट-अप नेटवर्कों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

'भारत इनोवेट्स' का फोकस 13 प्रौद्योगिकी क्षेत्रों पर

कार्यक्रम सभा को संबोधित करते हुए, शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव के। एम। प्रफुल्लचंद्र शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने में 'भारत इनोवेट्स 2026' के महत्व पर प्रकाश डाला। खासतौर से भारत और फ्रांस स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप के संदर्भ में। शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव गोविंद जायसवाल ने 'भारत इनोवेट्स 2026' पर एक प्रस्तुति दी, साथ ही फ्रेंच तथा ग्लोबल इन्वेस्टर्स के लिए भारत के तेजी से आगे बढ़ते इनोवेशन इकोसिस्टम के साथ जुड़ने के अवसरों को रेखांकित किया। रोड शो के दौरान, यह भी बताया गया कि 'भारत इनोवेट्स' का मुख्य फोकस 13 अग्रणी प्रौद्योगिकी क्षेत्रों पर है, इनमें एडवांस्ड कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर्स, नेक्स्ट जेन कम्युनिकेशन, एडवांस्ड मैटेरियल्स एंड क्रिटिकल मिनरल्स, बॉयो टेक्नोलॉजी, स्पेस एंड डिफेंस, मैन्यूफैक्चरिंग एंड इंडस्ट्री 4.0 आदि शामिल हैं।

फरवरी में पीएम मोदी ने किया ऐलान

भारत इनोवेट्स 2026 का इन्वेस्टर फोकस्ड ढांचा भी पेश किया गया, जिसमें यह बताया गया कि इस सम्मेलन से ग्लोबल इनवेस्टर्स के लिए खास तौर पर तैयार किए गए वन-टू-वन मैचमेकिंग सेशंस, क्षेत्र-विशेष चर्चाओं और स्टार्टअप प्रदर्शनियों के जरिए हाई-वैल्यू और समय-कुशल जुड़ाव को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इश रोड शो का समापन एक इंटरैक्टिव सवाल-जवाब के सत्र के साथ हुआ, जिससे प्रतिभागियों को भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सीधे जुड़ने और इनोवेशन, रिसर्च, इंवेस्ट और बाजार पहुंच के क्षेत्रों में संभावित साझेदारियों की संभावनाएं तलाशने का अवसर मिला। भारत इनोवेट्स 2026 आयोजन की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से इस साल 17 फरवरी को 'इंडिया-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन' के उद्घाटन के अवसर पर, फ्रांस के राष्ट्रपति की उपस्थिति में की गई थी।

बिजनेस वर्ल्ड

फोर्स मोटर्स ने लॉन्च की नई फोर्स ट्रैवेलर एन रेंज, कार जैसा नया ड्राइवर केबिन, डिजिटल डिस्प्ले और 9-इंच की टचस्क्रीन

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारत के सबसे बड़े वैन निर्माता और प्रमुख ऑटोमोटिव कंपनी, फोर्स मोटर्स लिमिटेड ने आज अपनी नई फोर्स ट्रैवेलर एन रेंज लॉन्च की है। यह नया मॉडल एंबुलेंस, स्कूल बस और डिलीवरी वैन जैसे कामों में उपयोग के लिए बनाया गया है। यह नई फोर्स ट्रैवेलर एन रेंज कंपनी के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को और मजबूत बनाती है। इसमें आराम, सुविधा, भरोसेमंद परफॉर्मेंस और कुल लागत (मेंटेनेंस सहित) को कम करने पर ध्यान दिया गया है। इससे वाहन चलाना और उसकी देखभाल करना भी आसान हो गया है और इस तरह हर ग्राहक के अनुभव को और बेहतर तथा उन्नत बनाया गया है। इस लॉन्च के साथ फोर्स मोटर्स लिमिटेड अब धीरे-धीरे अपने सभी पुराने ट्रैवेलर मॉडल की जगह नया एन रेंज ही बनाएगी। यानी भविष्य में बनने वाले सभी नए मॉडल इसी नए प्लेटफॉर्म पर आधारित होंगे। चार दशकों से ज्यादा के अनुभव के साथ फोर्स मोटर्स लिमिटेड का फोर्स ट्रैवेलर अपने सेगमेंट में एक स्थापित और भरोसेमंद नाम रहा है। यह वाहन अपने श्रेणी का निर्माण करने वाला मॉडल माना जाता है और आज भी इस सेगमेंट में करीब 70% हिस्सेदारी के साथ बाजार में सबसे आगे है। यह एंबुलेंस, स्कूल बस और डिलीवरी वैन जैसे कई कामों में इस्तेमाल होता है और इसने उद्योग में नए मानक स्थापित किए हैं। अपनी विश्वसनीयता और प्रदर्शन के कारण यह भारत में सबसे पसंदीदा एंबुलेंस प्लेटफॉर्म और स्कूल बस सेगमेंट में सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्रांड बन चुका है। नई फोर्स ट्रैवेलर एन रेंज के लॉन्च पर अपनी बात रखते हुए फोर्स मोटर्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री प्रसन्न फिरोदिया ने कहा, "फोर्स ट्रैवेलर भारत में साझा यात्री परिवहन (शेयर्ड मोबिलिटी) का एक भरोसेमंद और स्थापित उत्पाद रहा है और यह अपने सेगमेंट में लगातार नेतृत्व कर रहा है।" उन्होंने आगे कहा, "नई फोर्स ट्रैवेलर एन रेंज में हमने उन चीजों पर ध्यान दिया है जो वास्तव में जरूरी हैं। इसे बनाने में मालिकों, ड्राइवरों और यात्रियों से मिले सुझावों को शामिल किया गया है, ताकि आराम, इस्तेमाल में आसानी, भरोसेमंद प्रदर्शन और कम खर्च जैसे पहलुओं को बेहतर किया जा सके।"

मनप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड का तिमाही कंसोलिडेटेड प्रॉफिट 405 करोड़ हो गया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मनप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड, जो एक प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) है, जिस ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही (Q4 FY26) के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। एनबीएफसी ने अपने समेकित कर-पश्चात लाभ (कंसोलिडेटेड प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) में साल-दर-साल 299.2% की मजबूत वृद्धि दर्ज की। तिमाही 4 में, प्रबंधन के तहत संपत्ति (एयूएम) 22.4% बढ़कर 63,798 करोड़ रुपये हो गई। तिमाही 4 में, कंपनी का गोल्ड लोन एयूएम बढ़कर 50,953 करोड़ हो गया, जिसमें साल-दर-साल 99.1% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पूरे वित्त वर्ष (FY26) के लिए कंपनी का कुल एयूएम 63,798 करोड़ रहा, जो आर्थिक वर्ष 2025 में दर्ज 43,034 करोड़ की तुलना में 48.3% ज्यादा है। कुल एयूएम में नॉन-गोल्ड लोन कारोबार की हिस्सेदारी 20.1% रही। आसिरवाद माइक्रोफाइनेंस कारोबार ने इस तिमाही में 13 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया। इस तिमाही में, एनबीएफसी की ऑपरेशन से होने वाली आय 10.7% (YoY) बढ़कर 2,614 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही (Q4 FY25) में यह 2,361 करोड़ रुपये थी। टैक्स के बाद का मुनाफा (PAT) (OCI और माइनॉरिटी इंटरेस्ट से पहले) 405 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही (Q4 FY 25) में 203 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया गया था। चौथी तिमाही में ब्रांचों की संख्या बढ़कर 5,340 हो गई और कर्मचारियों की संख्या 42,100 रही। मनप्पुरम फाइनेंस के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री वी.पी. नंदकुमार ने कहा, "वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के दौरान, कंपनी ने कई घरेलू और बाहरी चुनौतियों के बावजूद अच्छा प्रदर्शन किया है। इस तिमाही में सोने की ऊंची कीमतें, भू-राजनीतिक तनाव, सप्लाई-चेन में रुकावटें, धीमी आर्थिक वृद्धि और शेयर बाज़ार में उतार-चढ़ाव जैसी स्थितियां देखने को मिलीं। हालांकि, कंपनी ने इस दौरान शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो एयूएम (एसेट अंडर मैनेजमेंट) में हुई वृद्धि में साफ तौर पर झलकती है। हमारे मुख्य कारोबार, गोल्ड लोन में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई, जिसे मुख्य रूप से बढ़ती क्रेडिट मांग और सोने की ऊंची कीमतों से बल मिला। एसेट की गुणवत्ता में भी काफी सुधार हुआ, जिससे एनपीए अनुपात में उल्लेखनीय गिरावट देखने को मिली।"

वोदका बनाने वाली कंपनी का कमाल, 90 दिन में बनाया 179 करोड़ का प्रॉफिट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश में शराब पीने वालों की कोई कमी नहीं है। भारत दुनिया के उन देशों में शुमार है जहां पर सबसे ज्यादा शराब का सेवन किया जाता है। जिसकी वजह से इन कंपनियों का प्रॉफिट भी काफी होता है। आज हम ऐसी कंपनी की बात करने वाले हैं। भारत में बनी विदेशी शराब की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक रेडिको खेतान लिमिटेड का बीते 90 दिनों में मुनाफा डबल हो गया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर रेडिको खेतान की ओर से किस तरह के तिमाही नतीजे जारी किए हैं।रेडिको खेतान लिमिटेड का बीते वित्त वर्ष मार्च में समाप्त तिमाही के दौरान एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना होकर 179.46 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी ने बीएसई को भेजी सूचना में यह जानकारी दी है। इससे पहले बीते साल की इसी तिमाही में कंपनी ने 93.07 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी के पास रामपुर इंडियन सिंगल माल्ट व्हिस्की, जैसलमेर इंडियन क्राफ्ट जिन, मैजिक मोमेंट्स वोडका और 8 पीएम जैसे ब्रांड हैं। तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन आय 15.5 प्रतिशत बढ़कर 5,180.23 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 4,485.42 करोड़ रुपये थी। मार्च तिमाही में रेडिको खेतान की कुल आईएमएफएल (भारत में बनी विदेशी शराब) बिक्री चार प्रतिशत बढ़कर 95.2 लाख केस (750 एमएल की 12 बोतल) हो गई। तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 13.5 प्रतिशत बढ़कर 4,955.40 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान, कंपनी की अन्य आय सहित कुल आमदनी 15.63 प्रतिशत बढ़कर 5,188.12 करोड़ रुपये हो गई। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए रेडिको खेतान का शुद्ध लाभ 75 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 604.47 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की कुल एकीकृत आय 22.7 प्रतिशत बढ़कर 20,988.23 करोड़ रुपये हो गई। इस बीच, एक अलग नियामकीय सूचना में रेडिको खेतान ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 2025-26 के लिए 450 प्रतिशत यानी दो रुपये के इक्विटी शेयर पर नौ रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है।

आम लोगों के लिए गुड न्यूज! भारत में 8 रुपए सस्ता हुआ कच्चा तेल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आम लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में 12 से 15 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली है। खाड़ी देशों का कच्चा तेल यान ब्रेंट क्रूड के दाम 97 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया है। जिसके असर से देश के वायदा बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में 13.50 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। इसका मतलब है कि भारत में कच्चे तेल की कीमतें 8 रुपए प्रति लीटर कम हो गई हैं। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में और गिरावट देखने को मिल सकती है। कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिका और ईरान के बीच टेंशन कम होने और समझौता होने के संकेत मिलना है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इंटरनेशनल मार्केट से लेकर भारत में कच्चे तेल की कीमतों कितनी कम हो गई है। बुधवार को वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमतें 13.50 फीसदी प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 8,380 रुपए प्रति बैरल पर आ गईं। यह गिरावट वैश्विक बेंचमार्क में भारी नुकसान और अमेरिका तथा ईरान के बीच संभावित समझौते के संकेतों के कारण हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर, मई डिलीवरी के लिए कच्चे तेल की कीमत 1,318 रुपए, या 13.59 फीसदी गिरकर 8,380 रुपये प्रति बैरल हो गई। जबकि एक दिन पहले कच्चे तेल की कीमत 9,698 रुपए प्रति बैरल पर था। सुबह देश के वायदा बाजार में कच्चे तेल के दाम 9,610 रुपए पर ओपन हुए थे। शाम 5 बजकर 20 मिनट पर कच्चे तेल की कीमतें 1,055 यानी करीब 11 फीसदी की गिरावट के साथ 8,643 रुपए प्रति बैरल पर कारोबर कर रहा था। इंटरनेशनल मार्केट से लेकर भारत के मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज तक कच्चे तेल का वॉल्यूम बैरल में मापा जाता है। अगर इसे लीटर में कैलकुलेट किया जाए तो 158.987 लीटर यानी करीब 159 लीटर हो जाता है। मौजूदा समय में भारत में एक बैरल कच्चे तेल के दाम 8,380 रुपए पर पहुंच गए थे। इसका मतलब है कि कारोबारी सत्र में एक लीटर कच्चे तेल की कीमतें 52.70 रुपए प्रति लीटर हो गई थी।

दैनिक ठाणे, गुरुवार 7 मई, 2026
हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर

GAME & GLAMOUR

IPL 2026 फाइनल अहमदाबाद शिफ्ट, बेंगलुरु को झटका... बीसीसीआई का बड़ा यू टर्न, टिकट विवाद की वजह से हुआ ऐसा

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन (आईपीएल 2026) के प्लेऑफ का शेड्यूल और वेन्यू बुधवार को घोषित कर दिया। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद में खेला जाएगा। 70 मैचों के बाद टूर्नामेंट का पहला क्वालीफायर 26 मई को धर्मशाला में खेला जाएगा। इसमें अंकतालिका की दो शीर्ष टीमें एक दूसरे के आमने-सामने होंगी। इसके बाद न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 27 मई को तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच एलिमिनेटर होगा। 29 मई को इसी मैदान पर क्वालीफायर 2 भी आयोजित होगा। क्वालीफायर 2 में एलिमिनेटर की विजेता और क्वालीफायर 1 में हार का सामना करने वाली टीमें आमने-सामने होंगी। इस मैच से आईपीएल 2026 का दूसरा फाइनलिस्ट मिलेगा। 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईपीएल 2026 का फाइनल खेला जाएगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियमहै, और यहां एक रोमांचक फाइनल की उम्मीद है। आईपीएल ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर जानकारी दी है कि कुछ ऑपरेशनल और लॉजिस्टिक वजहों से इस सीजन का प्लेऑफ और फाइनल तीन जगहों पर कराया जाएगा। पूर्व में आईपीएल 2026 का फाइनल बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना था। स्थानीय एसोसिएशन, अधिकारियों की कुछ मांगों की वजह से बीसीसीआई ने फाइनल का वेन्यू बेंगलुरु से अहमदाबाद शिफ्ट कर दिया। जानकारी के मुताबिक स्थानीय एसोसिएशन और अधिकारियों की मांग बोर्ड के निर्देशों और प्रोटोकॉल के दायरे से बाहर थीं। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक कुछ राजनीतिक कारणों के चलते भी बेंगलुरु को प्लेऑफ या फाइनल की गई है। बता दें कि कुल 74 मैचों वाले आईपीएल के मौजूदा सीजन का आखिरी लीग 24 मई रविवार है और इस दिन 2 मैच खेले जाने हैं।

दुबई में फंसी अमीषा पटेल

बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल इन दिनों काफी ज्यादा परेशान चल रही है। इजरायल-यूएस और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार 4 मई की शाम को अमीषा पटेल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है। एक्ट्रेस युद्ध के बीच दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कई घंटों तक फंसी रहीं। ऐसा हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात में हुए मिसाइल हमलों के बाद उनकी न्यूयॉर्क से मुंबई कनेक्टिंग फ्लाइट के मस्कट की ओर डायवर्ट होने से हुआ। अमीषा पटेल ने अपने एक्स अकाउंट में लिखा कि, ह्यन्यूयॉर्क से मुंबई वापस आ रही थीं एमिरेट्स से, जैसे ही हम दुबई में लैंडिंग करने वाले थे, यूएई के एयरस्पेस को ईरान के ताजा मिसाइल हमलों के कारण बंद कर दिया गया। अब हमें मस्कट की ओर डायवर्ट कर दिया गया है और आगे की अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। यह युद्ध कब खत्म होगा। प्रार्थना कर रही हूं।ह्ल कुछ घंटों बाद मंगलवार, 5 मई की सुबह उन्होंने दुबई एयरपोर्ट के अंदर की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए एक और अपडेट शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ह्यदुबई एयरपोर्ट पर घंटों से इंतजार कर रही हूं, और इंतजार अभी भी जारी है। घर पहुंचने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।ह्ल अमीषा पटेल ने एयरपोर्ट लाउंज की दूसरी तस्वीर भी शेयर की। इसमें वे अपनी टीम के दो अन्य सदस्यों के साथ दिख रही हैं। तीनों एक टेबल के चारों ओर बैठे नजर आए। एक्ट्रेस ने लिखा, ह्यन्यूयॉर्क सिटी से निकले 24 घंटे हो चुके हैं और मुंबई पहुंचने के लिए अब भी घंटों की गिनती चल रही है। एयरपोर्ट लाउंज में अनंत तक का इंतजार।

सेंसर बोर्ड को मिला नया अध्यक्ष

सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन यानी सीबीएफसी के लिए नए अध्यक्ष का चयन कर लिया गया हैं। देश के मशहूर मीडिया स्पेशलिस्ट के तौर पर पहचान बनाने वाले और प्रसार भारती के पूर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) शशि शेखर वेम्पति को सेंसर बोर्ड की कमान सौंपी गई है। बता दें कि, ऑल इण्डिया रेडियो और दूरदर्शन को मॉर्डन बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। केंद्र की मोदी सरकार ने मीडिया इंडस्ट्री में उनके योगदान के मद्देनजर उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया है। भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत काम करने वाली एक वैधानिक संस्था सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) का मुख्य कार्य फिल्मों और अन्य विजुअल कंटेंट को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणित करना है।आम भाषा में इसे ह्लसेंसर बोर्डह्व भी कहा जाता है, जो यह तय करता है कि कोई फिल्म दर्शकों के लिए उपयुक्त है या नहीं। सीबीएफसी का गठन ळ्ल्लीं३ॅ्रंस्रँ अू३, 1952 के तहत किया गया था। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि फिल्मों में ऐसा कोई कंटेंट न हो जो देश की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता या शालीनता के खिलाफ हो। हर फिल्म को रिलीज से पहले इस बोर्ड के पास भेजना अनिवार्य होता है, जहां विशेषज्ञों की समिति उसे देखती है। फिल्म देखने के बाद समिति यह तय करती है कि उसे किस श्रेणी में प्रमाणपत्र दिया जाए। भारत में उइाछ चार प्रकार के सर्टिफिकेट जारी करता है- यू (सभी आयु वर्ग के लिए), यूए (अभिभावक की सलाह के साथ), ए (केवल वयस्कों के लिए) और एस (विशेष पेशेवर समूह के लिए)।

एमआई पर डबल अटैक, हार्दिक के बाद सूर्या भी अगले मैच से आउट

आईपीएल में लगातार हार से उबरी मुंबई इंडियंस अब एक नए संकट में फंस गई है। टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या पहले ही इंजरी के चलते टीम से बाहर हैं और अगले मैच में उनका खेलना लगभग नामुमकिन है। लेकिन इसी बीच, खबर आई है कि स्टैंड इन कप्तान सूर्यकुमार यादव भी आरसीबी के खिलाफ होने वाली अगली भिड़ंत में प्लेइंग 11 का हिस्सा नहीं होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, सूर्यकुमार यादव 10 मई को मुंबई इंडियंस के मैच में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि वह इस हफ्ते पिता बनने वाले हैं। ये मुंबई के लिए इसलिए बड़ा झटका है क्योंकि पिछले मैच में हार्दिक की गैरमौजूदगी में सूर्या बतौर कप्तान टीम से जुड़े थे। बता दें कि पंड्या को बैक स्पाजम है और वह टीम के साथ यात्रा नहीं कर पाए हैं। वह रायपुर के लिए रवाना भी नहीं हुए हैं। ऐसे में टीम के सामने न सिर्फ दो दिग्गज खिलाड़ियों का संकट है बल्कि अब नए कप्तान की भी तलाश है। अभी तक टीम की ओर से दोनों खिलाड़ियों की स्थिति पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन अगर यह सच साबित होता है, तो पहले से संघर्ष कर रही मुंबई टीम में एक बड़ा खालीपन पैदा हो सकता है। टीम पॉइंट्स टेबल में 9वें स्थान पर है और 10 मैचों में सिर्फ 3 जीत दर्ज कर पाई है। इससे कप्तान का पद भी खाली रह सकता है। तो ऐसे में मुंबई की कप्तानी कौन कर सकता है? टीम के पास कुछ विकल्प हैं, जिनका विश्लेषण करना उचित है।

रोहित शर्मा- अनुभवी विकल्प

रोहित शर्मा ने आखिरी बार क्छ 2023 में मुंबई की कप्तानी की थी, उसके बाद यह जिम्मेदारी पंड्या को दी गई. 163 मैचों में कप्तानी करते हुए उन्होंने 91 मैच जीते हैं, जिसमें 5 क्छ खिताब शामिल हैं. उनका जीत प्रतिशत 55 .82 रहा है. वह एक मैच के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं, लेकिन यह टीम के लिए पीछे जाने जैसा कदम भी हो सकता है.

जसप्रीत बुमराह

खं२स्र१३ इ४१ँ लंबे समय से मुंबई इंडियंस के लीडरशिप ग्रुप का हिस्सा रहे हैं. उन्होंने क्छ में टीम की कप्तानी नहीं की है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुछ अनुभव है. वह कप्तानी के लिए स्वाभाविक विकल्प बनते हैं, लेकिन सवाल यह होगा कि क्या वह यह जिम्मेदारी लेना चाहते हैं.

तिलक वर्मा

ळ'' श्ंवें को भी एक विकल्प के रूप में देखा जा सकता है, खासकर अगर टीम मैनेजमेंट किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी के लिए तैयार करना चाहता है. इस सीजन में एक शतक के अलावा उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा, लेकिन वह एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं.

राजा शिवाजी के लिए दशक भर संघर्ष किया : रितेश देशमुख

अभिनेता-फिल्मकार रितेश देशमुख के लिए अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म ह्यराजा शिवाजीह्न को बनाना आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि करीब एक दशक लंबा इंतजार अंततः रंग लाया और यह फिल्म ह्लबेहतरह्व बनी। एक मई को रिलीज हुई यह ऐतिहासिक फिल्म मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। देशमुख ने इसमें शीर्ष भूमिका निभाने के साथ-साथ पटकथा का सह-लेखन और निर्देशन भी किया है। फिल्म की घोषणा 2016 में हुई थी, लेकिन बाद में यह ठप पड़ गई। 2019 में इसे फिर शुरू किया गया, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे 2023 तक टालना पड़ा, जब देशमुख ने इसके लिए ह्लआखिरी कोशिशह्व करने का फैसला किया। प्रसिद्ध निर्देशकों रवि जाधव और नागराज मंजुले के नाम इस परियोजना से जुड़े थे, लेकिन अंततः देशमुख ने खुद इसके निर्देशन की भी जिम्मेदारी संभाली। देशमुख ने कहा, ह्लयह दस साल का सफर काफी लंबा था। कई बार इसे छोड़ दिया गया, लेकिन फिर मन बदल जाता था। अगर यह 2016 में बनती, तो यह फिल्म कुछ और होती। 2023 में शुरू होने से दृष्टिकोण बदला और हमने इसे ज्यादा भव्य और महत्वाकांक्षी बनाने का फैसला किया।ह्व उन्होंने कहा कि समय के साथ यात्रा का स्वरूप बदला और अब फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया से वह अभिभूत हैं। देशमुख ने कहा कि देरी फिल्म के लिए कारगर रही। उन्होंने अपनी पत्नी और फिल्म में सह-अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा को भी श्रेय दिया, जिन्होंने फिल्म का निर्माण करने के साथ-साथ इसे भव्य मराठी-हिंदी द्विभाषी फिल्म बनाने में योगदान दिया।

भावुक हुए कुणाल ठाकुर

एक्टर कुणाल ठाकुर ने हाल ही में अपनी वेब सीरीज 'ग्लोरी' से जुड़ा एक बेहद भावुक पल शेयर किया है, जिसने फैंस को उनकी निजी जिंदगी की एक खास झलक दिखाई है। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए उन्होंने बताया है कि अपने नौ साल के लंबे एक्टिंग करियर में पहली बार उनके पिता ने उन्हें शूटिंग सेट पर काम करते हुए देखा और यह पल उनके लिए बेहद यादगार बन गया। इस पोस्ट के माध्यम से कुणाल ने लिखा है, ह्लमेरे माता-पिता अबू धाबी में रहते हैं और इतने सालों में, शेड्यूल, शूट्स, संघर्ष और सपनों के बीचङ्घ उन्होंने मुझे कभी सेट पर काम करते हुए नहीं देखा था। लेकिन इस बार मुक्ति ने यह मुमकिन कर दिखाया। वह उन्हें उस दुनिया में लेकर आई, जिसे मैं लगभग एक दशक से पाने की कोशिश कर रहा हूं। उन्हें वहां खड़े होकर मुझे ह्यराकाह्न बनते हुए देखनाङ्घ चुपचाप सब कुछ महसूस करनाङ्घ वह पल मेरे लिए किसी भी प्रीमियर, तालियों या स्क्रीन टाइम से कहीं बड़ा था। यही मेरे लिए असली ह्यग्लोरी' का पल था, और सच कहूं तो इससे बेहतर मेरे लिए कुछ भी नहीं हो सकता। उन्होंने आगे बताया कि यह अनुभव एक कलाकार के जीवन के आम पलों से कहीं बढ़कर था। उनके लिए यह सिर्फ सफलता नहीं, बल्कि उस इंसान के सामने खुद को साबित करने जैसा था, जिसकी मौजूदगी सबसे ज्यादा मायने रखती है।

'शर्म करो', युवराज सहि ने अभषिक शर्मा- शुभमन गिल समेत इन शिष्यों को लताड़ा, बोले- ऋषभ पंत से कुछ सीखो

ऋषभ पंत ने आईपीएल 2026 से पहले अपने मुश्किल दौर में मदद करने के लिए युवराज सिंह को खास अंदाज में धन्यवाद दिया। पंत ने युवराज को एक गोल्फ क्लब गिफ्ट किया और एक इमोशनल नोट लिखा- प्रिय युवी पाजी, आपके सपोर्ट और गाइडेंस के लिए धन्यवाद, गोल्फ कोर्स पर मिलते हैं, लव आरपी। गौरतलब है कि खराब आईपीएल सीजन और भारत की टी-20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर होने के बाद पंत ने युवराज से संपर्क किया था, युवराज ने उनके साथ खासतौर पर मेंटल स्ट्रेंथ और कॉन्फिडेंस पर काम किया। युवराज, जो रिटायरमेंट के बाद गोल्फ के शौकीन हो गए हैं, उन्होंने इस गिफ्ट का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया. साथ ही उन्होंने अपने अन्य शिष्यों शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, नमन धीर, अब्दुल समद और प्रियांश आर्य को मजाक में चुटकी लेते हुए कहा शर्म करो, ऋषभ पंत से कुछ सीखो. जहां सबसे पहले उन्होंने नंबर 1 बेशर्म अभषिक शर्मा और नंबर 2 बेशर्म शुभमन गलि को बताया। यह वीडियो फैन्स के बीच तेजी से वायरल हो रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि युवराज हाल के वर्षों में कई युवा खिलाड़ियों के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, मैदान पर पंत का प्रदर्शन इस सीजन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है. उन्होंने 9 पारियों में 204 रन बनाए हैं, उनका एवरेज 25.50 और स्ट्राइक रेट 128.30 रहा है, जिसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल है। उनकी टीम भी पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे है।

एक बार फिर शादी के बंधन में बंधे शिखर धवन

टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। फरवरी में चुपचाप शादी करने के बाद अब उन्होंने अपनी पत्नी सोफी साइन के साथ आधिकारिक तौर पर मैरिज रजिस्ट्रेशन भी पूरा कर लिया है। गुरुग्राम में बेहद सादगी भरे अंदाज में पहुंचे धवन ने आम नागरिक की तरह लाइन में लगकर सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कीं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन 6 मई को गुरुग्राम के मैरिज रजिस्ट्रार ऑफिस पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी पत्नी सोफी साइन के साथ शादी का रजिस्ट्रेशन कराया। इस दौरान दोनों ने परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में जरूरी दस्तावेजों पर साइन किए। रजिस्ट्रार ऑफिस में धवन डार्क ब्लू टी-शर्ट में नजर आए, जबकि सोफी साइन ने हल्के आसमानी रंग का टॉप पहना हुआ था। इस दौरान एक हल्का-फुल्का पल भी देखने को मिला, जब किसी ने मजाक में कहा कि पंडित जी की फोटो आ रही है या नहीं। जानकारी के मुताबिक, शिखर धवन ने बिना किसी शोर-शराबे के विकास सदन पहुंचकर करीब 25 मिनट में सभी औपचारिकताएं पूरी कर लीं और चुपचाप वहां से लौट गए। इस दौरान उन्होंने किसी भी तरह की विशेष व्यवस्था नहीं ली और आम लोगों की तरह ही लाइन में लगकर प्रक्रिया का पालन किया।

फरवरी में हुआ था शादी समारोह

गौरतलब है कि शिखर धवन और सोफी साइन ने 21 फरवरी 2026 को दिल्ली-एनसीआर में एक निजी समारोह में शादी की थी। इस समारोह में केवल करीबी परिवार और दोस्तों को ही आमंत्रित किया गया था। दोनों की मुलाकात दुबई में हुई थी और करीब एक साल तक डेटिंग के बाद उन्होंने 2025 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया। सोफी साइन वर्तमान में शिखर धवन फाउंडेशन का काम संभाल रही हैं। दोनों ने इसी साल 12 जनवरी को सगाई की थी। उनकी शादी और प्री-वेडिंग फंक्शंस में भारतीय और आयरिश परंपराओं का खूबसूरत संगम भी देखने को मिला था। शिखर धवन के इस नए जीवन की शुरूआत को लेकर फैंस उन्हें लगातार बधाइयां दे रहे हैं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, कार्यकारी संपादक: पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 स्थानीय संपादक: शिवप्रताप